● वर्ष : 17 ● अंक : 238 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

दैनिक लोकतंत्र की शान

WWW.LKSTV.IN

दिल्ली से प्रकाशित गुरुवार 18 जून 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

प्रधानमंत्री ने जी7 के मंच से की वैश्विक दक्षिण और छोटे देशों को सहयोग देने की अपील

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों को विकासशील देशों को वैश्विक सप्लाई चेन में रुकावट के झटकों को झेलने और आर्थिक मजबूती बनाए रखने में मदद करने के लिए सहायक तंत्र बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में संकट के कारण ईंधन, खाद और खाद्य सप्लाई चेन में आई रुकावटों का असर लंबे समय तक 'वैश्विक दक्षिण' पर पड़ता रहेगा। उन्होंने कहा, "अगर हम सच में अंतरराष्ट्रीय एकजुटता को मजबूत करना चाहते हैं, तो सबसे कमजोर देशों को इन संकटों का बोझ अकेले नहीं उठाने देना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने आज एवियन में जी7 शिखर सम्मेलन में 'सभी के लिए संतुलित, साझा और टिकाऊ आर्थिक विकास को फिर से शुरू करने' पर आयोजित आउटरीच सत्र को संबोधित किया। उन्होंने इस विषय को महत्व देने के लिए फ्रांस (जी7 प्रेसीडेंसी) की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विकास का मतलब सिर्फ़ जीडीपी या व्यापार के आंकड़े नहीं हैं। असली सवाल यह है कि विकास किसके लिए, किसके साथ और किस दिशा में हो रहा है? भारत का अनुभव दिखाता है कि साझा विकास से उम्मीदों को हकीकत में बदला जा सकता है। भारत की विकास गाथा समावेश, बड़े पैमाने और लोकतांत्रिक सशक्तिकरण की कहानी है। मोदी ने कहा कि यह 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' से प्रेरित है। भारत ने जी20 अध्यक्षता, भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक कॉरिडोर (आईएमईसी) की शुरुआत और कई अन्य मौकों पर इसे दर्शाया है। उन्होंने सुझाव दिया कि आईएमईसी के विजन की तरह ही हमें अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और प्रशांत द्वीप देशों के साथ 'संपर्क परियोजनाओं' पर काम करना चाहिए। उन्होंने संपर्क परियोजनाओं और व्यापार को तेज करने के लिए 'इंटरनेशनल मोबिलाइज़ेशन पार्टनरशिप फॉर एक्सेलरेटिंग कनेक्टिविटी एंड ट्रेड' (इम्पेक्ट) बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि इसे जी7 की पूंजी, भारत की प्रतिभा और 'वैश्विक दक्षिण' देशों की भागीदारी से बनाया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने 'ग्लोबल स्किल्स पार्टनरशिप' बनाने का भी आह्वान किया और कहा कि हम कौशल मैपिंग और भरोसेमंद कुशल लोगों की आवाजाही को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज कई समाज बूढ़े होते जा रहे हैं, जबकि भारत और 'वैश्विक दक्षिण' के अन्य देशों में युवा प्रतिभा, उद्यमिता और कौशल की भरमार है।

जी-7 सम्मेलन में दिखी भारतीय कूटनीति, पीएम मोदी ने ब्रिटेन, यूएई, जापान, मिस्र और केन्या के नेताओं से की मुलाकात

एवियन (फ्रांस)। फ्रांस के एवियन में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के इतर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कई देशों के शीर्ष नेताओं से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों को नई गति देने पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इन बैठकों की जानकारी साझा करते हुए विभिन्न देशों के साथ सहयोग को और मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता जताई। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ हुई मुलाकात में दोनों नेताओं ने भारत-ब्रिटेन संबंधों में पिछले एक वर्ष के दौरान आई मजबूती पर संतोष व्यक्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हालिया व्यापार समझौते ने आर्थिक सहयोग के नए अवसर खोले हैं। बैठक में नवाचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), कौशल विकास, खेल तथा निवेश जैसे क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने पर विचार-विमर्श हुआ। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ बैठक में दोनों नेताओं ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और सशक्त बनाने के उपायों पर

चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने यूएई में रह रहे भारतीय समुदाय के प्रति वहां की सरकार द्वारा दिखाई जा रही संवेदनशीलता और सहयोग के लिए आभार भी व्यक्त किया। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची के साथ बातचीत में व्यापार और निवेश को प्राथमिकता देते हुए दोनों देशों के बीच बहुआयामी सहयोग को और गहरा करने पर सहमति बनी। दोनों नेताओं ने आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता दोहराई। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी से मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और मिस्र के बीच लंबे समय से चले आ रहे मैत्रीपूर्ण संबंधों को विशेष बताया।

दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। इसके अलावा केन्या के राष्ट्रपति विलियम रुटो के साथ हुई बैठक में वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की साझा आकांक्षाओं और विकास संबंधी चुनौतियों पर विचार-विमर्श हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और केन्या की साझेदारी आपसी विश्वास और विकास सहयोग पर आधारित है तथा दोनों देश अपने नागरिकों के कल्याण के लिए मिलकर कार्य करते रहेंगे।

अमेरिका चाहता है हिजबुल्लाह के खिलाफ सीरिया संभाले मोर्चा, ट्रंप ने की अल-शरा से बातचीत

एजेंसी। वाशिंगटन

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए शांति समझौते पर स्विट्ज़रलैंड में औपचारिक हस्ताक्षर होने से दो दिन पूर्व सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा से अहम बातचीत की है। ट्रंप ने हिजबुल्लाह के खिलाफ जंग को लेकर इजराइल की आलोचना की। उन्होंने अल-शरा से कहा कि वह चाहते हैं सीरिया ईरान समर्थित आतंकी समूह हिजबुल्लाह के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व करे। गल्फ न्यूज और फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने कहा कि उन्होंने सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा से बातचीत में आग्रह किया है कि वह हिजबुल्लाह के खिलाफ मोर्चा संभाले। हर तरह से लड़ाई का नेतृत्व करें। ट्रंप ने समझौते के दौरान लेबनान पर इजराइल के हमले जारी रखने की आलोचना की है। महत्वपूर्ण यह है कि ईरान पोषित हिजबुल्लाह लेबनान में अपनी पैठ जमा चुका है। ट्रंप ने हिजबुल्लाह के खिलाफ इजराइल के सैन्य अभियान की सार्वजनिक रूप से आलोचना की। उन्होंने कहा कि लड़ाई "बहुत लंबी" खिंच गई है और इसमें बहुत

ज्यादा आम नागरिक मारे गए हैं। इन टिप्पणियों से मध्य पूर्व में अमेरिकी कूटनीति में तनाव का एक नया पहलू जुड़ गया है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने इजराइल से भी आग्रह किया है कि वह हिजबुल्लाह का मुकाबला करने में सीरिया को अधिक सक्रिय भूमिका निभाने देने पर विचार करे। राष्ट्रपति ने कहा, "इजराइल आतंकी समूह हिजबुल्लाह से लंबे समय से लड़ रहा है और बहुत सारे लोग मारे जा रहे हैं। आम नागरिकों वाली रिहायशी इमारतें नष्ट हो गई हैं। इन इमारतों में सभी हिजबुल्लाह के सदस्य नहीं रहते थे। आप किसी को ढूंढ रहे हों तो हर बार आपको अपार्टमेंट की इमारतें गिराने की जरूरत नहीं है। इसके और भी तरीके हो सकते हैं। " ट्रंप ने कहा, "अगर इजराइल बाकी लोगों को मारे बिना यह काम नहीं कर सकता तो वह काम सीरिया करेगा।

संक्षिप्त समाचार

नीट परीक्षा से पहले लगे प्रतिबंध के खिलाफ टेलीग्राम पहुंची हाईकोर्ट

नई दिल्ली। टेलीग्राम ने भारत सरकार द्वारा लगाए गए अस्थायी प्रतिबंध के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया है। केंद्र ने नीट (यूजी) 2026 की दोबारा परीक्षा से पहले 22 जून तक देश में टेलीग्राम की सेवाओं पर रोक लगाने का फैसला किया था। इस मामले की सुनवाई जस्टिस तेजस करिया की अवकाशकालीन पीठ के सामने रखी गई, जिसने इसे तुरंत सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है। बता दें, नीट की दोबारा परीक्षा 21 जून को आयोजित की जानी है। केंद्र सरकार ने यह फैसला राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) और शिक्षा मंत्रालय की सिफारिश पर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि कुछ समूह टेलीग्राम का इस्तेमाल करके छात्रों और अभिभावकों को कथित पेपर लीक और परीक्षा से जुड़ी भ्रामक जानकारी के जरिए गुमराह कर रहे थे। सरकार का मानना है कि परीक्षा के दौरान इस तरह की गतिविधियों को रोकना जरूरी है, ताकि उम्मीदवार बिना किसी भ्रम के निष्पक्ष माहौल में परीक्षा दे सकें। सरकार ने टेलीग्राम को भारतीय यूजर्स के लिए 30 जून तक पुराने मैसेज में बदलाव करने की सुविधा बंद करने का निर्देश भी दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ लोग पहले सामान्य मैसेज पोस्ट करते थे और बाद में उनमें बदलाव करके प्रश्नपत्र या अन्य सामग्री जोड़ देते थे। इसके बाद पुराने समय के स्क्रीनशॉट दिखाकर पेपर लीक होने का दावा किया जाता था।

देश का रक्षा उत्पादन वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 1.78 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचा

नई दिल्ली। देश के रक्षा उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई है। भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन वित्त वर्ष 2025-26 में 1.78 लाख करोड़ रुपये के रिकॉड सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक यह ऐतिहासिक उपलब्धि पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के 1.54 लाख करोड़ रुपये के उत्पादन के मुकाबले में 15.6 फीसदी की वृद्धि को दर्शाती है। मंत्रालय के मुताबिक इसके अलावा वित्त वर्ष 2020-21 की तुलना में इसमें 110 फीसदी की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जब रक्षा उत्पादन का आंकड़ा 84,643 करोड़ रुपये था। मंत्रालय ने कहा कि रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का कुल उत्पादन में करीब 76 फीसदी हिस्सा रहा, जबकि निजी क्षेत्र का योगदान 24 फीसदी रहा है, जो वित्त वर्ष 2024-25 के 22 फीसदी से अधिक है। वित्त वर्ष 2025-26 में निजी क्षेत्र का हिस्सा लगभग 42,000 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है। यह रक्षा इकोसिस्टम में इसकी बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। पिछले कुछ वर्षों में रक्षा के उत्पादन में हुई वृद्धि ने वित्त वर्ष 2025-26 में 38,424 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड रक्षा निर्यात को हासिल करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस उपलब्धि के लिए रक्षा उत्पादन विभाग और सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों के सामूहिक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह प्रगति देश के बढ़ते रक्षा औद्योगिक आधार का स्पष्ट संकेत है। उन्होंने आगे कहा कि निरंतर नीतिगत समर्थन, कई नई पहलों, निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी और निर्यात क्षमताओं में वृद्धि के साथ, रक्षा उत्पादन क्षेत्र आने वाले वर्षों में और भी तेजी से विकास करने के लिए तैयार है।

वडोदरा में हादसा: ट्रक और बस की टक्कर में 6 की मौत, 31 घायल

एजेंसी। वडोदरा

गुजरात के वडोदरा में कोटांबी स्टेडियम के पास बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है, जहां एक स्लीपर बस और खड़े ट्रक के बीच हुई जोरदार टक्कर में 6 लोगों की मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे में 31 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मृतकों में एक 9 साल का मासूम बच्चा भी शामिल है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, एक लग्जरी ट्रैवल कंपनी की यह स्लीपर बस राजस्थान के बांसवाड़ा से सूरत की ओर जा रही थी। इसी दौरान वडोदरा में सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से बस की भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का एक हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और कई यात्री अंदर ही फंस गए। चीख-पुकार सुनकर स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़े। हादसे की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और स्थानीय फायर विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर कड़ी मशक्कत के बाद बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया।सभी घायलों को इलाज के लिए पास के एसएसजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां कुछ की हालत नाजुक बनी हुई है। इस भीषण दुर्घटना के कारण हाईवे पर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया, जिसे सुचारू करने के लिए पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीमें राहत कार्य में जुटी हैं।गौरतलब है कि गुजरात में हाल के दिनों में यह दूसरा बड़ा सड़क हादसा है। इससे पहले दो जून को सूरत जिले के बारडोली के पास भी दो बसों की आमने-सामने की टक्कर में 7 यात्रियों की जान चली गई थी और 10 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

भारत और थाईलैंड रक्षा क्षमता विकास में सहयोग को और मजबूत बनाने पर सहमत

एजेंसी। नई दिल्ली

दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंध रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक उन्नत किए

थाईलैंड के बैंकॉक में हुए 10वें रक्षा सम्मेलन में भारत के साथ द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा की गई। दोनों देशों ने पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। थाईलैंड के रक्षा उप स्थायी सचिव एडमिरल नट्टापोल डिएववानिच और भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव सत्यजीत मोहंती की सह-अध्यक्षता में हुए सम्मेलन में दोनों पक्षों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में विकसित हो रहे सुरक्षा परिवेश पर चर्चा के साथ-साथ क्षेत्रीय

घटनाक्रमों पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए सहयोग को मजबूत करने के महत्व को दोहराया। प्रतिनिधिमंडलों ने पिछली वार्ता के बाद से द्विपक्षीय रक्षा सहयोग में हुई प्रगति की समीक्षा की। चर्चा में वर्तमान में जारी सैन्य समन्वय, क्षमता निर्माण पहल, प्रशिक्षण आदान-प्रदान, समुद्री सहयोग और पारस्परिक हित के अन्य क्षेत्रों को शामिल किया गया। इस संवाद में दोनों देशों के बीच जारी रक्षा उद्योग सहयोग की भी समीक्षा की गई। दोनों पक्षों ने अपने-अपने रक्षा तंत्रों के बीच पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रक्षा विनिर्माण, अनुसंधान, नवाचार और क्षमता विकास में सहयोग को और गहरा करने के अवसरों पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडलों ने दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) के नेतृत्व वाले तंत्रों सहित क्षेत्रीय और बहुपक्षीय रक्षा ढांचों के अंतर्गत सहयोग पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने व्यावहारिक सहयोग को मजबूत करने और संवाद एवं सहयोग के माध्यम से साझा सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। बैठक का समापन भविष्य की गतिविधियों और द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और मजबूत बनाने के साथ हुआ।

झारखंड राज्यसभा चुनाव: 56 नहीं, 61 के नारे ने बढ़ाई सियासी हलचल

रांची। झारखंड की दो राज्यसभा सीटों के लिए 18 जून को होने वाले चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है। सत्तारूढ़ महागठबंधन जहां अपने दोनों उम्मीदवारों की जीत को लेकर आश्वस्त है, वहीं भाजपा समर्थित प्रत्याशी परिमल नथवानी की जीत का दावा भी किया जा रहा है। इसी बीच झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के महासचिव विनोद पांडेय की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने सियासी चर्चाओं को नया मोड़ दे दिया है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, 56 नहीं, 61, जिसके बाद राज्य की राजनीति में इसके अलग-अलग मायने निकाले जा रहे हैं। दरअसल, झारखंड विधानसभा में महागठबंधन के पास कुल 56 विधायक हैं। यह संख्या राज्यसभा की दोनों सीटों पर अपने उम्मीदवारों को जीत दिलाने के लिए पर्याप्त मानी जाती है। लेकिन चुनाव से पहले क्रॉस वोटिंग की संभावनाओं को लेकर लगातार चर्चाएं चल रही हैं। ऐसे में 56 नहीं, 61 का नारा राजनीतिक गलियारों में चर्चा का प्रमुख विषय बन गया है।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह नारा महागठबंधन की संख्या में संभावित बढ़ोतरी की ओर संकेत कर सकता है। अब तक चर्चा इस बात की थी कि महागठबंधन के कुछ विधायक एनडीए समर्थित उम्मीदवार के पक्ष में मतदान कर सकते हैं।

कोटा पहुंचे राहुल, बोले- नीट अभ्यर्थियों की मौतें भ्रष्ट व्यवस्था का परिणाम

कोटा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बुधवार को छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम में भाग लेने के लिए कोटा पहुंचे। दोपहर करीब 3:30 बजे चार्टर विमान से कोटा एयरपोर्ट पहुंचने पर उनका स्वागत राजस्थान कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने किया। इस दौरान गोविंद सिंह डोटासरा, अशोक गहलोत और सचिन पायलट समेत कई नेता मौजूद रहे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के स्वागत के लिए बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एयरपोर्ट पहुंचे थे। जैसे ही वे एयरपोर्ट लाउंज से बाहर निकले और अपने वाहन की ओर बढ़े, कार्यकर्ता उनके करीब पहुंचने लगे। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा और कार्यकर्ताओं को पीछे हटाया गया। भारी भीड़ के

कारण राहुल गांधी के काफिले को एयरपोर्ट से बाहर निकालने में भी काफी मशक्कत करनी पड़ी। एयरपोर्ट से राहुल गांधी स्टेशन रोड स्थित एक निजी होटल पहुंचे, जहां उन्होंने चुनिंदा छात्रों से मुलाकात और चर्चा की। इसके बाद उनका मुख्य कार्यक्रम दशहरा मैदान में आयोजित 'छात्रों की गूंज' संवाद कार्यक्रम है। आयोजकों के अनुसार इस कार्यक्रम में केवल छात्रों को प्रवेश दिया गया है, जबकि राजनीतिक कार्यकर्ताओं को शामिल नहीं किया जाएगा।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

बंगाल चुनाव परिणाम: तृणमूल कांग्रेस में विभाजन

एक माह से अधिक समय हो चुके पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणाम कई दृष्टि से ऐतिहासिक और देश की राजनीतिक दिशा के लिये कुछ महत्वपूर्ण नए संकेतों की ओर इशारा करते हैं। चुनाव, सिर्फ सरकार बनाने की प्रक्रिया नहीं होते, बल्कि समाज की दिशा जनता की मनोदशा और लोकतांत्रिक मूल्यों का भी ''प्रतिबिम्ब'' होते हैं।

''सफल रणनीतिकार अमित शाह''- अनके दृष्टियों से चुनाव प्रक्रिया व परिणाम अप्रत्याशित रहे। प्रथम बार मतदाता सूची बनाने में तार्किक विसंगतियां के आधार पर लगभग 27 लाख मतदाताओं को चुनाव आयोग ने वैध सूची से हटा दिया। जस्टिस बागची ने उन्हें यह कर मताधिकार से वंचित कर दिया कि वे अगली बार मतदान कर सकेगें। यह भी देश में पहली बार हुआ हैं। पहली बार जजेस को शुद्ध मतदाता सूची बनाने में लगाया गया। सर्वप्रथम एग्जिट पोल के अनुमानों/अरमानों (इसलिए कह रहा हूं, कुछ लोगों की दृष्टि में एग्जिट पोल ''मैनिपुलेटड'' होते हैं) से कहीं ज्यादा भाजपा के पक्ष में परिणाम आए। एग्जिट पोल का ''औसत'' भाजपा को 157 सीट दे रहा था और तृणमूल कांग्रेस को 131 सीटें। परंतु वास्तविक परिणाम में 208 सीटें भाजपा को और 80 सीटें तृणमूल कांग्रेस को मिली। 15 साल बाद तृणमूल कांग्रेस को इस बुरी हार से सामना करना पड़ा। भाजपा के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के ''गृह प्रदेश'' जो अभी तक भाजपा के लिए राजनीतिक दृष्टि से ''सूखा प्रदेश'' रहा, में पहली बार में ही ''दो तिहाई बहुमत'' से भाजपा की सरकार की स्थापना के शिल्पकार, रणनीतिकार, संगठन क्षमता के धनी, चाणक्य कहे जाने वाले अमित शाह ने भविष्य के दावे'' पर अपनी मजबूत स्थिति को और सुदृढ़ की है। इस जीत ने एक बार फिर से यह सिद्ध किया कि, अमित शाह बीजेपी की ''जीत'' के ''पर्यायवाची'' हो चुके हैं। राजनीति में जीत का ''सेहरा'' उसी के सिर बंधता है, जो समय रहते ''चाल और चरित्र'' दोनों समझ लें।

'' जनादेश का सम्मान नहीं'' - पश्चिम बंगाल में क्या वास्तविक अर्थों में ''जनादेश'' का सम्मान किया जा रहा है, यह एक बड़ा प्रश्न नई परिस्थितियों के कारण उत्पन्न हुआ है। यदि मिले ''मतों की प्रतिशत'' की बात करें, तो हार जीत में बहुत ज्यादा अंतर नहीं है। भाजपा को 45.91% व तृणमूल कांग्रेस को 40.70% मत मिले। सीटों और मतों के प्रतिशत को एक साथ रखकर निष्कर्ष निकालें तो, यह स्पष्ट है, जहां जनता ने ''जनादेश'' भाजपा को ''सत्तारूढ़'' होने के दिया, वहीं उतना ही ''मजबूत जनादेश मजबूत विपक्ष'' की भूमिका के लिए तृणमूल कांग्रेस को सत्ता पर प्रभारी अंकुश रखने के भी दिया। लोकतंत्र में चुनाव परिणाम आने के बाद हर कोई पार्टी यही कहती है कि ''हम आए जनादेश का सम्मान करते हैं।'' क्योंकि जनादेश सरकार बनाने के ''अधिकार'' के साथ विपक्ष को भी ''वैधता'' प्रदान करता है। राजनीति संभावनाओं का खेल है। दलबदल, और बनते बिगड़ते गठबंधन लोकतंत्र के दागदार हिस्से है। तथापि चुनाव परिणाम के तुरंत बाद तृणमूल कांग्रेस में एक बड़ी टूट होने जा रही है। विधायक दल में तो टूट की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। निष्कासित तृणमूल कांग्रेस के विधायक ऋतब्रत बनर्जी को अलग हुए धड़े (58 विधायकों) ने न केवल अपना नेता चुन लिया, जिसे 5 जून को न केवल विधानसभा अध्यक्ष ने मान्यता दी; बल्कि विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में उन्हें मान्यता भी दे दी। अलग गुट बनाने के फैसले के पूर्व ममता बनर्जी से किसी भी प्रकार की चर्चा किए बिना बागी गुट की ममता बनर्जी से यह अपील कि वे ''मुख्य सलाहकार'' (भाजपा के मार्गदर्शक मंडल समान) बनी रहें, लेकिन अभिषेक बनर्जी से दूरी बनाए रखें। यह एक ''भद्दा मजाक'' नहीं; तो क्या है?

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

रेलवे ने अवसंरचना, माल ढुलाई, सुरक्षा और शहरी संपर्क से जुड़ी 12 सौ करोड़ की परियोजनाओं को दी मंजूरी

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय रेलवे ने देश में रेल अवसंरचना, माल ढुलाई क्षमता, सुरक्षा और शहरी संपर्क को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनमें गुजरात के कच्छ क्षेत्र में 493 करोड़ रुपये की लागत से आदिपुर–भुज दोहरीकरण परियोजना, महाराष्ट्र में 172 करोड़ रुपये की सोमटणे–चिखली कॉर्ड लाइन परियोजना, पूर्वी रेलवे में 405 करोड़ रुपये की सिग्नलिंग आधुनिकीकरण परियोजना तथा इंदौर यार्ड में 139 करोड़ रुपये की लागत से शास्त्रीय रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) के पुनर्निर्माण की परियोजना शामिल हैं। रेल मंत्रालय ने बुधवार को इनकी जानकारी दी। मंत्रालय के अनुसार इन परियोजनाओं की मंजूरी के साथ भारतीय रेलवे भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप अवसंरचना निर्माण, क्षमता विस्तार,

बहु-माध्यम संपर्क और कुशल माल परिवहन नेटवर्क के विकास के अपने प्रयासों को आगे बढ़ा रहा है। इन पहलों से रेल सेवाओं की विश्वसनीयता, सुरक्षा और परिचालन दक्षता में सुधार होगा तथा बढ़ती परिवहन, लॉजिस्टिक्स और आर्थिक जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा करने में सहायता मिलेगी। रेलवे के अनुसार आदिपुर–भुज दोहरीकरण परियोजना से कच्छ क्षेत्र में रेल संपर्क और क्षमता में वृद्धि होगी। इसके माध्यम से प्रतिदिन प्रत्येक दिशा में दो अतिरिक्त यात्री ट्रेन सेवाएं चलाने की सुविधा मिलेगी तथा अतिरिक्त 12 मिलियन टन प्रति वर्ष माल ढुलाई संभव होगी। महाराष्ट्र की सोमटणे–चिखली कॉर्ड लाइन परियोजना से पनवेल जंक्शन पर भीड़भाड़ कम होगी और मालगाड़ियों के ठहराव समय में लगभग 110 मिनट की कमी आएगी। इससे लॉजिस्टिक्स दक्षता और माल परिवहन में सुधार होगा। पूर्वी रेलवे में सिग्नलिंग आधुनिकीकरण परियोजना के तहत 32 स्टेशनों पर पुराने रिले आधारित इंटरलॉकिंग सिस्टम को इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग से बदला जाएगा। इससे रेल संचालन की सुरक्षा, विश्वसनीयता और खराबी का शीघ्र पता लगाने की क्षमता बढ़ेगी। वहीं, इंदौर यार्ड में शास्त्रीय आरओबी के पुनर्निर्माण के तहत सेवा मार्गों सहित चार लेन का रोड ओवर ब्रिज बनाया जाएगा, जिससे यातायात जाम में कमी आएगी तथा रेल और सड़क यातायात दोनों के लिए सुरक्षित एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित होगा।

संक्षिप्त समाचार

संगम विहार में आपसी रंजिश में युवक की गोली मारकर हत्या, चार बदमाश वारदात के बाद फरार

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के संगम विहार इलाके में बुधवार सुबह आपसी रंजिश के चलते 32 वर्षीय हृदयेश की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात को दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर आए चार बदमाशों ने अंजाम दिया। पुलिस के मुताबिक मृतक हृदयेश टाटा 407 वाहन से मलबा ढोने का काम करता था। वारदात के समय हृदयेश अपने घर के बाहर मौजूद था, जबकि उसका छोटा भाई टाटा 407 को बाहर निकाल रहा था। इसी दौरान दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार युवक वहां पहुंचे और हृदयेश पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। गोलियों की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक हमलावर फरार हो चुके थे। गंभीर रूप से घायल हृदयेश को परिजन नजदीकी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर संगम विहार थाना पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को पता चला है कि हृदयेश का इलाके में रहने वाले एक परिवार से लंबे समय से विवाद चल रहा था। आशंका जताई जा रही है कि पुरानी रंजिश के चलते ही हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मृतक के परिजन और स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है। संदिग्धों की पहचान के लिए तकनीकी जांच के साथ-साथ सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों का विश्लेषण किया जा रहा है।

मुंबई में कोयला और लिग्नाइट गैसीफिकेशन योजना पर कोयला मंत्रालय का तीसरा रोड शो गुरुवार को

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय गुरुवार को मुंबई में 'सतही कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने की योजना' पर तीसरे रोड शो का आयोजन करेगा। इसका मुख्य उद्देश्य उद्योग की भागीदारी बढ़ाना और आयातित प्राकृतिक गैस तथा अमोनिया पर निर्भरता कम कर भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना है। कोयला मंत्रालय ने बुधवार को जारी बयान में बताया कि इस कार्यक्रम में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस विशेष अतिथि, जबकि कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे विशिष्ट अतिथि होंगे। मंत्रालय ने 'एक्स' पर जारी पोस्ट में बताया कि नई दिल्ली और हैदराबाद में आयोजित पिछले रोड शो को मिली उत्साहजनक सराहना के बाद मुंबई रोड शो में प्रमुख उद्योग हितधारकों, निवेशकों, प्रौद्योगिकी प्रदाताओं, नीति निर्माताओं, कोयला क्षेत्र के प्रतिनिधियों, वित्तीय संस्थानों और राज्य सरकार के अधिकारियों के एक साथ आने की उम्मीद है, ताकि कोयला गैसीकरण के उभरते अवसरों पर विचार-विमर्श किया जा सके और कोयला संसाधनों के स्वच्छ और अधिक टिकाऊ उपयोग के राष्ट्र के दृष्टिकोण का समर्थन किया जा सके।

दयालपुर हत्याकांड का खुलासा, दो आरोपित गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दयालपुर इलाके में कारोबारी और आम आदमी पार्टी कार्यकर्ता मोहम्मद राशिद की हत्या के मामले को पुलिस ने सुलझाने का दावा किया है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई एक स्कूटी भी बरामद की गई है, जो चोरी की निकली।पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया कि मामले की जांच के दौरान गठित विशेष टीमों ने घटनास्थल और आसपास के इलाकों से जुटाए गए साक्ष्यों, तकनीकी जानकारी और अन्य सुरागों का गहन विश्लेषण किया। जांच के आधार पर पुलिस ने चांद बाग निवासी अयान और खजूरी खास निवासी इमरान को गिरफ्तार किया।पूछताछ में दोनों आरोपितों ने हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। पुलिस के मुताबिक, आरोपितों के पास से बरामद स्कूटी का इस्तेमाल वारदात को अंजाम देने में किया गया था। विस्तृत जांच में पता चला कि यह स्कूटी नूर-ए-इलाही इलाके से चोरी की गई थी।उल्लेखनीय है कि दयालपुर के नेहरू विहार क्षेत्र में सोमवार शाम मोहम्मद राशिद की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया था कि राशिद का कुछ लोगों से विवाद चल रहा था। घटना के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए थे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच अभी जारी है। हत्या के पीछे की साजिश, मकसद और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका की पड़ताल की जा रही है। साथ ही आरोपितों के आपराधिक रिकॉर्ड और उनके आपसी संबंधों की भी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही मामले में और खुलासे होने की संभावना है।

लाल किला विस्फोट मामले में जावेद सिद्दीकी की अंतरिम जमानत याचिका पर ईडी से स्टेटस रिपोर्ट तलब

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने लाल किला विस्फोट से जुड़े मामले में अल फलाह यूनिवर्सिटी के संस्थापक जावेद अहमद सिद्दीकी की अपनी पत्नी के इलाज के दौरान देखभाल के लिए दायर अंतरिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया है। जस्टिस मधु जैन की बेंच ने मामले की अगली सुनवाई 24 जून को करने का आदेश दिया।आज सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से पेश वकील जोहेब हुसैन ने कहा कि याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। नौ जून को साकेत कोर्ट ने जावेद अहमद सिद्दीकी की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। साकेत कोर्ट के इस आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई है। जावेद अहमद सिद्दीकी ने कैंसर के चौथे स्टेज से जूझ रही पत्नी के इलाज के दौरान देखभाल के लिए छह हफ्ते की अंतरिम जमानत की मांग की है।जावेद अहमद सिद्दीकी को ईडी ने 18 नवंबर 2025 को गिरफ्तार किया था। फरीदाबाद स्थित अल फलाह यूनिवर्सिटी लाल किला विस्फोट के बाद से ही जांच एजेंसियों के रडार पर थी। मामले में गिरफ्तार तीन डॉक्टरों का संबंध अल फलाह यूनिवर्सिटी से पाया गया, जिसके बाद इस यूनिवर्सिटी के खिलाफ जांच शुरु की गई। ईडी ने जावेद को टेरर फंडिंग और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में गिरफ्तार किया था। ईडी ने 16 जनवरी को जावेद अहमद सिद्दीकी और अल फलाह चैरिटेबल ट्रस्ट के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की ओर से दो एफआईआर दर्ज होने के बाद ईडी ने अपनी जांच शुरु की थी। एफआईआर में कहा गया है कि अल फलाह यूनिवर्सिटी ने झूठी सूचना दी कि उसे नेशनल असेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन काउंसिल (एनएएसी) की ओर से मान्यता मिल चुकी है। ईडी ने कहा है कि उसने मनी लॉन्ड्रिंग कानून के तहत अल फलाह यूनिवर्सिटी की संपत्तियों को अनौपचारिक तौर पर जब्त कर लिया है। लालकिला के पास 10 नवंबर 2025 को आई10 कार में विस्फोट हुआ था। ये कार आमिर रशीद अली के नाम पर थी। इस विस्फोट में 13 लोगों की मौत हुई थी और 32 लोग घायल हो गए थे। यूजीसी ने अल फलाह यूनिवर्सिटी के खिलाफ शिकायत दर्ज की है जिसके बाद क्राईम ब्रांच ने जावेद अहमद सिद्दीकी को गिरफ्तार किया था। यूजीसी की शिकायतों के बाद दिल्ली पुलिस की क्राईम ब्रांच ने जावेद अहमद सिद्दीकी के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तार किया था।

मकोका मामले में लीना पॉल की जमानत याचिका पर दिल्ली पुलिस को नोटिस

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर शिवेंद्र सिंह की पत्नी अदिति सिंह से कथित तौर पर 200 करोड़ रुपये की ठगी के मामले के मुख्य आरोपित सुकेश चंद्रशेखर की पत्नी लीना मारिया पॉल की मकोका के मामले में दायर जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। जस्टिस जॉयमाल्या बागची की अध्यक्षता वाली वेकेशन बेंच ने नोटिस जारी करने का आदेश दिया।इसके पहले 5 मई को दिल्ली उच्च न्यायालय ने लीना पॉल की मकोका के मामले में जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जबकि मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में जमानत दे दी थी। इस मामले में 4 दिसंबर 2021 को पटियाला हाउस कोर्ट ने लीना मारिया समेत आठ आरोपितों के खिलाफ दाखिल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने लीना मारिया को 5 सितंबर 2021 को गिरफ्तार किया था। इस मामले में कोर्ट ने सुकेश चंद्रशेखर को 4 सितंबर 2021 को गिरफ्तार किया था।

ज्वेलरी कारोबारी से लूट की कोशिश नाकाम, अंतरराज्यीय गैंग के चार बदमाश गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस ने कपासहेड़ा इलाके में ज्वेलरी कारोबारी से हथियारों के बल पर लूट की कोशिश करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपित कुख्यात शुभम पंडित गैंग से जुड़े बताए जा रहे हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से 11 लाख रुपये नकद, तीन देशी पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान उत्तर प्रदेश के हापुड़ निवासी सुनील (40), हरियाणा के करनाल निवासी जोगिंदर उर्फ मुकेश (37), उत्तर प्रदेश के बहादुरगढ़ निवासी गुलजार (39) और हरियाणा के कुरुक्षेत्र निवासी अभिषेक उर्फ चिट्टा (22) के रूप में हुई है। इनमें सुनील पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था।दक्षिण पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बुधवार को बताया कि 19 अप्रैल 2026 की रात करीब साढ़े नौ बजे सामलखा निवासी एक चांदी के आभूषण कारोबारी दुकान बंद कर स्कूटी से घर लौट रहे थे। उनके पास करीब साढ़े तीन किलोग्राम चांदी के आभूषण थे, जिनकी कीमत सात से आठ लाख रुपये आंकी गई है।जैसे ही कारोबारी शिव मंदिर चौक, कपासहेड़ा के पास पहुंचे, दो बदमाश अचानक उनकी स्कूटी के सामने आ गए, जिससे वह गिर पड़े। एक आरोपित ने कारोबारी की छाती पर देशी पिस्तौल तानकर आभूषणों से भरा बैग छीनने की कोशिश की, जबकि दूसरे ने पिस्तौल की बट से उन पर हमला कर दिया। संघर्ष के दौरान एक बदमाश की पिस्तौल सड़क पर गिर गई। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और ईंट-पत्थर फेंककर आरोपितों को पकड़ने का प्रयास किया। इस दौरान बदमाश अपने तीसरे साथी की मोटरसाइकिल पर सवार होकर फरार हो गए। भागते समय एक आरोपित ने भीड़ में दहशत फैलाने के लिए फायरिंग भी की। घटना के बाद पीड़ित की शिकायत पर कपासहेड़ा थाने में 20 अप्रैल को भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 309(5), 312(3), 3(5) तथा आर्म्स एक्ट की धाराओं 25 और 27 के तहत मामला दर्ज किया गया। घटनास्थल से पुलिस ने एक लोडेड देशी पिस्तौल और एक खाली कारतूस बरामद किया था।

100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली:मामले की गंभीरता को देखते हुए इंस्पेक्टर हरि सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। इंस्पेक्टर विक्रम दहिया की निगरानी में टीम ने घटनास्थल और आसपास के 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और मोबाइल फोन रिकॉर्ड का विश्लेषण किया। तकनीकी जांच और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने सबसे पहले कुख्यात अपराधी सुनील की पहचान की, जो उत्तर प्रदेश का रहने वाला है और हत्या, डकैती, लूट, हत्या के प्रयास, गैंगस्टर एक्ट और आर्म्स एक्ट समेत 17 से अधिक मामलों में शामिल रहा है। करीब दो महीने तक लगातार निगरानी और छापेमारी के बाद पुलिस ने 14 जून को जोगिंदर उर्फ मुकेश को गौतमबुद्ध नगर के कंबक्शपुर गांव से गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर सुनील को हरियाणा के पलवल से दबोचा गया। सुनील के पास से एक देसी पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। इसके बाद आरोपितों के किराए के ठिकाने से 11 लाख रुपये नकद, एक देसी पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस बरामद किए गए। 15 जून को पुलिस ने हापुड़ के अलीशेर नगर, रामगढ़ी से गुलजार को गिरफ्तार किया, जिसके कब्जे से एक और देसी पिस्तौल बरामद हुई। पूछताछ के दौरान चौथे आरोपित अभिषेक उर्फ चिट्टा की पहचान हुई, जिसे हरियाणा के इंद्री, करनाल से गिरफ्तार किया गया।

रेकी कर बनाया था कारोबारी को निशाना:पुलिस जांच में सामने आया कि गुलजार ने सबसे पहले कारोबारी और उसकी दुकान की रेकी की थी। उसने दुकान खुलने और बंद होने का समय, कारोबारी की आवाजाही और रूट की जानकारी जुटाकर अपने साथियों को दी। इसके बाद सुनील ने इलाके की रेकी कर भागने के रास्तों की पहचान की। वारदात वाले दिन चारों आरोपित दुकान के आसपास जमा हो गए। कारोबारी के निकलते ही जोगिंदर ने उनकी स्कूटी रोककर गिरा दिया, जबकि अभिषेक ने पिस्तौल दिखाकर बैग छीनने की कोशिश की। स्थानीय लोगों के पहुंचने पर सुनील ने फायरिंग कर साथियों को फरार होने में मदद की। पुलिस के मुताबिक, सुनील, जोगिंदर और गुलजार 12 जून 2026 को उप्र के फिरोजाबाद जिले के शिकोहाबाद में हुई एक लूट की वारदात में भी वांछित थे। वहीं, सुनील और जोगिंदर हरियाणा के फरीदाबाद में दर्ज एक रंगदारी के मामले में भी फरार चल रहे थे। इस मामले में आरोपितों ने कारोबारी से पांच करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी। पुलिस के अनुसार, सुनील के खिलाफ उप्र, हरियाणा और दिल्ली में हत्या, लूट, डकैती, गैंगस्टर एक्ट और आर्म्स एक्ट समेत 17 से अधिक मामले दर्ज हैं। जोगिंदर के खिलाफ 12 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि अभिषेक पहले से स्नैचिंग और आर्म्स एक्ट के पांच मामलों में शामिल रहा है।

फोर्टिस एस्कॉर्ट्स ओखला में 55-वर्षीय महिला की 10-घंटे चली जीवनरक्षक सर्जरी सफल, मरीज के पेट से दुर्लभ 14.5 किलोग्राम वजन का ट्यूमर निकाला गया

» यह भारत में सर्जरी कर निकाले गए अब तक के सबसे बड़े आकार के कैंसरग्रस्त एब्डॉमिनल ट्यूमर में से है

» इस ट्यूमर को निकालने के लिए की गई जटिल सर्जरी के दौरान बाएं गुर्दे, गर्भाशय और फैलोपियन ट्यूब्स को भी निकाला गया

लोकतंत्र की शान

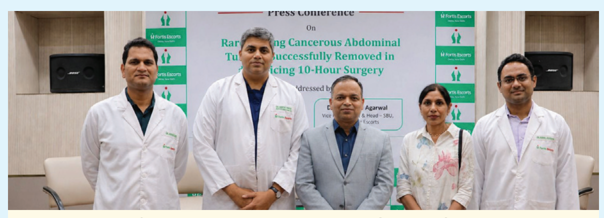

From left to right : Dr Vineet Goel, Consultant, Surgical Oncology, Dr Archit Pandit, Director, Surgical Oncology, Dr Vikram Aggarwal, Vice President & Head - Strategic Business Unit, 55-year-old patient and Dr Kushal Bairoliya, Consultant, GI Surgical Oncology, Fortis Escorts Okhla, Delhi

नई दिल्ली: सर्जिकल ओंकोलॉजी के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्ध दर्ज कराते हुए, फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पीटल, ओखला के डॉक्टरों ने 55-वर्षीय महिला की 10 घंटे चली जटिल एवं चुनौतीपूर्ण सर्जरी कर 14.5 किलोग्राम वज़न का पेट का कैंसरग्रस्त ट्यूमर निकालने में सफलता हासिल की है। डॉ अर्चित पंडित, डायरेक्टर – सर्जिकल ओंकोलॉजी के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने इस जटिल ओपन सर्जिकल प्रक्रिया से मरीज के पेट का ट्यूमर निकाला, जो कि भारत में निकाले गए सबसे बड़े ट्यूमर में से है। ऐसे ट्यूमर अत्यंत दुर्लभ होते हैं, और पेट के इस प्रकार के ट्यूमर 1% से भी कम होते हैं तथा पहले ही बेहद दुर्लभ किस्म के सारकोमा मामलों का मामूली हिस्सा होते हैं। मरीज कुलदीप कौर, जो कि पेशे से नर्स हैं, पिछले करीब चार वर्षों से सांस लेने में गंभीर परेशानी और चलने-फिरने में भी दिक्कत का सामना कर रही थीं, क्योंकि उनके पेट में तेजी से बढ़ रहे ट्यूमर ने उनकी मोबिलिटी के साथ-साथ लाइफ क्वालिटी को भी प्रभावित करना शुरू कर दिया था। इस ट्यूमर के बड़े आकार तथा इसे हटाने की जटिल प्रक्रिया को देखते हुए, वह दिल्ली के कई अस्पतालों में इससे पहले उपचार कराने से इंकार करती आयी थीं। आखिरकार उन्होंने फोर्टिस एस्कॉर्ट्स ओखला से संपर्क किया, जहां विस्तृत जांच डॉ विक्रम अग्रवाल, वाइस प्रेसीडेंट एवं हेड – स्ट्रैटेजिक बिजनेस यूनिट, फोर्टिस एस्कॉर्ट्स, ओखला, नई दिल्ली ने कहा, "इस मामले ने दुर्लभ तथा हाइ-रिस्क कैंसरग्रस्त ट्यूमर के सफलतापूर्वक प्रबंधन के लिए समय पर सर्जिकल हस्तक्षेप, मल्टीडिसीप्लीनरी विशेषज्ञता और उन्नत ओंकोलॉजिकल केयर की महत्वपूर्ण भूमिकाओं को रेखांकित किया है। अस्पताल में सफलतापूर्वक पूरी की गई सर्जरी ने मरीज की लाइफ क्वालिटी को बेहतर बनाने के साथ-साथ कुछ सर्वाधिक जटिल किस्म के कैंसर मामलों में फोर्टिस एस्कॉर्ट्स, ओखला की सर्जिकल उत्कृष्टता, नवाचार, तथा मरीज-केंद्रित देखभाल को भी और स्पष्ट तरीके से उभारा है।"

जीवन भर की तकलीफ से राहतः वर्ल्ड सिकल सेल डे के अवसर पर अपोलो हॉस्पिटल्स ने 200 से अधिक सिकल सेल ट्रांसप्लांट किए

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली: वर्ल्ड सिकल सेल डे के अवसर पर इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स, नई दिल्ली ने सिकल सेल डिजीज की रोकथाम, निदान और इलाज पर जोर दिया। यह भारत में पाई जाने वाली सबसे आम अनुवांशिक खून की बीमारियों में से एक है। डॉ. गौरव खार्या, क्लिनिकल लीड, सेंटर फॉर बोन मैरो ट्रांसप्लांट एंड सेलुलर थेरेपी, सीनियर कंसल्टेंट, पीडियाट्रिक हेमेटोलॉजी, ऑन्कोलॉजी एवं इम्युनोलॉजी, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स सिकल सेल डिजीज के लिए 215 से अधिक बोन मैरो ट्रांसप्लांट कर चुके हैं। यह इस बीमारी के इलाज में दुनिया के सबसे बड़े सिंगल-सेंटर अनुभवों में से एक है। सिकल सेल डिजीज एक अनुवांशिक रोग है, जो रेड ब्लड सेल की संरचना और काम में गड़बड़ी पैदा कर देता है। इसकी वजह से गंभीर एनेमिया, बार-बार दर्द, संक्रमण, अंगों के खराब होने, स्ट्रोक या आयु घटने का खतरा होता है। यह बीमारी भारत में मध्य, पश्चिमी

और आदिवासी इलाकों तथा मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, गुजरात, ओडिशा और राजस्थान जैसे राज्यों में फैली है। विशेषज्ञों के मुताबिक जैसे-जैसे रिसर्च आगे बढ़ रही है और इलाज के विकल्प उपलब्ध हो रहे हैं, वैसे-वैसे भारत में सिकल सेल डिजीज की रोकथाम, समय पर निदान और इलाज इसे खत्म करने के सबसे प्रभावशाली तरीके बनते जा रहे हैं, जो हजारों बच्चों और परिवारों के जीवन को बेहतर बना रहे हैं।

स्वच्छ भारत अभियान ने सफाई को जनआंदोलन बनाया : सिरसा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सेवा, सुशासन और विकास के ऐतिहासिक 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज मॉडल टाउन विधानसभा के नांगिया पार्क चौक पर आयोजित 'सफाई अभियान' में शामिल

हुआ। इस अवसर पर स्थानीय विधायक अशोक गोयल भी मौजूद रहे। सिरसा ने कहा कि सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि स्वच्छ भारत अभियान ने सफाई को सरकारी कार्यक्रम से निकालकर जनआंदोलन बनाने का काम किया है। इस अभियान ने देशभर में इस सोच को मजबूत किया है कि साफ-सुथरा वातावरण हर नागरिक का अधिकार और कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार भी राजधानी को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए दिन-रात काम कर रही है। कूड़े के पहाड़ों को कम करने, सफाई व्यवस्था को मजबूत करने और सार्वजनिक स्थानों को बेहतर बनाने की दिशा में 24X7 काम हो रहा है।सिरसा ने दिल्लीवासियों से अपने आसपास की सफाई को लेकर थोड़ा और जागरूक रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि इस कदस से दिल्ली को स्वच्छ और बेहतर बनाने का लक्ष्य और तेजी से हासिल किया जा सकता है।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय के यात्री सहायता नियंत्रण कक्ष से हो रहा है 98% सफल काम

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। पिछले वर्ष इंडिगो एयरलाइन्स के संकट के बाद नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा यात्री सहायता नियंत्रण कक्ष (पीएसीआर) हवाई यात्रियों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। इस दौरान 75 हजार से अधिक शिकायतों में से 73 हजार से अधिक का संतोषजनक समाधान हुआ है और अब इसकी दक्षता को शत प्रतिशत बनाने के लिए आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस का प्रयोग भी किया जाएगा।नागरिक उड्डयन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने आज यहां उड़ान भवन में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि यात्री सहायता नियंत्रण कक्ष की आरंभिक सफलता के बाद इसकी दक्षता बढ़ाने के बारे में सोचा जा रहा है। इसके लिए एआई का भी प्रयोग किया जाएगा।सिन्हा ने कहा कि पीएसीआर ने 98 प्रतिशत सफलता दर के साथ 73,000 से अधिक यात्रियों की शिकायतों का समाधान किया है।नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने व्यवधानों के दौरान यात्रियों की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए 24 x 7 यात्री सहायता नियंत्रण कक्ष (पीएसीआर) स्थापित किया है।पीएसीआर, नागरिक उड्डयन मंत्रालय के नेतृत्व में एयरलाइंस, हवाई अड्डों, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए), नागरिक उडडयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के प्रतिनिधियों को एक साथ लाता है, जिससे फंसे हुए यात्रियों को तत्काल सहायता सुनिश्चित होती है।एयरसेवा, ईमेल, सोशल मीडिया और कॉल के माध्यम से प्राप्त शिकायतों को त्वरित कार्रवाई के लिए पीएसीआर में एकत्रित किया जाता है। 10 दिसंबर से अब तक 73,000 से अधिक यात्रियों की समस्याओं का समाधान किया जा चुका है, जिनकी कुल निवारण दर 98 प्रतिशत है।नागरिक उडडयन मंत्रालय के अधिकारी प्रगति की समीक्षा करने के लिए प्रतिदिन पीएसीआर का दौरा करते हैं, जबकि वरिष्ठ अधिकारियों के लिए शिकायत निवारण पर नज़र रखने के लिए शिफ्ट-वार एक तकनीकी डैशबोर्ड तैयार किया जाता है। जिन मुद्दों का तुरंत समाधान नहीं होता, उन्हें आगे बढ़ाया जाता है और आवश्यकता पड़ने पर वरिष्ठ नेतृत्व से नीतिगत मार्गदर्शन प्राप्त किया जाता है। पीएसीआर के कामकाज की निगरानी तीन स्तरों पर की जाती है। सहायक सेक्शन अधिकारी, अवर सचिव/ सेक्शन अधिकारी और संयुक्त सचिव - और सक्षम प्राधिकारी को नियमित रिपोर्ट प्रस्तुत की जाती हैं, जो यात्री कल्याण, हितधारक समन्वय और जवाबदेही के प्रति नागरिक उडडयन मंत्रालय की प्रतिबद्धता को मजबूत करती हैं।नागरिक उड्डयन मंत्रालय यह सुनिश्चित करेगा कि भारत का नागरिक उड्डयन तंत्र प्रत्येक यात्री के लिए उच्चतम स्तर की सहानुभूति, दक्षता और पारदर्शिता के साथ काम करता रहे। हवाई अड्डों पर सस्ती दरों पर खानपान उपलब्ध कराने के बारे में सचिव ने कहा कि हवाई अड्डों पर उड़ान कैफे खोले जा रहे हैं जहां बीस रुपये की चाय एवं 40 रुपये का समोसा मिलता है। इस समय तक करीब 35-36 हवाई अड्डों पर ये कैफे खोले जा चुके हैं। विमानों के अंदर खाने पीने का सामान कई गुना महंगा बेचे जाने के बारे में उन्होंने कहा कि इस बारे में विचार विमर्श किया जा रहा है।

दिल्ली-एनसीआर में वाहन चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़, आठ आरोपित गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम जिले की ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड (एएटीएस) ने दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय एक कुख्यात अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनमें पांच शातिर वाहन चोर और तीन चोरी के वाहन खरीदने वाले रिसीवर शामिल हैं। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 10 चोरी के वाहन, 18 फर्जी नंबर प्लेट, 21 रिमोट चाबियां और वाहन चोरी में इस्तेमाल होने वाले अत्याधुनिक उपकरण बरामद किए हैं। इस कार्रवाई से वाहन चोरी के कुल 10 मामलों का खुलासा हुआ है।दक्षिण-पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बुधवार को बताया कि लगातार बढ़ रही वाहन चोरी की घटनाओं को देखते हुए एएटीएस की विशेष टीम का गठन किया गया था। इंस्पेक्टर राम कुमार के नेतृत्व और एसीपी ऑपरेशंस संगमित्रा के पर्यवेक्षण में गठित

टीम ने विभिन्न वारदात स्थलों का निरीक्षण किया, सीसीटीवी फुटेज खंगाली और तकनीकी व मानवीय सूचनाएं जुटाईं। जांच के दौरान पुलिस को दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय वाहन चोर गिरोह के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली। इसके बाद तीन फरवरी 2026 को गुप्त सूचना के आधार पर बाबा गंगनाथ मार्ग, मुनिरका के पास जाल बिछाया गया।सुबह करीब सात बजे अरुणा आसफ अली रोड की ओर से आ रही एक हुंडई क्रेटा कार को रोकने का प्रयास किया गया। चालक ने पुलिस को देखकर वाहन तेज गति से भगाने की कोशिश की, लेकिन बैरिकेडिंग लगाकर उसे पकड़ लिया गया। गिरफ्तार चालक की पहचान मेरठ निवासी आसिम उर्फ हसीम उर्फ दीवाना (35) के रूप में हुई। जांच में पता चला कि कार पर फर्जी नंबर प्लेट लगी हुई थी। वाहन का वास्तविक पंजीकरण नंबर जांचने पर वह मॉडल टाउन थाना क्षेत्र से चोरी की निकली। इस संबंध में किशनगढ़ थाने में बीएनएस की धाराओं 317(2), 345(3) और 111(2) (बी) के तहत मामला दर्ज किया गया। आसिम से पूछताछ के आधार पर पुलिस ने गिरोह के अन्य सदस्यों रियाजुद्दीन, कुलदीप वर्मा, आरिफ, सतीश कुमार पाल तथा चोरी के वाहन खरीदने वाले फजर, महमूद खान और उजेर कुरैशी को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस के अनुसार, आरोपित संगठित तरीके से दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न इलाकों से लग्जरी और अन्य कारों की चोरी करते थे। वे डुप्लीकेट चाबियों, रिमोट डिवाइस और ओबीडी स्कैनर जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की मदद से वाहन चुराते थे। चोरी के बाद वाहनों पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर उन्हें नकली दस्तावेजों के जरिए बेच दिया जाता था। कुछ वाहनों को खोलकर उनके पुर्जे अलग-अलग बेचे जाते थे। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से दो हुंडई क्रेटा कार, दो मारुति बलेनो कार, दो मारुति स्विफ्ट कार, एक मारुति वैगनआर कार, एक हुंडई आई-20 कार, एक हुंडई एक्सटर कार, एक मोटरसाइकिल, 18 जोड़ी फर्जी नंबर प्लेट, डुप्लीकेट चाबियां तैयार करने में इस्तेमाल होने वाली 21 रिमोट चाबियां, एक ओबीडी स्कैनर, दो ड्रिल मशीन, दो स्क्रूड्राइवर, दो एलएन की और डोर लॉक सेट सहित दो टूल किट बरामद किए।

आरोपितों का आपराधिक रिकॉर्ड:पुलिस के अनुसार, गिरोह का सरगना आसिम उर्फ हसीम उर्फ दीवाना पहले से वाहन चोरी, धोखाधड़ी और आर्म्स एक्ट समेत 63 मामलों में शामिल रहा है। रियाजुद्दीन पर 11, कुलदीप वर्मा पर 12, आरिफ पर 13 और सतीश कुमार पाल पर 20 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं, महमूद खान और उजेर कुरैशी पहले भी वाहन चोरी के मामलों में संलिप्त पाए गए हैं।

इन मामलों का हुआ खुलासा:पुलिस के अनुसार, इस कार्रवाई से किशनगढ़, मॉडल टाउन, अमर कॉलोनी, हजरत निजामुद्दीन, महरौली, पंजाबी बाग, नॉर्थ एवेन्यू, प्रशांत विहार और केएन कटजू मार्ग थाना क्षेत्रों में दर्ज वाहन चोरी के 10 मामलों का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि गिरोह के अन्य सदस्यों और चोरी के वाहनों के नेटवर्क की पहचान के लिए जांच जारी है।

संक्षिप्त समाचार

ताजिया की ऊंचाई 20 फीट तक रखने की अपील, प्रशासन करेगा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं : डीएम अजय द्विवेदी

लोकतंत्र की शान , मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा, रामपुर। उत्तर प्रदेश/ रामपुर/आगामी मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अजय द्विवेदी ने मुख्यमंत्री की गाइडलाइन के अनुरूप ताजियादारों और आयोजन समितियों से ताजिया की ऊंचाई सीमित रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कई बार देखने में आता है कि ताजिए अत्यधिक ऊंचे बनाए जाते हैं, जिससे बिजली के तारों एवं अन्य कारणों से दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। जिलाधिकारी ने अपने इंटरव्यू में बताया कि जनहित और

सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ताजियों की ऊंचाई 20 फीट तक रखने की अपील की गई है, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता लोगों की सुरक्षा है और सभी धार्मिक आयोजनों को सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराया जाएगा। डीएम अजय द्विवेदी ने बताया कि मुहर्रम के दौरान नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली, पेयजल, साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त रखने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए हैं। जुलूस मार्गों का निरीक्षण कराया जा रहा है तथा आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जाएंगी। उन्होंने सभी ताजियादारों एवं नागरिकों से प्रशासन का सहयोग करने तथा निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की, ताकि मुहर्रम का पर्व शांति, सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाया जा सके।

SP सिटी मानुष पारीक का अल्टीमेटमः चाइनीज मांझा बेचा तो सीधे जेल, ड्रोन से होगी 24 घंटे निगरानी

मंत्री के भतीजे के हादसे के बाद खुद फ्लाईओवर पर पहुंचे एसपी सिटी, शहरभर में चला सुरक्षा अभियान

(बरेली, उत्तर प्रदेश | संदीप चंद्रा), बरेली में प्रतिबंधित चाइनीज मांझे के कारण हुए दर्दनाक हादसे के बाद पुलिस प्रशासन पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। गन्ना मंत्री संजय सिंह गंगवार के 15 वर्षीय भतीजे आदित्य वीर गंगवार के गंभीर रूप से घायल होने के बाद अब पुलिस ने शहरभर में व्यापक अभियान शुरू कर दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी सिटी मानुष पारीक स्वयं मौके पर पहुंचे और शहर के

प्रमुख फ्लाईओवरों का निरीक्षण कर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। सोमवार को श्यामगंज फ्लाईओवर पर हुए हादसे ने पूरे शहर को झकझोर दिया। जानकारी के अनुसार, आदित्य वीर गंगवार बाइक से गुजर रहे थे तभी प्रतिबंधित चाइनीज मांझा उनकी गर्दन और चेहरे में उलझ गया। हादसे में उनकी गर्दन, गाल, होंठ, कान तथा हाथ की उंगलियां गंभीर रूप से कट गईं। घायल अवस्था में उन्हें तत्काल ईशान हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों को करीब साढ़े तीन घंटे तक प्लास्टिक सर्जरी करनी पड़ी। घटना के बाद अस्पताल पहुंचे मंत्री संजय गंगवार ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से कड़ा सवाल किया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद आखिर शहर में चाइनीज मांझे की बिक्री कैसे जारी है। मंत्री की नाराजगी के तुरंत बाद पुलिस प्रशासन ने पूरे मामले को सर्वोच्च प्राथमिकता पर लेते हुए अभियान तेज कर दिया।

ड्यूटी के दौरान रील बनाना अनुशासनहीनताः मुख्यमंत्री

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिशन रोजगार के तहत उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा चयनित 930 कंप्यूटर ऑपरेटरों (ग्रेड-ए) को बुधवार को लोकभवन में नियुक्ति पत्र प्रदान किए। उन्होंने चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं और पारदर्शी भर्ती को ससमय पूरा करने के लिए भर्ती बोर्ड को धन्यवाद दिया। सीएम ने कहा कि आप सभी प्रधानमंत्री मोदी जी के 'विकसित भारत' विजन को बढ़ाने के सारथी हैं। इसके लिए आत्म अनुशासन सबसे महत्वपूर्ण है और आप इसे बनाए रखेंगे। ड्यूटी के प्रति सजगता और हर कार्य में गंभीरता होनी चाहिए। ड्यूटी के दौरान रील बनाना अनुशासनहीनता है। ऐसा कोई कार्य नहीं करना चाहिए, जिससे हंसी का पात्र

बनना पड़े। सीएम ने विश्वास जताया कि सभी नवचयनित अभ्यर्थी यूपी पुलिस की आधुनिक तकनीक एवं सुरक्षा मानकों आदि की जानकारी के साथ टीम भावना, पारदर्शिता, निष्पक्षता के साथ अच्छा परफॉर्मेंस देंगे।

यूपी पुलिस ने देश में बनाई नई पहचान–सीएम ने कहा कि यूपी पुलिस ने जनसेवा को केंद्र में रखा तो देश में निखर गई। अब कोई यूपी पुलिस पर अंगुली नहीं उठाता। कालचक्र की परवाह किए बिना व्यक्ति अनिर्णय का शिकार होता है और अंततः बिखर जाता है। यूपी पुलिस की नई पहचान सिर्फ संख्या बल के आधार पर नहीं है। पीएम मोदी की अपेक्षा पर सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए यूपी पुलिस ने 9 साल में जिस त्वरित गति से काम किया, वह मॉडल पुलिसिंग का उदाहरण बना है। नवचयनित कार्मिकों की स्मार्ट पुलिस व डिजिटल वॉरियर्स के रूप में बड़ी भूमिका होने जा रही है।

जर्जर भदौरा मार्ग को लेकर ग्रामीणों में रोष, सड़क निर्माण की उठाई मांग

लोकतंत्र की शान / संवाददाता सतीश चंद राणा

हसनपुर अमरोहा – भदौरा मार्ग की बदहाल स्थिति को लेकर तहसील हसनपुर क्षेत्र के ग्रामीणों और किसानों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। लंबे समय से क्षतिग्रस्त पड़ी सड़क के निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया और जल्द समाधान न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। ग्रामीणों का कहना है कि करीब चार वर्षों से यह मार्ग गहरे गड्ढों और उखड़ी सड़क के कारण आवागमन के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है । इस मार्ग से चीनी मिल तक गन्ना पहुंचाने वाले किसानों को सबसे अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। खराब सड़क के कारण वाहनों में आए दिन खराबी होते रहती है , जिससे किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। कई वाहन चालकों को मजबूरी में लंबे रास्तों का सहारा लेना पड़ता है। क्षेत्रवासियों ने बताया कि सड़क की खराब हालत का असर स्कूली बच्चों और यात्रियों पर भी पड़ रहा है। स्कूल वाहन समय से नहीं पहुंच पाते हैं, जबकि ई-रिक्शा और

अन्य छोटे वाहन दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार गांव राजानागल के निकट सड़क हादसे में एक व्यक्ति की जान भी जा चुकी है।

नाबालिग से मारपीट के मामले में कार्रवाई से असंतुष्ट पीड़िता ने लगाई न्याय की गुहार

लोकतंत्र की शन सतीश चंद्र राणा

हसनपुरः गजरौला थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग किशोरी के साथ हुई मारपीट के मामले में पुलिस की कार्रवाई से असंतुष्ट पीड़िता बुधवार को अपने परिजनों के साथ हसनपुर तहसील पहुंची और अधिकारियों से न्याय की मांग की। गांव बिजौरा निवासी बुसरा पुत्री बाबू ने आरोप लगाया कि 11 जून की शाम वह अपनी दुकान पर मौजूद थी। इसी दौरान गांव का एक युवक वहां पहुंचा और सिगरेट मांगी। सिगरेट देने के बाद जब उसने पैसे मांगे तो दोनों के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि इसके बाद युवक ने अपने अन्य भाइयों को बुला लिया और उन्होंने मिलकर किशोरी तथा उसकी बहन के साथ मारपीट की। घटना के बाद पीड़िता ने गजरौला थाने में नामजद तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पीड़िता का कहना है कि पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों का शांति भंग की आशंका में चालान कर दिया, जबकि वह आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई चाहती है। बुधवार को पीड़िता अपने पिता और अन्य परिजनों के साथ उप जिलाधिकारी कार्यालय पहुंची तथा अधिकारियों से मुलाकात कर न्याय दिलाने की मांग की। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि उनकी शिकायत पर अपेक्षित सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद वे वापस घर लौट गए। परिजनों का कहना है कि यदि उन्हें न्याय नहीं मिला तो वे उच्च अधिकारियों से शिकायत करेंगे।

नजीबाबाद पालिका बोर्ड बैठक में हंगामा, सभासदों का धरना; महिला आयोग सदस्य के हस्तक्षेप के बाद निकला समाधान

» नजीबाबाद नगर पालिका में सभासदों को सुनवाई न होने पर बार बार देना पड़ता है धरना

लोकतंत्र की शान/ खिज़र अहमद

नजीबाबाद। नगर पालिका परिषद नजीबाबाद में आयोजित बोर्ड बैठक मंगलवार को विवादों के घेरे में आ गई। बैठक के दौरान नामित और निर्वाचित सभासदों ने नियमों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए पालिका गेट पर धरना शुरू कर दिया। देखते ही देखते मामला गरमा गया और सभासदों की नगर पालिका अध्यक्ष इंजीनियर मुअज्जम खान तथा अधिशासी अधिकारी (ईओ) के साथ तीखी नोकझोंक भी हुई। धरने पर बैठे सभासदों का आरोप था कि

कुछ निर्वाचित महिला सभासद स्वयं बैठक में उपस्थित नहीं थीं और उनकी जगह प्रतिनिधियों को बैठक में शामिल किया गया, जो बोर्ड बैठक की प्रक्रिया और नियमों के विपरीत है। इसी मुद्दे को लेकर सभासदों में नाराजगी बढ़ गई और उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। सभासदों ने यह भी आरोप लगाया कि धरना शुरू होने के बावजूद चेयरमैन इंजीनियर मुअज्जम खान प्रदर्शनकारी जनप्रतिनिधियों से मिलने नहीं पहुंचे, जिससे नाराजगी और बढ़ गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य महिला आयोग की सदस्य संगीता जैन अग्रवाल धरना स्थल पर पहुंचीं। उन्होंने धरने पर बैठे सभासदों से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली और मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी एवं उपजिलाधिकारी से भी वार्ता की। महिला आयोग सदस्य ने पालिका प्रशासन के रवैये पर कड़ी आपत्ति जताते हुए जवाब तलब किया।

चौपुला पुल 10 दिन पहले खुला, 35 दिन बाद बहाल हुआ यातायात; लोगों ने ली राहत की सांस

» जिलाधिकारी की सख्ती और लगातार निगरानी का दिखा असर, तय समय से पहले पूरा हुआ मरम्मत कार्य

लोकतंत्र की शान

(बरेली, उत्तर प्रदेश | संदीप चंद्रा) बरेली शहर के सबसे महत्वपूर्ण और अत्यधिक व्यस्त चौपुला पुल पर आखिरकार वाहनों का संचालन दोबारा शुरू हो गया। करीब 35 दिनों तक यातायात बंद रहने के बाद बुधवार को पुल आम जनता के लिए खोल दिया गया। पुल खुलते ही शहर के लाखों लोगों को बड़ी राहत मिली और लंबे समय से झेली जा रही जाम की समस्या से लोगों को काफी हद तक निजात मिल गई। सबसे खास बात यह रही कि पुल की मरम्मत का कार्य निर्धारित समय सीमा से लगभग 10 दिन पहले पूरा कर लिया गया। प्रशासन की सख्ती, लगातार मॉनिटरिंग और

अधिकारियों की सक्रियता के चलते यह संभव हो सका।

45 दिन के लिए बंद किया गया था पुल–राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा चौपुला पुल के एक्सपेंशन ज्वाइंट की मरम्मत के लिए 12 मई से पुल को बंद कर दिया गया था। शुरुआती योजना के अनुसार कार्य को पूरा करने के लिए 45 दिनों का समय तय किया गया था और 27 जून तक इसे दोबारा चालू किया जाना था। लेकिन पुल बंद होने के साथ ही शहर के प्रमुख मार्गों पर यातायात का दबाव कई गुना बढ़ गया। चौपुला पुल को बदायूं रोड और आसपास के इलाकों की जीवन रेखा माना जाता है, इसलिए इसके बंद होने का सीधा असर लाखों लोगों की दैनिक आवाजाही पर पड़ा।

सिरसी नगर पंचायत बोर्ड बैठक में विकास एवं जनहित से जुड़े कई अहम प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित

» पंचायत घर निर्माण, विद्युतीकरण, अंबेडकर प्रतिमा स्थापना और आधुनिक मशीनों की खरीद को मिली मंजूरी

लोकतंत्र की शान/ सैय्यद कुमैल ज़ैदी

सम्भल/सिरसी नगर पंचायत सिरसी की बोर्ड बैठक बुधवार को नगर पंचायत अध्यक्ष कौसर अब्बास की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में नगर के विकास, स्वच्छता व्यवस्था एवं जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा करते हुए उन्हें सर्वसम्मति से पारित किया गया। बैठक का संचालन डिप्टी कलेक्टर एवं अधिशासी अधिकारी आशुतोष तिवारी द्वारा किया गया। बैठक में पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर विकास योजना के अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों के प्रस्ताव शासन को भेजने पर सहमति बनी। इसके अलावा नगर में साफ-सफाई एवं विकास कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से मैजिक स्काई लिफ्ट, जेसीबी मशीन, हाइड्रा मशीन तथा ट्रैक्टर माउंटेड रोड स्वीपर मशीन की खरीद संबंधी प्रस्तावों को भी मंजूरी प्रदान की गई। नगर क्षेत्र में आवश्यक कार्यों को देखते हुए 50 सीमेंट के खंभे मंगाने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। बैठक में वार्ड संख्या-02

में पंचायत घर निर्माण, वंदन योजना के अंतर्गत वल्मीकि शिव मंदिर से जीओ इंटर कॉलेज तक तथा सरदाबाद-सम्भल मार्ग स्थित चामुंडा मंदिर परिसर में विद्युतीकरण कार्य कराने का निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त वार्ड संख्या-04 के मोहल्ला निसारी पश्चिमी में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने के प्रस्ताव को भी सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई।इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष कौसर अब्बास ने कहा कि नगर के चहुंमुखी विकास, बेहतर स्वच्छता व्यवस्था और मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए नगर पंचायत निरंतर कार्य कर रही है। बोर्ड बैठक में पारित सभी प्रस्तावों को शीघ्र धरातल पर उतारने का प्रयास किया जाएगा, जिससे नगरवासियों को प्रत्यक्ष रूप से लाभ मिल सके। बैठक में लिपिक रईस अहमद सहित निर्वाचित एवं नामित सदस्य आदित्य वीर रस्तोगी, फरहत अब्बास, अनवरी, तबस्सुम नाज, खुर्शीद, कयामुद्दीन, चंचल सैनी, हुस्न बानों, मोहम्मद शाहिर, आशिक अब्बास, इनामुल हक, हबीब रजा, इरफान हैदर, हाशिम अली, कुं० वंदना, विजय कुमार गुप्ता एवं अनिल श्री माली सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सपा के कार्यकर्ताओं ने महंगाई के खिलाफ जुलूस निकालकर एक ज्ञापन सोप

लोकतंत्र की शाम/ सतीश चंद्र राणा

हसनपुर : समाजवादी पार्टी के विधानसभा 42 के अध्यक्ष कैसर परवेज चौधरी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने बुधवार को प्रदेश में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं को लेकर जोरदार प्रदर्शन और पैदल मार्च नगर की मंडी समिति से तहसील तक किया। इसके बाद महामहिम राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री को संबोधित एक दस सूत्रीय ज्ञापन नया तहसीलदार नेहा सागर को सौंपा गया। सौंपे गए ज्ञापन में सपा ने मांग करते हुए कहा कि अमरोहा में औद्योगिक गलियारे व गंगा एक्सप्रेस-वे के लिए अधिग्रहित होने वाली जमीनों का सर्किल रेट बढ़ाया जाए और रोड साइड की जमीन छोड़ी जाए। इसके अलावा, पेट्रोलियम पदार्थों व एलपीजी की मूल्य वृद्धि वापिस लेने, फार्मर रजिस्ट्री की अनिवार्यता समाप्त करने, मक्का व धान की एमएसपी पर खरीद की गारंटी देने, पेपर लीक रोकने तथा डिजिटल रजिस्ट्री के विरोध में हड़ताल कर रहे अधिवक्ताओं की समस्याओं का सम्मानजनक समाधान निकालने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। आरिफ अख्तर, चंद्रपाल सैनी, संदीप त्यागी, अंशु त्यागी, , बदर कुरेशी, नीतू सागर, , गुड्डू प्रधान, गोलू त्यागी, आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

नई तहसील से आज़ाद चौक तक विकास पर ब्रेक! गुटबाज़ी, बयानबाज़ी और राजनीति में फंसा सड़क निर्माण, क्या 2027 चुनाव के बाद बदलेगी तस्वीर?

» शहर की सबसे व्यस्त सड़क बदहाल, जनता परेशान – जिम्मेदारों के दावों और हकीकत के बीच बढ़ती जा रही दूरी

लोकतंत्र की शाम/ खिज़र अहमद

नजीबाबादः की सबसे पुरानी समस्या म न्यू तहसील से आज़ाद चौक तक की सड़क आज भी अपनी बदहाली की कहानी खुद बयां कर रही है। शहर के प्रमुख बाजार, तहसील, न्यायालय, सरकारी कार्यालय और कई महत्वपूर्ण संस्थानों को जोड़ने वाला यह मार्ग लंबे समय से निर्माण और चौड़ीकरण की बाट जोह रहा है, लेकिन विकास की रफ्तार राजनीतिक खींचतान और प्रशासनिक उदासीनता के बीच कहीं खोती नजर आ रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सड़क निर्माण का मुद्दा अब केवल विकास का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह आपसी गुटबाज़ी, श्रेय लेने की राजनीति और बयानबाज़ी का शिकार बन चुका है। चुनावी मंचों से लेकर जनसभाओं तक सड़क निर्माण के बड़े-बड़े वादे किए गए, लेकिन धरातल पर आज भी सड़क

गड्ढों, धूल और जलभराव की समस्या से जूझ रही है।

बरसात में बन जाती है मुसीबत की सड़क–मानसून शुरू होते ही सड़क की हालत और अधिक खराब हो जाती है। जगह-जगह बने गहरे गड्ढों में पानी भर जाता है, जिससे वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार दोपहिया वाहन चालक हादसों का शिकार हो चुके हैं, जबकि व्यापारियों का कहना है कि खराब सड़क के कारण ग्राहकों की आवाजाही भी प्रभावित होती है।

निजीकरण के विरोध में उप निबंधक कार्यालय नजीबाबाद में अनिश्चितकालीन हड़ताल, रजिस्ट्री कार्य पूरी तरह ठप

लोकतंत्र की शाम/ खिज़र अहमद

नजीबाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा रजिस्ट्री प्रक्रिया में फ्रंट ऑफिस व्यवस्था लागू करने एवं कथित निजीकरण के विरोध में उप निबंधक कार्यालय नजीबाबाद में दस्तावेज लेखक, अधिवक्ता एवं स्टाम्प विक्रेताओं ने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। हड़ताल के चलते बुधवार को उप निबंधक कार्यालय में सभी प्रकार के रजिस्ट्री कार्य पूरी तरह ठप रहे। प्रदर्शनकारियों ने सरकार के निर्णय के खिलाफ कार्यालय परिसर में धरना देते हुए कार्य का पूर्ण बहिष्कार किया। हड़ताल के कारण पूरे दिन एक भी रजिस्ट्री नहीं हो सकी, जिससे सरकार को लाखों रुपये के राजस्व का नुकसान होने की बात कही जा रही है। वहीं

रजिस्ट्री कराने पहुंचे लोगों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ा और उन्हें मायूस होकर वापस लौटना पड़ा। दस्तावेज लेखक संघ के अध्यक्ष मोहम्मद असलम ने कहा कि सरकार का यह निर्णय दस्तावेज लेखकों, अधिवक्ताओं और स्टाम्प विक्रेताओं के हितों के खिलाफ है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जब तक सरकार उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती, तब तक अनिश्चितकालीन धरना और कार्य बहिष्कार जारी रहेगा। संघ के सचिव सौरभ कश्यप ने बताया कि यह आंदोलन केवल नजीबाबाद तक सीमित नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश के अधिकांश जिलों तथा बिजनौर जनपद की सभी तहसीलों में भी दस्तावेज लेखक, अधिवक्ता और स्टाम्प विक्रेता सरकार के फैसले के विरोध में हड़ताल पर हैं। धरने और प्रदर्शन में मोहम्मद असलम, हेमराज सिंह, सौरभ कुमार कातिब, शशिकांत कातिब, मेघनाथ, अब्दुल रब, अनवर रफीक, फुरकान, शहजाद आलम, एडवोकेट अमित सिंघल, एडवोकेट बहार आलम, एडवोकेट गौरव कुमार कश्यप, एडवोकेट मोहम्मद काशिफ, एडवोकेट भानु प्रकाश, नसीम अख्तर, रुचिन एडवोकेट, मोहम्मद फहीम, मुकुल शर्मा, एडवोकेट जीशान अख्तर, मोहम्मद आदिल, एडवोकेट रणधीर सिंह, सोम कुमार, सुनील भटनागर, ओजस राजपूत, मोहम्मद असगर, मोहम्मद अहसान, रवि राज कश्यप, तेजपाल, तस्लीम अहमद, मोहम्मद आसिफ, रविराज सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

'हॉरमुज जलडमरूमध्य खुलते ही घटेंगे पेट्रोल-डीजल के दाम'

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने हाजीपुर में एक बयान दिया। उन्होंने कहा कि हॉरमुज जलडमरूमध्य के खुलने के बाद पेट्रोल, डीजल और गैस की कीमतों में कमी आएगी। पासवान ने यह भी दावा किया कि 2029 में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चौथी बार सरकार बनेगी। पासवान ने पेट्रोल, डीजल और गैस की कीमतों में हुई वृद्धि पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण इन उत्पादों के दाम बढ़े हैं। हालांकि, उन्होंने आश्वासन दिया कि जैसे ही जलडमरूमध्य का रास्ता खुलेगा, कीमतों में कमी पर विचार किया जाएगा, जिससे लोगों को जल्द राहत मिलेगी। केंद्रीय मंत्री ने विपक्ष की एकता पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले विपक्ष एकजुट दिखता है, लेकिन चुनाव खत्म होते ही उनका गठबंधन बिखर जाता है। पासवान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि इसी का नतीजा है कि विपक्ष के नेता भी एनडीए का हिस्सा बन रहे हैं और आने वाले दिनों में और भी लोग गठबंधन में शामिल होंगे।

अवैध बालू खनन के खिलाफ कार्रवाई, चार गाड़ी जब्त, 11.96 लाख रुपये का जुर्माना लगा

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में अवैध बालू खनन के खिलाफ कार्रवाई की गई है। जिला प्रशासन ने मीनापुर थाना क्षेत्र में छापेमारी कर चार गाड़ी को जब्त किया और लगभग 11.96 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। संबंधित वाहन मालिकों के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज की गई है। यह कार्रवाई जिलाधिकारी के सख्त निर्देश पर जिले में बालू के अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। मीनापुर थाना क्षेत्र के चंद परना गांव के पास बूढ़ी गंडक नदी के तट पर अवैध बालू खनन की सूचना मिली थी, जिसके बाद एक संयुक्त टीम ने कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान, टीम ने अवैध रूप से बालू का परिवहन कर रहे चार गाड़ी को मौके से जब्त किया। जांच में पाया गया कि बिना वैध अनुमति के 22,000 घन फीट सफेद बालू का खनन और परिवहन किया जा रहा था। हालांकि, अंधेरे का फायदा उठाकर गाड़ी ड्राइवर मौके से फरार हो गए। जब्त वाहनों और खनिज के संबंध में विस्तृत जांच की गई। खनन विभाग की ओर से उपलब्ध साक्ष्यों और जांच प्रतिवेदन के आधार पर संबंधित वाहन मालिकों को दोषी पाया गया। इसके बाद बिहार खनिज नियमावली और प्रचलित प्रावधानों के तहत इन वाहन मालिकों पर कुल 11 लाख 96 हजार 500 रुपये का आर्थिक दंड अधिरोपित किया गया है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकार के राजस्व को क्षति पहुंचाने और पर्यावरणीय संतुलन को प्रभावित करने वाले अवैध खनन को किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अवैध बालू खनन से न केवल सरकारी राजस्व को नुकसान होता है, बल्कि नदी तटों के कटाव, जलधाराओं के स्वरूप में परिवर्तन और पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसी को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन लगातार निगरानी रख रहा है और सूचना प्राप्त होते ही त्वरित कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई के बाद खान निरीक्षक, मुजफ्फरपुर ने जब्त चारों वाहनों के मालिकों और चालकों के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई करने के लिए मीनापुर थानाध्यक्ष को प्राथमिकी दर्ज करने का अनुरोध किया। तदनुसार मीनापुर थाना मे केस संख्या 273/26 की गई है। जिलाधिकारी ने कहा कि मामले में संलिप्त सभी व्यक्तियों की भूमिका की जांच की जाएगी और दोषियों के विरुद्ध खनन अधिनियम व अन्य संबंधित धाराओं के तहत कडी कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने आम लोगों से भी अपील की है कि यदि कहीं अवैध बालू खनन या परिवहन की गतिविधि दिखाई दे, तो इसकी सूचना तत्काल प्रशासन अथवा पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। प्रशासन का उद्देश्य प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सरकारी राजस्व की रक्षा करना है।

4 लाख में सेंटर मैनेज करता था सॉल्वर गैंग, मोबाइल से मिले 200 से ज्यादा छात्रों के दस्तावेज

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में सिपाही भर्ती परीक्षा नकल कराने वाले सॉल्वर गैंग की जांच हो रही है। मिठनपुरा थाना पुलिस की जांच में पता चला है कि गिरोह का मास्टरमाइंड संजीत कुमार उर्फ रंजन परीक्षा केंद्र तक मैनेज करने का काम करता था। मोबाइल से 200 से ज्यादा छात्रों के दस्तावेज मिले हैं। पुलिस को आशंका है कि इस पूरे नेटवर्क में कुछ परीक्षा केंद्रों से जुड़े लोगों की भी भूमिका हो सकती है। इस बिंदु पर गहन जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अभ्यर्थियों का एडमिट कार्ड जारी होने के बाद संजीत उर्फ रंजन संबंधित परीक्षा केंद्र को मैनेज करने के लिए करीब चार लाख रुपए तक की डील करता था। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के जरिए नकल कराने की पूरी रणनीति तैयार की जाती थी। गिरफ्तार अभ्यर्थियों और गिरोह के अन्य सदस्यों से पूछताछ में इस संबंध में कई अहम जानकारियां मिली हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि परीक्षा से एक दिन पहले अभ्यर्थियों को पटना बुलाया जाता था। वहां उन्हें माइक्रोफोन, ब्लूटूथ इयरबड और अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के इस्तेमाल का प्रशिक्षण दिया जाता था। परीक्षा के दौरान प्रश्नों को बाहर बैठे सॉल्वर तक पहुंचाने और जवाब वापस अभ्यर्थियों तक भेजने की पूरी प्रक्रिया समझाई जाती थी। गिरफ्तार मास्टरमाइंड संजीत उर्फ रंजन के मोबाइल फोन की जांच में 200 से अधिक छात्रों के एडमिट कार्ड, शैक्षणिक प्रमाणपत्र और अन्य दस्तावेज मिले हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इन दस्तावेजों का इस्तेमाल किन परीक्षाओं में और किस उद्देश्य से किया गया। जांच एजेंसियां मोबाइल की कॉल डिटेल, चैट हिस्ट्री और डिजिटल ट्रांजेक्शन की भी पड़ताल कर रही हैं। प्रारंभिक जांच में संकेत मिले हैं कि गिरोह का नेटवर्क बिहार के कई जिलों तक फैला हुआ था। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के बाद पुलिस ने कई अन्य संदिग्ध लोगों की पहचान की है। उनकी तलाश में भोजपुर, बिहटा समेत कई स्थानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। जांच में मुजफ्फरपुर समेत कई जिलों में नेटवर्क फैले होने के संकेत मिले हैं।

मुजफ्फरपुर में तेज आंधी के साथ बारिश, लोगों को गर्मी से मिली राहत, किसानों को होगा फायदा

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में पिछले कई दिनों से जारी भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोगों को आज राहत मिली है। शहर और इसके आसपास के ग्रामीण इलाकों में अचानक मौसम ने करवट ली, जिसके बाद तेज आंधी के साथ झमाझम बारिश शुरू हुई। इससे तपता वातावरण पूरी तरह ठंडा हो गया। जिले में पिछले कुछ दिनों से सूरज की तपिश और हवा में अत्यधिक नमी के कारण उमस का स्तर रिकॉर्ड तोड़ रहा था। तापमान लगातार 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ था, जिससे लोग पसीने से तर-बतर और बेहाल थे। हालांकि, आज दोपहर के बाद मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया। तेज धूल भरी आंधी चली, जिसके बाद बादलों की गड़गड़ाहट हुई और हल्की से मध्यम दर्जे की बूंदाबांदी शुरू हो गई। इससे पारे में भारी गिरावट दर्ज की गई है। इस तात्कालिक राहत के बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने मुजफ्फरपुर और आसपास के जिलों के लिए एक महत्वपूर्ण अपडेट जारी किया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, यह मौसमी बदलाव मानसून के आगमन का संकेत है। बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी युक्त हवाओं की सक्रियता बढ़ गई है, जिसके चलते अगले 2 से 3 दिनों के भीतर मुजफ्फरपुर में मानसून आधिकारिक तौर पर दस्तक दे देगा। विभाग ने अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि अगले 72 घंटों में जिले के कई हिस्सों में गरज-चमक के साथ मध्यम से भारी बारिश हो सकती है और इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी संभावना है। अचानक हुई इस बारिश और आंधी को कृषि विशेषज्ञ और किसान आने वाले फसलों के लिहाज से बेहद फायदेमंद मान रहे हैं। लंबे समय से सूखे खेतों और खरीफ फसलों (विशेषकर धान के बिचड़े) को इस पानी से नया जीवन मिलेगा। हालांकि, मौसम विभाग ने लोगों को चेतावनी दी है कि आंधी और बारिश के दौरान वज्रपात (बिजली गिरने) की भी आशंका है, इसलिए मौसम खराब होने पर पेड़ या बिजली के खंभों के नीचे शरण न लें और सुरक्षित स्थानों पर ही रहें। कुल मिलाकर, इस प्री-मानसून शावर ने मुजफ्फरपुर वासियों को लू और उमस के दौर से बाहर निकाल दिया है और अब हर कोई मानसून की झमाझम बारिश का इंतजार कर रहा है।

पत्नी-सास के साथ मिलकर बेटे ने अपनी मां की कर दी हत्या

लोकतंत्र की शान , पटना

♦ पेंशन के पैसे को लेकर हुआ था विवाद

पटना में बेटे ने पत्नी-सास के साथ मिलकर अपनी मां की हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि तीनों आरोपियों ने मिलकर गला दबाकर वारदात को अंजाम दिया है। घटना मोकामा थाना क्षेत्र के कन्हाईपुर गांव की है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। शुरुआती जांच-पड़ताल के बाद 5 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मृतका की पहचान कृष्णा देवी (65) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, मृतका को वृद्धा पेंशन मिलता है। आरोपी नवीन शर्मा अपनी मां से शराब पीने के लिए पेंशन का पैसा मांग रहा था। नवीन की पत्नी और सास भी पैसा मांगने के लिए उकसा रही थीं। इसी विवाद के बढ़ने पर मृतका के बेटे नवीन शर्मा, उसकी पत्नी रंजू देवी और उसकी सास ने मिलकर कृष्णा देवी की गला दबाकर हत्या कर दी।

मृतका की बेटी ने बताया कि 2 दिन पहले भाई नवीन शर्मा, उसकी पत्नी रंजू देवी से फोन पर बात हुई थी। उस दौरान नवीन बोल रहा था कि इस बार वो मां की हत्या कर देगा। तब उसकी पत्नी ने कहा कि तुम कुछ नहीं करोगे। जो करना होगा वो मैं करूंगी। उसने कहा, मैं जेल जाने के लिए तैयार हूं, लेकिन इस बार बिना मारे नहीं छोड़ूंगी। बेटी ने बताया कि दोनों बहू-बेटे मिलकर मां को प्रताड़ित करते थे। उन्हें समय पर सही खाना भी नहीं देते थे। बेटी ने बताया कि उसके भाई नवीन शर्मा की शादी साल 2000 में हुई थी। शादी के बाद से ही, यानी पिछले 26 सालों से, नवीन की पत्नी (मृतका की बहू) रंजू देवी लगातार उसकी मां को प्रताड़ित कर रही थी। घर में आए दिन विवाद होना आम बात हो गई थी।

पुलिस ने 5 आरोपियों को हिरासत में लिया: घटना की सूचना मिलते ही मोकामा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी बेटे नवीन शर्मा, उसकी पत्नी रंजू देवी और उसकी सास को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस इस मामले में संलिप्तता के संदेह में दो अन्य लोगों से भी पूछताछ कर रही है।

आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज: मोकामा पुलिस के अनुसार, आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस हत्याकांड के पीछे के सटीक कारणों, जैसे संपत्ति विवाद या पारिवारिक कलह का पता लगाने में जुटी है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। डीएसपी राम कृष्ण कुमार ने बताया कि, मृतका के गले पर निशान मिले है। इससे यह लगता है कि, बुजुर्ग की गला दबाकर हत्या की गई है। एफएसएल टीम को सूचना दी गई है। फॉरेंसिक जांच के बाद मौत के कारण का पता चलेगा। उन्होंने बताया कि, घटना के बाद 5 आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। पूछताछ के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

सिपाही भर्ती परीक्षा-कोसी एक्सप्रेस की एसी बोगी का शीशा तोड़ा

लोकतंत्र की शान , पटना

❑ भभुआ इंटरसिटी में कैंडिडेट्स की भारी भीड़, महुली में पथराव, 5.52 लाख कैंडिडेट दे रहे एग्जाम

बिहार में सिपाही भर्ती परीक्षा का आज दूसरा और अंतिम चरण है। परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की एंट्री के बाद गेट बंद कर दिए गए हैं। पहली पाली सुबह 10 बजे से 12 बजे तक चली। दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी। राज्य के 38 जिलों में बनाए गए 500 सेंटर्स पर करीब 5.52 लाख अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए हैं।

इधर, परीक्षा से पहले मंगलवार को अभ्यर्थियों ने कई ट्रेनों पर कब्जा जमा लिया, जिससे यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। हटिया से पूर्णिया कोर्ट जा रही कोसी एक्सप्रेस के एसी कोच में परीक्षार्थी घुस गए। ट्रेन का एसी फेल होने पर कोच बी-4 में सवार छात्रों ने दो शीशे तोड़ डाले। बाथरूम का शीशा भी क्षतिग्रस्त कर दिया। राजेंद्रनगर स्टेशन पर भी एक शीशा जबरन निकाला गया।

वहीं भभुआ इंटरसिटी एक्सप्रेस में क्षमता से कई गुना अधिक लोग सवार थे। तारेगना स्टेशन पर ट्रेन रुकने के बाद भी प्लेटफॉर्म पर खड़े सैकड़ों यात्री बोगियों के भीतर कदम तक नहीं रख सके। बोगियों के अंदर उमस के चलते कई यात्री बेहोश हो गए। ट्रेन जब परसा स्टेशन से आगे महुली पहुंची, तो भीड़ से परेशान यात्रियों ने बार-बार चेन पुलिंग कर ट्रेन को रोका। इसी दौरान नाराज यात्रियों ने ट्रेन पर पथराव कर दिया।

रेलवे स्टेशन पर सोए अभ्यर्थी: अभ्यर्थियों की सुविधा को देखते हुए रेलवे ने 30 स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। ये ट्रेनें अलग-अलग जिलों के लिए चलाई जाएगी। ताकि परीक्षार्थी अपने समय पर सेंट्रस तक पहुंच सके। परीक्षा को लेकर बिहार के कई रेलवे स्टेशनों पर अभ्यर्थियों की भारी भीड़ जुटी। छात्रों को शहर के होटलों में रूम नहीं मिले। इससे पटना, मुजफ्फरपुर, सीवान, मधुबनी समेत दर्जनों रेलवे स्टेशन पर अभ्यर्थियों को सोना पड़ा।

बंगला विवाद पर लालू बोले- सब नीतीश कुमार करवा रहे

लोकतंत्र की शान , पटना

❑ राबड़ी-तेजस्वी ने सम्राट पर बदला लेने का लगाया आरोप

राबड़ी आवास और सुरक्षा से जुड़े मुद्दे पर राजद सुप्रीमो लालू यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, " हां, हमारी सुरक्षा हटा ली गई है। सब कुछ नीतीश कुमार करवा रहे हैं।" इससे पहले सिंगापुर से लौटने के दौरान दिल्ली एयरपोर्ट पर सुरक्षा घटाने और बंगला खाली करने के नोटिस को लेकर उन्होंने कहा था, "सब पागल हो गए हैं। घृणा कर रहे हैं। मुझे उन लोगों से कोई फर्क नहीं पड़ता।" वहीं बंगला विवाद और सुरक्षा में कटौती को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सीएम सम्राट चौधरी पर निशाना साधा था। दोनों नेताओं ने आरोप लगाया था कि सम्राट चौधरी बदला ले रहे हैं। अब सिलसिलेवार तरीके से जानिए बंगला और सुरक्षा घटाने के बाद अब तक क्या-क्या हुआ

रविवार रात लालू यादव के साथ उनकी बेटी और सांसद Misa Bharti भी मौजूद थीं। बंगला खाली करने के सवाल पर उन्होंने कहा, "हम 15 दिन के अंदर बंगला खाली कर देंगे।" वहीं, लालू परिवार की सुरक्षा घटाए जाने के मुद्दे पर मीसा भारती ने कहा, "लालू जी और राबड़ी जी को सुरक्षा की जरूरत नहीं है।

ज्ञान भारतम मिशन के तहत प्राचीन पांडुलिपियों का व्यापक सर्वेक्षण, प्रथम चरण सम्पन्न

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाताः ज्ञान भारतम मिशन परियोजना के अंतर्गत जिले में प्राचीन पांडुलिपियों के विशेष सर्वेक्षण एवं संकलन कार्य का प्रथम चरण 15 जून को सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर संचालित इस अनूठे अभियान का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ी अमूल्य एवं अब तक अनदेखी पांडुलिपियों का संरक्षण एवं डिजिटलीकरण करना है। परियोजना के प्रथम चरण के अंतिम दिन नई दिल्ली स्थित मुख्यालय द्वारा सहरसा जिले के विभिन्न स्थानों से प्राप्त 3 स्थलों की एक हजार से अधिक पांडुलिपियों का सत्यापन कर उन्हें आधिकारिक पोर्टल पर अपलोड किया गया। जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार के निर्देशन में जिले में व्यापक स्तर पर पांडुलिपि सर्वेक्षण कार्य किया गया। जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी स्नेहा झा के नेतृत्व में विशेषज्ञ दल द्वारा चार हजार से अधिक अति प्राचीन पांडुलिपियों का सर्वेक्षण कर उन्हें भारत सरकार के पोर्टल पर आमजन के लिए उपलब्ध कराया गया है। जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी ने जानकारी दी कि अंतिम दिन सत्तर कटैया प्रखंड के पचगछिया गांव में सेवानिवृत्त शिक्षक ज्ञान शंकर झा के आवास से अति प्राचीन पांडुलिपियों का विशेष संकलन किया गया। इसमें लोकसंत बाबा लक्ष्मीनाथ गोसाईं से संबंधित गायन पर आधारित पांडुलिपियां तथा संस्कृत भाषा एवं साहित्य से जुड़ी महत्वपूर्ण सामग्री प्राप्त हुई है।

खेत विवाद में युवक पर लोहे की रॉड से हमला, पटना के बिहटा में तीन लोग घायल

लोकतंत्र की शान , पटना

♦ बालू ले जाने से रोकने पर बवाल

पटना जिले के बिहटा थाना क्षेत्र के परेव गांव में बुधवार को खेत के रास्ते को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इस दौरान एक युवक पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया गया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को इलाज के लिए बिहटा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। घायल की पहचान परेव गांव निवासी शिवकुमार वर्मा के रूप में हुई है।

निजी जमीन से ट्रैक्टर ले जाने को लेकर शुरू हुआ विवादः जानकारी के अनुसार, शिवकुमार वर्मा बुधवार को अपने खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान गांव का एक युवक बालू लदा ट्रैक्टर उनकी निजी जमीन के रास्ते से लेकर जा रहा था। शिवकुमार ने इसका विरोध करते हुए कहा कि, लगातार ट्रैक्टर गुजरने से खेत में लगी पानी की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो जाती है और उन्हें परेशानी होती है। बताया जा रहा है कि इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गया।

साथियों को बुलाकर हमला करने का आरोपः घायल पक्ष का आरोप है कि विवाद बढ़ने के बाद ट्रैक्टर चालक ने वाहन से लोहे की रॉड निकाली और अपने कुछ साथियों को बुला लिया। इसके बाद शिवकुमार वर्मा पर हमला कर दिया गया। बीच-बचाव करने पहुंचे उनके दो भाई भी इस घटना में घायल हो गए। शिवकुमार वर्मा ने आरोप लगाया है कि गांव के ही अजय यादव के बेटों ने उनके साथ मारपीट की और जान से मारने की कोशिश की। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

सूचना पर पहुंची पुलिस, आरोपी फरारः घटना की सूचना मिलने के बाद डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपित वहां से फरार हो चुके थे। मामले पर थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची थी और घायल का इलाज कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच जारी है और घायल पक्ष से लिखित शिकायत मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पटना में रिटायर्ड शिक्षिका से झपटी सोने की चेन

लोकतंत्र की शान , पटना

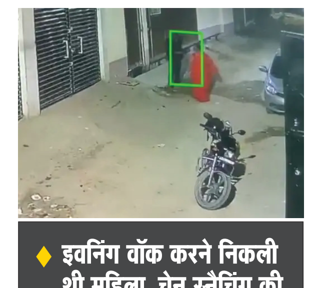

♦ इवनिंग वॉक करने निकली थी महिला, चेन स्नैचिंग की वारदात से दहशत

पटना में चेन स्नैचिंग की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला बहादुरपुर थाना क्षेत्र की अलका कॉलोनी से सामने आया है, जहां मंगलवार शाम इवनिंग वॉक पर निकली एक सेवानिवृत्त शिक्षिका से बदमाश ने सोने की चेन झपट ली और फरार हो गया।

इवनिंग वॉक पर निकली महिला का छीनी चैनः जानकारी के अनुसार, अलका कॉलोनी निवासी रीता शर्मा मंगलवार शाम करीब 7 बजे टहलने के लिए घर से निकली थीं। इसी दौरान कॉलोनी की सड़क पर पैदल चलते समय पीछे से आए एक युवक ने उनके गले से सोने की चेन छीन ली। घटना इतनी तेजी से हुई कि शिक्षिका कुछ समझ पातीं, उससे पहले ही आरोपी मौके से भाग निकला। घटना के बाद घटना के बाद रीता शर्मा ने शोर मचाया, लेकिन बदमाश तेजी से भाग निकला। परिजनों को सूचना देने के बाद मामले की लिखित शिकायत बहादुरपुर थाने में दर्ज कराई गई है।

स्थानीय लोगों में बढ़ी चिंताः स्थानीय लोगों का कहना है कि हाल के दिनों में राजधानी में चेन स्नैचिंग की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है और महिलाएं और बुजुर्ग अपराधियों के आसान निशाने बन रहे हैं। लोगों ने आरोप लगाया कि शाम के समय पर्याप्त पुलिस गश्त नहीं होने से अपराधियों के हौसले बढ़े हैं।

खान सर के खिलाफ महिला पत्रकार का मानहानि केस

दिल्ली हाईकोर्ट का अंतरिम आदेश पारित करने से इंकार, 2 करोड़ का लगाया है डिफेमेशन

लोकतंत्र की शान , पटना

खान ग्लोबल स्टडीज के डायरेक्टर खान सर के खिलाफ दायर मानहानि मामले में आज दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। बुधवार को एक बार फिर दिल्ली हाई कोर्ट ने अंतरिम आदेश पारित करने से इंकार कर दिया। अदालत ने कहा कि पूर्व में जारी नोटिस पर कई प्रतिवादियों ने जवाब नहीं दाखिल किया है। ऐसे में जवाब दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया जाता है। मामले पर अगली सुनवाई दो जुलाई को होगी।

इससे पहले सोमवार को मामले की सुनवाई हुई थी, जिसमें अदालत ने खान सर और अन्य टीचर को अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया था। साथ ही उन टीचर्स को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो को हटाने की अंजना की तरफ से की गई मांग को अदालत ने ठुकरा दिया। इससे पहले भी 8 जून को मामले में नोटिस जारी करते हुए अदालत ने कोई अंतरिम आदेश पारित करने से इंकार कर दिया था। दिल्ली की एक वरिष्ठ महिला पत्रकार ने खान सर के खिलाफ याचिका दायर की है। याचिका में पत्रकार ने आरोप लगाया है कि उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने वाले बयान दिए गए हैं। इस मामले में उन्होंने खान सर के अलावा कुछ अन्य कोचिंग टीचर्स के खिलाफ भी 2 करोड़ के मानहानि का दावा दायर किया है।

राहुल गांधी के छात्र सम्मेलन को लेकर कांग्रेस की तैयारी, पेपर लीक-बेरोजगारी पर घेराबंदी करेगी

लोकतंत्र की शान , पटना

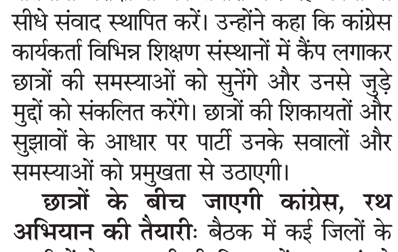

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की प्रस्तावित बिहार यात्रा और पटना में 11 जुलाई को आयोजित होने वाले छात्र सम्मेलन को सफल बनाने के उद्देश्य से कांग्रेस ने आज एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित बुलाई। बैठक की अध्यक्षता बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने की। इस दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की और राज्यभर में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाने का निर्णय लिया। बैठक में बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरू, 2025 विधानसभा चुनाव के उम्मीदवार, विभिन्न जिलों के प्रभारी, पूर्व विधायक और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

छात्रों तक पहुंचने के लिए जिला स्तर पर विशेष अभियानः बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने सभी जिला प्रभारियों को निर्देश दिया कि वे युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर अपने-अपने जिलों के कॉलेजों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों से सीधे संवाद स्थापित करें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता विभिन्न शिक्षण संस्थानों में कैंप लगाकर छात्रों की समस्याओं को सुनेंगे और उनसे जुड़े मुद्दों को संकलित करेंगे। छात्रों की शिकायतों और सुझावों के आधार पर पार्टी उनके सवालों और समस्याओं को प्रमुखता से उठाएगी।

छात्रों के बीच जाएगी कांग्रेस, रथ अभियान की तैयारीः बैठक में कई जिलों के प्रभारियों ने जानकारी दी कि छात्रों तक पहुंचने के लिए विशेष रथ अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत कांग्रेस कार्यकर्ता विभिन्न कॉलेजों, कोचिंग संस्थानों और छात्र बहुल क्षेत्रों में जाकर युवाओं से संवाद करेंगे तथा उनकी समस्याओं को सुनेंगे। पार्टी का मानना है कि बेरोजगारी, प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितता और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दे युवाओं के बीच सबसे बड़े सवाल हैं, जिन्हें लेकर व्यापक जनजागरण अभियान चलाया जाएगा।

पेपर लीक और परीक्षा घोटालों को बनाएगी बड़ा मुद्दाः बैठक में यह रणनीति भी बनाई गई कि राहुल गांधी के छात्र सम्मेलन में उन छात्रों और अभ्यर्थियों को विशेष रूप से शामिल किया जाए जो विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक की घटनाओं से प्रभावित हुए हैं। कांग्रेस चाहती है कि नीट, सीबीएसई सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में हुई कथित धांधली और पेपर लीक के पीड़ित छात्र सम्मेलन में अपनी बात सीधे राहुल गांधी और जनता के सामने रखें। पार्टी इन मुद्दों को युवाओं के अधिकार और भविष्य से जुड़ा बड़ा सवाल बनाकर उठाने की तैयारी में है।

संक्षिप्त समाचार

"05 ज्योतिर्लिंग के साथ द्वारकाधीश मंदिर एवं एलोरा यात्रा" के लिए रवाना होगी आई.आर.सी.टी.सी. की भारत गौरव पर्यटक ट्रैन"

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्यौरे चीफ जबलपुर कटनी मध्यप्रदेश , मध्यप्रदेश के तीर्थ यात्रियों के लिए इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन लिमिटेड (आई.आर.सी.टी.सी.) द्वारा भारत गौरव पर्यटक ट्रैन का संचालन किया जा रहा है। जो दिनांक 11.07.2026 को रीवा शहर से "05 ज्योतिर्लिंग के साथ द्वारकाधीश मंदिर एवं एलोरा यात्रा" के लिए रवाना होगी। यह ट्रैन मध्यप्रदेश रीवा, सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, इटारसी, रानी कमलापति, शुजालपुर एवं उज्जैन स्टेशनों से होते हुए जाएगी, जहाँ से यात्री इस ट्रैन पर सवार हो सकेंगे। 10 रातें/11 दिनों की इस यात्रा में द्वारका, नागेश्वर,सोमनाथ, भीमाशंकर, त्रिम्ब्केश्वर, घृष्णेश्वर एवं एलोरा के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कराया जायेगा। इसके लिए यात्रियों को महज रु. 20,250/- प्रति व्यक्ति (SL -इकॉनामी श्रेणी), रु. 33,250/- प्रति व्यक्ति (3AC - स्टैण्डर्ड श्रेणी) एवं रु. 44,000/- प्रति व्यक्ति (2AC - कम्फर्ट श्रेणी) का खर्च उठाना होगा। क्षेत्रीय प्रबंधक आईआरसीटीसी, श्री मोसेस बेंजामिन ने प्रेस वार्ता में इस सर्व समावेशी टूर की जानकारी साझा की, जिसमें भारत गौरव ट्रेन के विशेष एलएचबी रेक में आरामदायक रेल यात्रा, ऑन-बोर्ड और ऑफ-बोर्ड भोजन, सड़क परिवहन और गुणवत्तायुक्त बसों में दर्शनीय स्थलों की यात्रा, यात्रा कार्यक्रम के अनुसार आवास की व्यवस्था, यात्रा में टूर एस्कॉर्ट्स, यात्रा बीमा, ऑन-बोर्ड सुरक्षा और हाउसकीपिंग की सेवा शामिल है। इक्छुक पर्यटक इसकी बुकिंग आई.आर.सी.टी.सी. की वेबसाइट www.irctctourism.com पर ऑनलाइन व अधिकृत एजेंट से भी करा सकते है। इस सम्बन्ध में अधिक जानकारी व बुकिंग के लिए आई.आर.सी.टी.सी. के भोपाल, जबलपुर एवं इंदौर रेल्वे स्टेशन कार्यालय में पर संपर्क कर सकते है।

योगी सरकार के एलान के बाद यूपीएसआरटीसी ने नीट यूजी 2026 अभ्यर्थियों को बस यात्रा छूट के लिए जारी किए अहम निर्देश

लोकतंत्र की शान , लखनऊ। योगी सरकार ने नीट यूजी 2026 में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को परिवहन निगम की बसों के किराए में 50 प्रतिशत छूट का तोहफा दिया है। इससे दूरदराज क्षेत्रों से परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने वाले अभ्यर्थियों को बड़ी राहत मिलेगी। इस संबंध में उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) ने भी जरूरी निर्देश जारी कर दिए हैं, ताकि किसी भी अभ्यर्थियों को असुविधा का सामना ना करना पड़े। यूपीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक प्रभु एन. सिंह ने बताया कि इस संबंध में सभी क्षेत्रीय एवं सहायक क्षेत्रीय प्रबंधकों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि बस परिचालक प्रत्येक अभ्यर्थी से उसके प्रवेश पत्र की एक प्रति लेंगे और उसी के आधार पर 50 प्रतिशत रियायती दर पर टिकट जारी किया जाएगा।

अभ्यर्थियों को दिया जाएगा चाइल्ड टिकट-परिचालक प्रवेश पत्र का सत्यापन करने के बाद इलेक्ट्रॉनिक टिकट इश्यूइंग मशीन (ईटीआईएम) के माध्यम से अभ्यर्थियों को चाइल्ड टिकट जारी करेंगे। साथ ही यह भी सुनिश्चित करेंगे कि प्रवेशपत्र पर अंकित फोटो और परीक्षा तिथि सही हो और वह निर्धारित अवधि के भीतर ही यात्रा कर रहा हो।

अभ्यर्थी का पूरा विवरण भविष्य के लिए रखना होगा-प्रबंध निदेशक प्रभु एन. सिंह ने कहा कि परिचालक वेबिल के पिछले भाग में अभ्यर्थी का नाम, रोल नंबर, यात्रा मार्ग और टिकट की धनराशि सहित अन्य आवश्यक विवरण दर्ज करेंगे। इसके अतिरिक्त प्रवेश पत्र की एक छायाप्रति सुरक्षित रखी जाएगी ताकि भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर उसका उपयोग किया जा सके।

गुरुग्रामः राशन चोरी के आरोप में दो गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : गुरुग्राम। गांव गढ़ी में राशन डीपो से तेल और चीनी चोरी के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बुधवार को बताया कि पुलिस टीम पर लगे अभद्र व्यवहार के आरोपों की जांच एसीपी वेस्ट को सौंपी गई है। पुलिस के अनुसार शिकायतकर्ता ने 14 जून 2026 को सेक्टर-93 पुलिस चौकी थाना सेक्टर-10 में शिकायत दी थी। कहा था कि 11-12 जून की रात को गांव गढ़ी स्थित उसके राशन डीपो का ताला तोड़कर अजय, साहिल, राहुल और दक्ष ने 240 बोतल सरसों का तेल और दो कट्टे चीनी चोरी कर ली। शिकायत पर थाना सेक्टर-10 में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।सेक्टर-93 पुलिस चौकी की टीम ने कार्रवाई करते हुए 15 जून को गांव गढ़ी से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान अजय और साहिल, दोनों निवासी गांव गढ़ी, गुरुग्राम के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि चोरी का सामान सतीश सैनी के भाई पवन सैनी ने खरीदा था। आरोपियों के खुलासे के आधार पर जब पुलिस टीम चोरी का सामान खरीदने वाले व्यक्ति की तलाश में संबंधित दुकान पर पहुंची तो दुकानदार मौके से फरार हो गया। इस दौरान उसके भाई सतीश सैनी ने पुलिस टीम पर अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि मामले में पारदर्शिता बरतते हुए पुलिस टीम पर लगे आरोपों की निष्पक्ष जांच एसीपी वेस्ट को सौंप दी गई है। मौके की वीडियो रिकॉर्डिंग और अन्य साक्ष्यों की समीक्षा कर तथ्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

नूंह में तब्लीगी जमात से लौटे मिस्त्री ने की आत्महत्या

लोकतंत्र की शान : नूंह। नूंह शहर के वार्ड नंबर-2 में बुधवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक 45 वर्षीय व्यक्ति का शव एक निर्माणाधीन मकान में जंगले से रस्सी के सहारे लटका हुआ मिला। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। सूचना मिलने पर थाना शहर नूंह पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।मृतक की पहचान वार्ड नंबर-2 निवासी सहाबु पुत्र नूर मोहम्मद के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार सहाबु बुधवार तड़के करीब साढ़े पांच बजे नमाज अदा करने के लिए घर से निकले थे, लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी वापस नहीं लौटे। इसके बाद परिवार के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने उनकी तलाश शुरू की।तलाश के दौरान सहाबु का शव वार्ड में स्थित एक निर्माणाधीन मकान में जंगले से रस्सी के सहारे लटका हुआ मिला। शव मिलने की खबर फैलते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई।जानकारी के अनुसार मृतक दो दिन पहले ही 160 दिन की तब्लीगी जमात से अपने घर लौटे थे। वह पेशे से राजमिस्त्री थे। परिवार में उनके तीन बेटे और दो बेटियां हैं, जो सभी शादीशुदा बताए जा रहे हैं। उनके बेटे राजमिस्त्री, ड्राइवर और मजदूरी का कार्य कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। घटना की सूचना मिलने पर थाना शहर नूंह पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य भी जुटाए हैं। थाना शहर नूंह प्रभारी कुलदीप सिंह ने बताया कि फंदे से लटके एक व्यक्ति की सूचना मिलने पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची थी। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच पूरी होने के बाद ही मौत के कारणों के बारे में स्पष्ट रूप से कुछ कहा जा सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच कर रही है।

प्री-मानसून की बारिश से गर्मी से राहत, 23 जिलों में आज भी आंधी-बारिश का यलो अलर्ट

लोकतंत्र की शान : जयपुर। राजस्थान में प्री-मानसून की सक्रियता ने भीषण गर्मी से बड़ी राहत दिलाई है। प्रदेश के कई हिस्सों में पिछले 24 घंटे के दौरान तेज आंधी चली और बारिश हुई, जिससे तापमान में भारी गिरावट आ गई और मौसम सुहावना हो गया। मौसम विभाग ने बुधवार को भी राज्य के 23 जिलों में आंधी और बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है।मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन दिन तक प्रदेश में मौसम का यही मिजाज बना रहने की संभावना है। बीकानेर, जयपुर, अजमेर, भरतपुर और कोटा संभाग के जिलों में कहीं-कहीं तेज आंधी के साथ बारिश होने के आसार हैं।प्रदेश में पिछले 24 घंटे के दौरान 10 से अधिक जिलों में अच्छी बारिश हुई।

मूलभूत सुविधा से वंचित हैं दर्जनों आदिवासी परिवार

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)लोकतंत्र की शान

» मामला ग्राम पंचायत नौढ़िया एवं परसिली के कुकरैला टोला का

सीधी। आजादी के साथ सात दशक बाद भी जब ग्रामीण मूलभूत सुविधा से वंचित रहते हैं तब तमाम विकास के दावे एवं योजनाएं जिनमें समाज के अंतिम छोर में जीवन यापन करने वाले परिवारों के जीवन में परिवर्तन एवं विकास दिखे की परिकल्पना है ऐसे दावे खोखले साबित हो रहे हैं जिसका ताजा उदाहरण जनपद पंचायत मझौली अंतर्गत ग्राम पंचायत नौढ़िया एवं परसिली के मध्य स्थित कुकरैला टोला का है जहां की 99 प्रतिशत आबादी सिर्फ आदिवासी परिवारों की है जिन्हें सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा एवं आवास जैसी मूलभूत सुविधा नहीं मिल रही है। व उन्हें तमाम योजनाए जो सिर्फ उनके लिए सरकार द्वारा बनाई गई है उन तमाम योजनाओं से वंचित है।

इनका कहना है। निश्चित ही अभी तक उक्त मोहल्ला में मूलभूत सुविधा की कमी है लेकिन प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत सड़क स्वीकृत है बिजली के खंभे आ गए हैं जल्द ही मूलभूत सुविधा सड़क बिजली की सुविधा मिलेगी।अन्य योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए पूरा प्रयास किया जा रहा है। शुषिता राजेंद्र सिंह सरपंच परसिली।

वोट लेने तक सीमित जनप्रतिनिधि

निवासरत ग्रामीणों द्वारा बताया गया जब जब चुनाव आते है तमाम दलों के नेता वोट मांगते समय तमाम सुविधाओं को उपलब्ध कराने का आश्वासन देते है व वोट पड़ने के बाद इधर कोई पलट कर नही देखता बरसात मे के समय कई दिनों तक घरों मे कैद होकर रहना पड़ता है। रामकुमार सिंह गोंड ग्रामीण कुकरैला टोला नौढ़िया ने कहा कि चार दशक से हम लोग यहां आबाद हैं पूरे मोहल्ला में जिसका आधा हिस्सा ग्राम पंचायत परसिली में आता है और आधा नौढ़िया में।यहां दो दर्जन से ज्यादा आदिवासी परिवार निवास कर रहे हैं लेकिन बिजली,पानी,सड़क एवं आवास योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। इसी तरह श्यामवती सिंह गोंड़ ने कहा कि यहां हम लोगों को कोई रोजगार भी नहीं मिलता है और खेती भी नहीं हो पाती है। सिर्फ वनोपज पर जीवन आश्रित है।योजना का लाभ एवं रोजगार मिलना चाहिए।

अभय कुमार गुप्ता ने जबलपुर रेल मंडल में अपर मंडल रेल प्रबंधक का पदभार ग्रहण किया

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

जबलपुर। अभय कुमार गुप्ता ने दिनांक 16 जून 2026 को पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर रेल मंडल में अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन एवं इन्फ्रा) के पद का कार्यभार ग्रहण किया। श्री गुप्ता इससे पूर्व, पूर्व रेलवे के कंचरापारा वर्कशॉप में उप मुख्य विद्युत अभियंता (लोको) तथा पूर्व रेलवे में वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) के पद पर कार्यरत थे। वे भारतीय रेल विद्युत सेवा (IRSEE) के वर्ष 2006 बैच के अधिकारी हैं तथा उन्होंने वर्ष 2001 में आईआईटी रुड़की से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक. की उपाधि प्राप्त की है। अपने सेवाकाल के दौरान उन्होंने भारतीय रेल के विभिन्न मंडलों एवं जोनों में महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया है। इसके अतिरिक्त वे केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, विद्युत मंत्रालय में सहायक निदेशक के पद पर भी कार्य कर चुके हैं। जबलपुर रेल मंडल में पदभार ग्रहण करने के उपरांत श्री गुप्ता ने मंडल रेल प्रबंधक श्री कमल कुमार तलरेजा एवं अन्य शाखा अधिकारियों से भेंट की। इस अवसर पर मंडल के अधिकारियों ने उनका स्वागत करते हुए नवीन दायित्व हेतु शुभकामनाएँ दीं।

जमोड़ी पुलिस ने गुम नाबालिग बालिका को दस्तयाब कर परिजनों को सौंपा

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के कुशल निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अमन मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना जमोड़ी पुलिस द्वारा गुम नाबालिग बालिका को तत्परता एवं सजगता से दस्तयाब कर सुरक्षित परिजनों को सुपुर्द किया गया। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार 17 जून 2026 को फरियादिया द्वारा थाना उपस्थित होकर सूचना दी गई कि उसकी 17 वर्षीय पुत्री प्रातः घर से निकलने के बाद वापस नहीं लौटी है। परिजनों द्वारा आसपास एवं रिश्तेदारी में तलाश किए जाने के बावजूद उसका कोई पता नहीं चल सका। सूचना प्राप्त होते ही थाना जमोड़ी में गुम इंसान कायम कर बालिका की तलाश प्रारंभ की गई। पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए तकनीकी एवं मुखबिर तंत्र की सहायता से बालिका का पता लगाया गया। पूछताछ में ज्ञात हुआ कि वह स्वयं नौकरी करने के उद्देश्य से घर से बाहर चली गई थी। बालिका को सकुशल दस्तयाब कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही उपरांत परिजनों को सुपुर्द किया गया। उक्त कार्यवाही में उनि दिव्य प्रकाश त्रिपाठी थाना प्रभारी जमोड़ी, एएसआई गोविंद, प्रधान आरक्षक कुशुम, महिला आरक्षक सविता, आरक्षक राजू यादव का सराहनीय प्रयास रहा।

सोन घड़ियाल अभयारण्य में रेत माफियाओं का कहर

» डेम्हा घाट से जारी है रेत उत्खनन का करोबार,वन विभाग पर संरक्षण के आरोप

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिला मुख्यालय के समीपी ग्राम सोन नदी के डेम्हा घाट से सामने आई तस्वीरों ने एक बार फिर सोन घड़ियाल अभयारण्य क्षेत्र में जारी अवैध रेत उत्खनन की गंभीरता को उजागर कर दिया है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि अभयारण्य क्षेत्र के भीतर बड़े पैमाने पर रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन किया जा रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभाग कार्रवाई करने के बजाय मूकदर्शक बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि डेम्हा गांव के एक वनरक्षक पर रेत माफियाओं को संरक्षण देने के आरोप लग रहे हैं। बताया जा रहा है कि उनकी निजी गाड़ी विभागीय कार्यों में भी लगी रहती है और क्षेत्र में जब भी किसी जांच टीम या अधिकारियों के आने-जाने की सूचना मिलती है, तो इसकी जानकारी तत्काल रेत कारोबारियों तक पहुंचा दी जाती है। इससे माफिया समय रहते अपने वाहन और मशीनें हटाकर कार्रवाई से बच निकलते हैं। बताया गया है कि स्थानीय लोगों ने इस पूरे मामले की शिकायत संबंधित रेंजर और डीएफओ से कई बार की गई है, लेकिन अब तक किसी भी प्रकार की ठोस कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। लोगों का आरोप है कि शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा, जिससे अवैध खनन का कारोबार लगातार फल-फूल रहा है।

विद्युत लाइन का तार टूट कर झोंपड़े पर गिरा, सास-बहू की मौत, आग लगने से घरेलू सामान जला

लोकतंत्र की शान

चित्तौड़गढ़। जिले के निम्बाहेड़ा सदर थाना क्षेत्र के ग्राम धनोरा में मंगलवार देर रात बिजली विभाग की लापरवाही ने एक ही परिवार की दो जिंदगियां लील लीं। खेत पर बने झोपड़ीनुमा घर में सो रहे परिवार पर उस वक्त कहर टूट पड़ा जब 11 केवी हाईटेंशन लाइन का तार टूट कर एलटी लाइन पर जा गिरा। हाई वोल्टेज से एलटी तार भी टूट गया और उसमें दौड़े करंट की चपेट में आने से सास-बहू की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। पुलिस ने दोनों के शव की निंबाहेड़ा चिकित्सालय पहुंचाया, जहां पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है।निम्बाहेड़ा सदर थाने के एएसआई संतोष तिवारी ने बताया कि थाने पर धनोरा निवासी भोपराज प्रजापत ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। भोपराज ने बताया कि रात करीब 2.30 बजे उसकी पत्नी मंजू प्रजापत, माता संतु बाई और बच्चे खेत पर बने झोपड़े में सो रहे थे। झोपड़ी के पास से गुजर रही 11 केवी लाइन का तार अचानक टूट कर नीचे एलटी लाइन पर गिर गया। हाई वोल्टेज के दबाव से एलटी लाइन का तार भी टूट कर नीचे आ गिरा। इसी दौरान टूटे हुए एलटी तार और उसमें प्रवाहित हाई वोल्टेज करंट की चपेट में पहले मंजू प्रजापत आ गईं। बहू को तड़पता देख बचाने के लिए दौड़ी सास संतु बाई भी करंट की चपेट में आ गईं। दोनों महिलाएं गंभीर रूप से झुलस गईं। चीख-पुकार सुन कर आसपास के लोग और परिजन मौके पर पहुंचे। परिजन और ग्रामीण तत्काल दोनों को उपचार के लिए निम्बाहेड़ा जिला अस्पताल लेकर भागे, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। हादसे के दौरान झोपड़ीनुमा घर में आग भी लग गई, जिसे ग्रामीणों ने बुझाया।हादसे की सूचना पर निम्बाहेड़ा सदर थाना पुलिस जिला अस्पताल पहुंची। प्रार्थी भोपराज प्रजापत की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा तैयार कर मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाया है। इस दर्दनाक हादसे के बाद धनोरा गांव में शोक की लहर है। एक साथ सास-बहू की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। फलवा ग्राम पंचायत के प्रशासक भोपाराज टांक ने बताया कि घटना बेहद दुखद है। बिजली विभाग की लापरवाही से यह हादसा हुआ है। ग्रामीणों ने मांग की है कि मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा दिया जाए और जर्जर विद्युत लाइनों को तुरंत बदला जाए ताकि भविष्य में ऐसे हादसे न हों। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

कटनी में विभिन ट्रेनों के स्टॉपेज के संबंध में सांसद विवेक तनखा जी ने दिव्यांशु मिश्रा अंशु के आग्रह पर रेल मंत्री को लिखा पत्र

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्योरो चीफ जबलपुर ककनी मध्य प्रदेश

गाड़ी क्रमांक 12141/42 राजेंद्र नगर कुर्ला*गाड़ी क्रमांक 11055/56 एलटीटी गोरखपुर गोदाम एक्सप्रेस गाड़ी क्रमांक 11059/60 एलटीटी छपरा एक्सप्रेसगाड़ी क्रमांक 11053/54 एलटीटी आजमगढ़एक्सप्रेसगाड़ी क्रमांक 12293/94 एलटीटी दूरंतो सुपर एक्सप्रेस*गाड़ी क्रमांक 22111/12 अमृत भारत अयोध्या एक्सप्रेस साथ ही उन्होंने पुणे महाराष्ट्र को जाने के लिए कटनी से मात्र एक ट्रेन पुणे पटना 12149/50 जिसमे रिजर्वेशन की भी भारी किल्लत होती है,इस रूट पर भी एक नई ट्रेन चलने की बात पत्र में की है एवं श्री तनखा जी ने विकल्प के रूप में शहडोल नागपुर एक्सप्रेस को 11201/02 को पुणे तक चलाये जाने की माँग भी की है।

खनिज राजस्व प्राप्ति में सीधी प्रदेश में प्रथम अवैध खनन नियंत्रण में भी मिली बड़ी सफलता

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले ने खनिज राजस्व संग्रहण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी विकास मिश्रा के नेतृत्व में जिले ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में निर्धारित लक्ष्य से कहीं अधिक राजस्व अर्जित कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। वहीं अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध लगातार की जा रही प्रभावी कार्रवाई से जिले को प्रदेश स्तर पर चौथा स्थान प्राप्त हुआ है। जानकारी के अनुसार, पूर्व वर्षों में खनिज राजस्व प्राप्ति के मामले में सीधी जिला सामान्यतः प्रदेश में 20वें से 25वें स्थान के बीच रहता था, लेकिन प्रशासन की सतत निगरानी, योजनाबद्ध कार्यप्रणाली और खनिज विभाग की सक्रियता के चलते जिले ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। खदानों के संचालन से संबंधित समस्याओं का समय पर निराकरण, नियमित समीक्षा बैठकें और खनिज व्यवसायियों के साथ सकारात्मक संवाद ने इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में शासन द्वारा निर्धारित 10.27 करोड़ रुपये के लक्ष्य के विरुद्ध जिले ने 16.85 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया, जो लक्ष्य का 164 प्रतिशत है। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर सीधी जिले ने प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है।

गरीबों के बोनस की राशि पर डाका न डाले सरकारः अजय

» तेंदूपत्ता संग्रह की राशि पर आदिवासियों का हक

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने तेंदूपत्ता संग्राहकों के लाभांश की राशि को वन विभाग द्वारा निर्माण कार्यों में खर्च करने के प्रयासों का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप करने और अनुचित आवंटन पर रोक लगाने की माँग की है। अजय सिंह ने कहा कि प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव ने अभयारण्यों में तालाब बनाने के लिए लघु वनोपज संघ से लगभग 20 करोड़ रुपये मांगे है। यह नियमों और लाभांश के मूल सिद्धांतों का खुला उल्लंघन है। अजय सिंह ने कहा कि लघु वनोपज सहकारी संघ द्वारा अर्जित शुद्ध लाभ का उपयोग वैधानिक रूप से केवल वनोपज संग्राहकों के सामाजिक कल्याण, वनों के पुनरुत्पादन और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए ही किया जा सकता है। नियमानुसार इस लाभांश का 75 प्रतिशत हिस्सा सीधे आदिवासियों को बोनस के रूप में वितरित होना चाहिए। शेष राशि ग्रामीण समुदायों के कल्याण, वनों के पुनरुत्पादन और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए उपयोग की जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि संरक्षित क्षेत्रों में तालाब निर्माण जैसे कार्यों के लिए कैम्पा फंड, वन्यजीव बजट और कई अन्य केंद्रीय योजनाएं पहले से ही संचालित हैं। इन योजनाओं की राशि का उपयोग करने के बजाय, प्रदेश के सबसे गरीब जनजातीय और ग्रामीण समुदायों के खून-पसीने की कमाई को अन्य मदों में डायवर्ट करना पूरी तरह से अनैतिक और अवैध है। पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि वे इस संवेदनशील मामले में खुद संज्ञान लें। उन्होंने वन विभाग द्वारा मांगी गई राशि के हस्तांतरण को निरस्त करने की माँग की है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री से यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि तेंदूपत्ता लाभांश का एक-एक पैसा केवल और केवल वनाश्रित आदिवासियों और संग्राहकों के हितलाभ पर ही सीधे खर्च किया जाए।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया ने इजराइली सेना पर यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच शुरू की

कैनबरा। ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस (एएफपी) ने उन गंभीर आरोपों की जांच शुरू कर दी है जिनमें दावा किया गया है कि गाजा के लिए जा रहे राहत जहाजों के बेड़े (फ्लोटिला) पर कार्रवाई के दौरान इजराइली सेना ने हिरासत में लिए गए कार्यकर्ता के साथ यौन उत्पीड़न, यातना और दुर्व्यवहार किया। रूस की सरकारी नियंत्रण वाली अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क रूस टुडे (आरटी) के अनुसार, यह कदम तब उठाया गया जब 'ग्लोबल सुमुद फ्लोटिला' से जुड़ी चार महिला कार्यकर्ताओं ने सोमवार को ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग, मल्टीकल्चरल मामलों की मंत्री ऐनी एली और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मुलाकात कर अपनी शिकायतें दर्ज कराईं। ये महिलाएं उन 11 ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों में शामिल थीं जिन्हें मई में हिरासत में लिया गया था। उस समय इजराइली सेना ने गाजा की नाकेबंदी तोड़कर मानवीय सहायता पहुंचाने की कोशिश कर रहे फ्लोटिला को रोक दिया था। कार्यकर्ता जूलियट लैमॉट ने आरोप लगाया कि हिरासत में लिए गए लोगों का अपहरण किया गया, उन्हें यातनाएं दी गईं, जेल में रखा गया और कुछ मामलों में यौन उत्पीड़न का भी सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने इन आरोपों को गंभीरता से लिया है। एएफपी ने एक बयान में कहा कि मामले की जांच "पीड़ित-केंद्रित और ट्रॉमा-इन्फॉर्म्ड अप्रोच" के तहत की जा रही है, ताकि शिकायतकर्ताओं की सुरक्षा और मानसिक स्थिति को ध्यान में रखा जा सके। हालांकि, इजराइल ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया स्थित इजराइली दूतावास ने कहा कि दावों के समर्थन में कोई विश्वसनीय सबूत नहीं है। दूतावास ने एक्टिविस्टों को "पेशेवर उकसावे बाज" बताते हुए कहा कि लगाए गए आरोप पहले ही झूठे साबित हो चुके हैं। इस बीच, 'ग्लोबल सुमुद फ्लोटिला' ने अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) में भी शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में इजराइली सेना पर युद्ध अपराध, मानवता के खिलाफ अपराध, यातना और अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघन के आरोप लगाए गए हैं।

देउवा दंपति दो महीने के भीतर नेपाल लौटकर जांच में सहयोग करने को तैयार

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री तथा नेपाली कांग्रेस के पदच्युत सभापति शेरबहादुर देउवा ने आयकर विभाग को जानकारी दी है कि वे साउन 28 (लगभग अगस्त मध्य) तक नेपाल लौट आएंगे। ई-मेल के माध्यम से भेजे गए पत्र में देउवा और उनकी पत्नी डॉ. आरजु राणा ने स्पष्ट किया है कि वे दो महीने के भीतर नेपाल वापस आकर विभाग की जांच में सहयोग करने के लिए तैयार हैं। चार पृष्ठों के ई-मेल में उन्होंने अनुरोध किया है कि उपचाररत अवस्था में उनके बारे में 'देश छोड़कर भाग जाने' या 'जांच में उपस्थित न होने' जैसी धारणाएं बनाकर गिरफ्तारी वारंट जारी करने अथवा नेपाल वापसी में कठिनाई उत्पन्न करने वाली स्थिति न बनाई जाए। ई-मेल में देउवा दंपति ने कहा है कि यद्यपि वे सार्वजनिक उत्तरदायित्व वाले पदों पर रह चुके हैं और देश के प्रधानमंत्री तथा विदेश मंत्री जैसे महत्वपूर्ण दायित्व निभा चुके राजनीतिक व्यक्ति हैं, फिर भी उनका उद्देश्य किसी तकनीकी आधार पर अपने खिलाफ चल रही जांच को रोकना या बाधित करना नहीं है। उनका लक्ष्य कानूनसम्मत, पारदर्शी और खुले प्रमाणों पर आधारित जांच के माध्यम से अपनी निर्दोषता सिद्ध करना है। उन्होंने प्रारंभिक रूप से ही यह स्पष्ट किया है कि वे व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर जांच में सहयोग करने के लिए तैयार हैं। हालांकि, ई-मेल में देउवा दंपति ने यह उल्लेख नहीं किया है कि वे वर्तमान में किस देश में रह रहे हैं। वे काठमांडू से उपचार के लिए सिंगापुर गए थे। इसके बाद उन्हें हांगकांग में भी देखा गया था, लेकिन उसके बाद से उनके ठिकाने के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। विभाग को भेजे गए ई-मेल में उन्होंने यह भी स्मरण कराया है कि उनके खिलाफ किसी प्रकार की धरपकड़ न करने संबंधी अंतरिम आदेश सर्वोच्च अदालत पहले ही जारी कर चुका है।

अंबुबाची मेला के लिए असम तैयार, आठ लाख श्रद्धालुओं के आगमन की उम्मीद

गुवाहाटी। असम के प्रसिद्ध कामाख्या मंदिर में आयोजित होने वाले वार्षिक अंबुबाची मेले के लिए असम सरकार ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। प्रशासन को इस वर्ष लगभग आठ लाख श्रद्धालुओं और आगंतुकों के पहुंचने की उम्मीद है। प्रदेश की पर्यटन मंत्री अजंता नेओग ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए तीन बड़े शिविर स्थापित किए गए हैं। बेहतर आवागमन सुनिश्चित करने के लिए सड़कों के मरम्मत और पुनः सतहीकरण का कार्य किया जा रहा है। साथ ही भीड़ प्रबंधन और सूचना प्रसारण के लिए सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली की व्यवस्था भी की गई है।

उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता एवं सफाई को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। मेले के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए खाद्य निरीक्षकों की तैनाती की गई है। मंत्री ने बताया कि इस वर्ष अब तक असम में लगभग 85 लाख घरेलू और 42 हजार विदेशी पर्यटक पहुंच चुके हैं, जो राज्य के पर्यटन क्षेत्र में बढ़ती रुचि को दर्शाता है। गुवाहाटी के पुलिस उपायुक्त (यातायात) जयंत सारथी बोरा ने बताया कि मेले के दौरान नर्सरी प्वाइंट के आगे केवल आपातकालीन सेवाओं के वाहनों को ही जाने की अनुमति होगी। खाद्य सामग्री ले जाने वाले वाहन रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक ही संचालित हो सकेंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पांडु मार्ग तथा सोनाराम स्कूल मैदान से फेरी सेवाओं की भी व्यवस्था की गई है। यातायात व्यवस्था के तहत कई मार्गों पर डायवर्जन लागू रहेगा और सड़क किनारे वाहन खड़े करने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। प्रशासन ने विभिन्न स्थानों पर पार्किंग स्थल निर्धारित किए हैं। पर्यटन विभाग के आयुक्त एवं सचिव दिगंत बोरा ने बताया कि श्रद्धालुओं को सुबह 5 बजे से शाम 6 बजे तक कामाख्या मंदिर की ओर जाने की अनुमति होगी।

अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा समीक्षा करने केंद्रीय गृह मंत्रालय का प्रतिनिधिमंडल 20-21 को जम्मू-कश्मीर का करेगा दौरा

जम्मू। अमरनाथ यात्रा की तैयारियां अपने अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। ऐसे में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल 20 और 21 जून को जम्मू-कश्मीर का दौरा करेगा, ताकि सुरक्षा और दूसरे इंतजामों की समीक्षा की जा सके। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल में सीआरपीएफ, बीएसएफ और एसएसबी समेत बड़े सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स के डायरेक्टर जनरल और सीनियर ऑफिसर के अलावा इंटेलिजेंस ब्यूरो और होम मिनिस्ट्री के सीनियर ऑफिसर भी शामिल होंगे। यह टीम 57 दिन की अमरनाथ यात्रा के लिए किए गए जमीनी इंतजामों की समीक्षा करेगी, जो 3 जुलाई से शुरू होगी और 28 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा और रक्षा बंधन के मौके पर संपन्न होगी। अमरनाथ यात्रा के लिए अब तक लगभग 90 प्रतिशत सुरक्षा बलों की तैनाती की जा चुकी है, जबकि बाकी टुकड़ियां 20 जून से पहले अपनी-अपनी जगहों पर पहुंच जाएंगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने यात्रा के लिए पैरामिलिट्री फोर्स की 670 कंपनियों की तैनाती को मंजूरी दे दी है, जिसमें से ज्यादातर जवान कश्मीर घाटी में तैनात किए गए हैं, ताकि मल्टी-लेयर सिक्योरिटी फ्रेमवर्क को मजबूत किया जा सके। अभी श्रीनगर शहर के साथ-साथ अनंतनाग और गांदरबल दोनों रूट पर सिक्योरिटी ड्रिल की जा रही हैं। श्रीनगर शहर में होटलों और दुकानों की तलाशी ली जा रही है। हर आने-जाने वाले की भी तलाशी ली जा रही है। अधिकारी कई समीक्षा बैठकें कर रहे हैं। यात्रियों के आने और यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन में लगातार बढ़ोतरी के साथ अधिकारियों को इस साल भक्तों की भारी भीड़ की उम्मीद है। सूत्रों ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में किसी भी संभावित खतरे को बेअसर करने और अमरनाथ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और बिना किसी घटना के पूरा करने के लिए जम्मू-कश्मीर के पूरे सिक्योरिटी सिस्टम को और मजबूत किया जा रहा है।

हाईवे पर ट्रैक्टरों ने ई रिक्शा सवारों को रौंदा, छह की मौत

एजेंसी, बदायूं

- निर्माणाधीन हाइवे पर रेस लगाने के दौरान हुआ हादसा, दोनों चालक फरार
- बेटे की शादी के अवसर पर ई-रिक्शे पर बैठक परिवार भात मांगने जा रहा था

उत्तर प्रदेश में बदायूं जिले के उझानी कोतवाली क्षेत्र में बुधवार दोपहर को हाइवे पर रेस लगा रहे ट्रैक्टरों ने एक ई-रिक्शा को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में ई रिक्शा सवार छह महिलाओं की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हुए हैं। घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही जिलाधिकारी अवनीश कुमार राय और एसएसपी अंकिता शर्मा भी घटनास्थल पर पहुंचे और हादसे की जानकारी ली। डीएम ने पूरे मामले की जांच के आदेश दिए है। ट्रैक्टर चालकों को पकड़ लिया गया है।

जिलाधिकारी राय ने बताया कि पुलिस की जांच में यह पता चला है कि कछला और उझानी के बीच फूलपुर क्षेत्र में बुधवार दोपहर हाईवे पर दो ट्रैक्टर चालक रेस लगा रहे थे। इसी बीच तेज रफ्तार ट्रैक्टरों ने एक ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। हादसे में ई-रिक्शा पर सवार महिलाएं व अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा, जहां छह महिलाओं को मृत घोषित कर दिया गया। मरने वाली महिलाओं की पहचान कछला की मुरावन मोहल्ला निवासी राजकुमारी (55), गंगाश्री व रेवती (80), प्रेम देवी (45) नारायणी देवी (32) और आरती के रूप में हुई है। हादसे में रिक्शा चालक सनी (32), डाल सिंह (58) समेत तीन लोग घायल हुए हैं। घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

ग्रामीणों के अनुसार मोहल्ला मुरावन नगला निवासी डाल सिंह के बेटे कुंवर पाल की शादी 29 जून को होनी है। परिवार की महिलाएं शादी की रस्म के लिए 'भात' मांगने पड़ोसी गठोना गांव जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शी का कहना है कि निर्माणाधीन हाइवे पर एक ही लेन पर रेस लगाने के दौरान सामने से ई-रिक्शा आ गया और ट्रैक्टरों ने एक दूसरे को ओवरटेक किया तो पहले एक ट्रैक्टर ने ई-रिक्शा को टक्कर मारी तो दूसरे ट्रैक्टर ने रौंद दिया। घटना के बाद चालक फरार हो गये थे, हालांकि अब उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने मामल की जांच कर रही है।

बंगाल के बांकुड़ा में तृणमूल कांग्रेस को झटका, मेयर अलका सेन मजूमदार ने दिया इस्तीफा

एजेंसी, बांकुड़ा

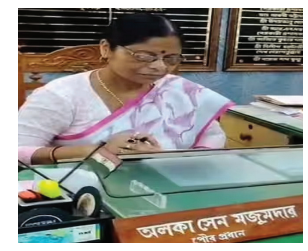

पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। राज्य में तृणमूल कांग्रेस को लगातार झटके लगने के बीच बांकुड़ा नगरनिगम की अलका सेन मजूमदार ने अचानक मेयर पद से इस्तीफा दे दिया। बुधवार को वह बांकुड़ा जिला एसडीओ को अपना इस्तीफा सौंप दिया। इस घटना को लेकर जिले की राजनीतिक अटकलें तेज हो गई हैं।

इस्तीफे के बाद अलका सेन मजूमदार ने कहा कि पार्टी ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी थी, उसे उन्होंने पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निभाने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि उन्होंने व्यक्तिगत कारणों और संगठन के निर्णय का सम्मान करते हुए मेयर पद से इस्तीफा दिया है। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में पार्टी उन्हें जो भी जिम्मेदारी सौंपेगी, वह उसे पूरी प्रतिबद्धता के साथ निभाएंगी।

अलका सेन मजूमदार ने वर्ष 2022 में तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व में नगरनिगम बोर्ड के गठन के बाद मेयर का पद संभाला था। उनके कार्यकाल के दौरान बांकुड़ा नगरनिगम कई बार विवादों और राजनीतिक खींचतान के कारण चर्चा में रहा। नगरनिगम बोर्ड के भीतर मतभेद, पार्षदों की नाराजगी और प्रशासनिक फैसलों को लेकर उठे सवालों ने कई बार संगठन और प्रशासन के सामने चुनौतियां खड़ी कीं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ऐसे समय में मेयर का इस्तीफा कई सवाल खड़े करता है, जब राज्य में तृणमूल कांग्रेस को लगातार संगठनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, अलका सेन मजूमदार ने अपने इस्तीफे को पूरी तरह व्यक्तिगत कारणों से जुड़ा बताया है, लेकिन विपक्षी दल इसे तृणमूल कांग्रेस के भीतर बढ़ते असंतोष से जोड़कर देख रहे हैं। फिलहाल, तृणमूल कांग्रेस की ओर से इस मामले पर कोई विस्तृत प्रतिक्रिया नहीं आई है। अब सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि पार्टी बांकुड़ा नगरनिगम के नए मेयर के रूप में किसे जिम्मेदारी सौंपती है और क्या यह इस्तीफा केवल व्यक्तिगत कारणों तक सीमित है या इसके पीछे कोई बड़ा राजनीतिक संदेश छिपा है।

जीटीए में अनित थापा के बाद डिप्टी चीफ और पंचायत अध्यक्ष ने भी छोड़ा पद

एजेंसी, दार्जीलिंग

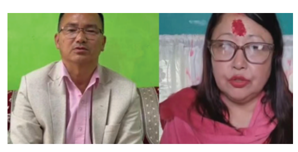

गोरखालैंड टेरिटोरियल एडमिनिस्ट्रेशन (जीटीए) में इस्तीफों का सिलसिला जारी है। बुधवार को अनित थापा के चेयरमैन पद से इस्तीफे के बाद अब डिप्टी चेयरमैन सांचबीर सुब्बा ने भी अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की है।

वहीं, दूसरी ओर कर्सियांग पंचायत समिति की अध्यक्ष अनु छेत्री ने भी पद छोड़ दिया है। अपने इस्तीफे को लेकर अनु छेत्री ने कहा कि राज्य की नई सरकार पर पहाड़ के लोगों का भरोसा है और सभी को उम्मीद है कि डबल इंजन सरकार के जरिए पहाड़ की समस्याओं का स्थायी समाधान निकलेगा।

उन्होंने कहा कि वह भी स्थायी समाधान चाहती है, इसलिए उन्होंने इस्तीफा देने का फैसला किया। इससे पहले अनित थापा ने भी इस्तीफे की वजह बताते हुए कहा था कि जीटीए के रहते हुए पहाड़ की समस्याओं का स्थायी समाधान संभव नहीं हो पा रहा था। उन्होंने यह भी कहा कि विधानसभा चुनाव में पहाड़ के लोगों ने जिस तरह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को समर्थन दिया, उससे साफ है कि लोग स्थायी और राजनीतिक समाधान चाहते है।

अनित थापा ने संकेत दिया कि पहाड़ की लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक समस्याएं ही इस फैसले के पीछे मुख्य कारण हैं और जीटीए से बाहर आकर वह स्थायी समाधान की दिशा में रास्ता बनाना चाहते है।

चेन्नई एयरपोर्ट पर 5 करोड़ रुपये की क्रिस्टल मेथ बरामद, तस्कर पार्सल छोड़कर फरार

एजेंसी, चेन्नई

चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम विभाग लगभग पांच करोड़ मूल्य की मेथामफेटामाइन (क्रिस्टल मेथ) की खेप जब्त की है। यह मादक पदार्थ एक लावारिस पार्सल से बरामद किया गया, जिसे विदेश भेजे जाने की योजना थी। घटना के बाद पार्सल छोड़कर फरार हुए लोगों की तलाश तेज कर दी गई है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, हवाई अड्डे पर नियमित जांच के दौरान कस्टम अधिकारियों को एक संदिग्ध लावारिस पार्सल मिला। संदेह होने पर जब उसकी गहन जांच की गई, तो उसमें बड़ी मात्रा में क्रिस्टल मेथ छिपी हुई पाई गई। इसके बाद नारकोटिक्स कंट्रोल और कस्टम विभाग की संयुक्त टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थ को अपने कब्जे में ले लिया और विस्तृत जांच शुरू कर दी।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह खेप कार्गो विमान के माध्यम से मलेशिया भेजी जानी थी। मामले के खुलासे के बाद हवाई अड्डे पर यात्रियों और कार्गो सामान की जांच को और सख्त कर दिया गया है। अधिकारियों को आशंका है कि जांच की बढ़ती सख्ती के कारण तस्कर पार्सल छोड़कर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद हवाई अड्डे परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों के यात्रा विवरण और अन्य दस्तावेजों की भी बारीकी से जांच की जा रही है।

कस्टम विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तस्करी नेटवर्क की पहचान करने के लिए व्यापक जांच अभियान शुरू किया है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही इस गिरोह से जुड़े लोगों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। गौरतलब है कि तमिलनाडु में हाल के वर्षों में नशीले पदार्थों की तस्करी और अवैध आवाजाही के मामलों में वृद्धि देखी गई है। इसे देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां लगातार निगरानी और जांच को मजबूत कर रही हैं। हालिया बरामदगी को अधिकारियों ने एक बड़ी सफलता बताया है, जो अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी नेटवर्क पर लगाम कसने की दिशा में अहम मानी जा रही है।

मप्र विधानसभा के मानसून सत्र में पेश होगा यूसीसी विधेयक : मोहन यादव

एजेंसी, भोपाल

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विधानसभा के मानसून सत्र में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का प्रस्ताव लाया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि बाबा महाकाल के आशीर्वाद से यह विधेयक इसी सत्र में पारित हो जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को विधानसभा परिसर में पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश नाथ काटजू की जयंती पर आयोजित श्रद्धांजलि समारोह के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि विधानसभा के आगामी सत्र में सरकार कई महत्वपूर्ण और समसामयिक विषयों को लेकर आ रही है। उन्होंने कहा कि देश में एक समान कानून लागू करने की भावना में कुछ भी गलत नहीं है और यह समाज में समानता लाने का प्रयास है। उत्तराखंड, गुजरात और असम जैसे राज्यों में यूसीसी लागू किया जा चुका है। मध्य प्रदेश भी इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। समान नागरिक संहिता को विधानसभा के मानसून सत्र में प्रस्तुत किया जाएगा। इसमें जनजातीय समुदाय अलग रहेगा। कमेटी राय ले रही है। उन्होंने कहा कि भगवान महाकाल ने चाहा तो विधानसभा के इसी सत्र में समान नागरिक संहिता विधेयक पारित होगा और मध्य प्रदेश भी जल्द ही इस कानून को लागू करने वाला राज्य बन जाएगा।

मध्य प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। यह पांच दिवसीय सत्र 24 जुलाई तक चलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशा के अनुरूप प्रदेश में समान नागरिक संहिता की व्यवहारिकता जांचने और इसका मसौदा तैयार करने के लिए राज्य सरकार द्वारा उच्चतम न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति गठित की गई है। इस समिति में रिटायर्ड आईएएस अधिकारी शत्रुघ्न सिंह, कानूनी विशेषज्ञ अनूप नायर, शिक्षाविद् गोपाल शर्मा और सामाजिक कार्यकर्ता बुद्धपाल सिंह को शामिल किया गया है।

समिति को गठन के बाद 60 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट और प्रस्तावित ड्राफ्ट तैयार कर सरकार को सौंपने का निर्देश दिया गया था। यह छह सदस्यीय समिति लगातार प्रदेश के विभिन्न जिलों का दौरा कर रही है और स्थानीय लोगों से इस कानून को लेकर उनकी राय ले रही है। समिति प्रदेश के अधिकांश जिलों में दौरा कर चुकी है। वहीं यूसीसी पर आम नागरिकों के सुझाव ऑनलाइन दर्ज करने के लिए एक आधिकारिक वेब पोर्टल भी शुरू किया है। इस पर भी जनता और विभिन्न संगठनों से यूसीसी को लेकर प्रस्ताव और सुझाव मंगाए जा रहे हैं। जनता के सुझावों और अलग-अलग वर्गों से संवाद के बाद अब इस ड्राफ्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि आगामी मानसून सत्र में इसे विधानसभा पटल पर रखकर पारित कराया जाए और इस साल दिवाली तक मध्य प्रदेश में समान नागरिक संहिता को पूरी तरह लागू कर दिया जाए।

विधानसभा सत्र में यूसीसी प्रस्ताव लाने को लेकर भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने भी सरकार के इस कदम का समर्थन किया है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि यह पूरे हिंदुस्तान की मांग है और यह कानून देश की सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। इसके साथ ही विधायक शर्मा ने जोर देकर कहा कि इस कानून के लागू होने से जनसंख्या पर भी नियंत्रण लगेगा। उन्होंने कहा कि देश के कई राज्यों ने इसे लागू करने की पहल की है और अब मध्य प्रदेश में भी इसकी पूरी तैयारी कर ली गई है। वहीं कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने कहा कि इसका सभी लोग विरोध करेंगे।

गुजरात की तीन महानगर पालिकाओं को बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

एजेंसी, दार्जीलिंग

सूरत। गुजरात की सूरत, जामनगर और वडोदरा महानगर पालिका के कार्यालयों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। धमकी भरे संदेश के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं और संबंधित महानगर पालिका परिसरों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू कर दी गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सबसे पहले जामनगर महानगर पालिका में बम होने संबंधी धमकी भरा ई-मेल मिला। सूचना मिलते ही महानगर पालिका भवन को तत्काल खाली कराया गया और पुलिस, बम निरोधक दस्ता तथा डॉग स्क्वॉड की टीमों ने व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया।

इसी तरह वडोदरा और बाद में सूरत महानगर पालिका की मुख्य कचहरी को भी बम से उड़ाने की धमकी मिलने से प्रशासन में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूरत में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड की टीमों ने निगम भवन, पार्किंग क्षेत्र और आसपास के परिसर की गहन जांच की।

घटना के चलते निगम कर्मचारियों और कामकाज के लिए पहुंचे नागरिकों में कुछ समय के लिए तनाव का माहौल देखने को मिला। हालांकि पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में बताते हुए लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। सूरत साइबर क्राइम ब्रांच पुलिस ने बताया कि यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि धमकी भरा ई-मेल किसने और कहां से भेजा है। फिलहाल सभी स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और जांच जारी है।

'एक देश, एक चुनाव', 'स्वदेशी' और नागरिक कर्तव्य विकसित भारत के आधारस्तंभ : शिवराज

एजेंसी, नई दिल्ली

पटना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भाजपा महानगर द्वारा राजधानी पटना में आयोजित "प्रबुद्ध सम्मेलन" को संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व मंच पर एक मजबूत, आत्मविश्वासी और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ है। सम्मेलन में उपस्थित बुद्धिजीवियों, शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और पार्टी पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति राष्ट्र और समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि लोग उन्हें मंत्री या बड़ा नेता कहते हैं, लेकिन वे स्वयं को हमेशा "कार्यकर्ताओं का कार्यकर्ता" मानते हैं और यही उनकी सबसे बड़ी पहचान है। अपने संबोधन में उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के पुनर्जागरण और विश्वगुरु बनने का जो सपना उन्होंने देखा था, वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में साकार होता दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि आज भारत वैभवशाली, गौरवशाली, शक्तिशाली और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है।

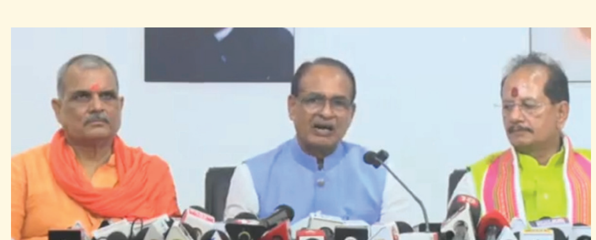

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एक समय ऐसा था जब दुनिया भारत को भ्रष्टाचार और घोटालों के नजरिए से देखती थी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व ने देश की छवि को पूरी तरह बदल दिया। आज भारत निवेश, नवाचार, आर्थिक विकास और वैश्विक नेतृत्व के लिए पहचाना जाता है। उन्होंने कहा कि वे पिछले 35 वर्षों से नरेन्द्र मोदी के साथ कार्य कर रहे हैं और उन्होंने हमेशा उन्हें राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने वाला नेता पाया है। राष्ट्रीय सुरक्षा का उल्लेख करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आज का भारत आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने में सक्षम है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने स्पष्ट संदेश दिया है कि आतंकवाद और उसके समर्थकों के प्रति किसी प्रकार की नरमी नहीं बरती जाएगी। भारत की सुरक्षा और सम्मान से किसी भी कीमत पर समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि गरीब कल्याण है। करोड़ों परिवारों को पक्के मकान, शौचालय, पेयजल, बिजली और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियानों ने समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया है। बिहार में भी महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए उल्लेखनीय प्रयास हुए हैं।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि देश में आधारभूत संरचना का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। वंदे भारत ट्रेनों, अटल टनल, आधुनिक सड़कों, डिजिटल इंडिया और ऊर्जा क्षेत्र में हुए सुधारों ने भारत की नई पहचान बनाई है। कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने न केवल अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की, बल्कि अनेक देशों को वैक्सीन उपलब्ध कराकर मानवता की सेवा का उदाहरण भी प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए समाज को कुछ महत्वपूर्ण संकल्प लेने होंगे। 'वन नेशन-वन इलेक्शन', स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देना तथा प्रत्येक नागरिक द्वारा अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करना समय की आवश्यकता है। किसान, शिक्षक, कर्मचारी, व्यापारी और समाज का प्रत्येक वर्ग अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक पालन करे, तभी विकसित भारत का सपना साकार हो सकेगा।

अंत में केंद्रीय मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र सरकार बिहार के विकास, किसानों की समृद्धि, ग्रामीण बुनियादी ढांचे के विस्तार और गरीब कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती रहेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत अमृतकाल में नई उपलब्धियों का इतिहास रचेगा और विश्व पटल पर अपनी भूमिका को और अधिक सशक्त बनाएगा। इस अवसर पर बिहार के कृषि मंत्री विजय सिन्हा, सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव, विधायक संजीव चौरसिया, रत्नेश कुमार, संजय गुप्ता, प्रदेश महामंत्री नितिन अभिषेक, प्रीति शेखर, जिला अध्यक्ष रूप नारायण, पूर्व विधायक पवन जायसवाल, प्रभाकर मिश्रा, हरि भूषण ठाकुर बचौल, सीता साहू सहित प्रदेश के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

काम,क्रोध,लोभ,मोह और अहंकार पांच विकार बनाम आपदा में अवसर- महाराष्ट्र कैबिनेट उपसमिति द्वारा 44 मामलों को वापस लेने की सिफारिश इसी प्रक्रिया का हिस्सा?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर मानव सभ्यता के विकास का इतिहास केवल भौतिक प्रगति का इतिहास नहीं है, बल्कि यह मानवीय भावनाओं,प्रवृत्तियों और मानसिक अवस्थाओं के निरंतर संघर्ष,संतुलन और परिष्कार का भी इतिहास है।भारतीय दर्शन में काम,क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार को सामान्यतःपंचविकार कहा गया है। धर्मग्रंथों,संत साहित्य और आध्यात्मिक परंपराओं में इनका उल्लेख ऐसे तत्वों के रूप में किया गया है जो मनुष्य को पतन की ओर ले जा सकते हैं।किंतु यदि इनका गहन अध्ययन किया जाए तो स्पष्ट होता है कि ये भाव स्वयं में न तो पूर्णतः अच्छे हैं और न ही पूर्णतःबुरे। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इन पांच विकारों का सदुपयोग करने और उन्हें अवसर में बदलने की अवधारणा को हम इस प्रकार समझ सकते हैः काम (इच्छा/उत्साह):इसे वासना के बजाय कुछ बड़ा हासिल करने या उत्कृष्ट लक्ष्य (जैसे रचनात्मक कार्य या समाज सेवा) के प्रति जुनून में बदलें।क्रोध (रोष):इसे दूसरों या स्वयं के विनाश के बजाय, अन्याय और अपनी कमियों के खिलाफ लड़ने की दृढ़ शक्ति में बदलें।लोभ (लालच): भौतिक वस्तुओं के लालच को ज्ञान, अच्छे कर्म, और आध्यात्मिक उन्नति के प्रति लालसा में बदलें,मोह (लगाव): सांसारिक मोह को अपने काम, परिवार और मानवता के प्रति सच्ची

» काम क्रोध,लोभ,मोह और अहंकारः मानव स्वभाव -आध्यात्मिक दृष्टिकोण से आपदा में अवसर का अर्थ इन नकारात्मक ऊर्जाओं को सकारात्मक दिशा में मोड़ना

» काम,क्रोध,लोभ,मोह और अहंकार भावनाओं को समाज कल्याण,लोक कल्याण, धार्मिक सहायता,सांस्कृतिक संरक्षण और जनहित के कार्यों में नियोजित किया जाए,तो यही पंचविकार मानव उत्थान और सामाजिक परिवर्तन के साधन बन सकते हैं -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

प्रेम भावना में बदलें अहंकार (घमंड): इसे मैं सबसे श्रेष्ठ हूँ के झूठे अहंकार से निकालकर मैं सब कुछ सीख सकता हूँ के आत्मविश्वास में बदलें। साथियों वास्तव में ये मानव व्यक्तित्व की स्वाभाविक शक्तियां हैं, जिनका परिणाम इस बात पर निर्भर करता है कि उनका उपयोग किस उद्देश्य और किस दिशा में किया जा रहा है। यदि इन्हीं भावनाओं को समाज कल्याण,लोक कल्याण, धार्मिक सहायता,सांस्कृतिक संरक्षण और जनहित के कार्यों में नियोजित किया जाए,तो यही पंचविकार मानव उत्थान और सामाजिक परिवर्तन के साधन बन सकते हैं।भारतीय चिंतन सदैव यह कहता रहा है कि मनुष्य का मूल्यांकन केवल उसके भीतर उत्पन्न होने वाले भावों से नहीं,बल्कि उन भावों के उपयोग और परिणामों से किया जाना चाहिए। उदाहरण के लिए काम केवल भौतिक इच्छा नहीं है, बल्कि सृजन की प्रेरणा भी है। क्रोध केवल विनाश का माध्यम नहीं, बल्कि अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का साहस भी बन सकता है। लोभ यदि व्यक्तिगत स्वार्थ तक सीमित रहे तो हानिकारक है, किंतु यदि वह समाज के लिए अधिक से अधिक संसाधन जुटाने की आकांक्षा में परिवर्तित हो जाए तो विकास का माध्यम बन सकता है। मोह यदि केवल व्यक्तियों तक सीमित न रहकर संस्कृति, समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पण का रूप ले ले तो वह सामाजिक एकता का आधार बन जाता है। इसी प्रकार अहंकार यदि आत्ममुग्धता न बनकर आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता में परिवर्तित हो जाए तो समाज को दिशा देने का कार्य करता है। इसलिए यह मान लेना कि इन भावों का उदय होते ही व्यक्ति गलत मार्ग पर चल पड़ा है, एक अधूरी और सतही समझ होगी। साथियों बात अगर हम इन पांचो विकारों में से किसी एक की तुलना महाराष्ट्र शासन की एक कमेटी क़े निर्णय से करें तो 17 जून 2026 को महाराष्ट्र में मंत्री आशीष शेलार की अध्यक्षता वाली कैबिनेट उपसमिति द्वारा 44 मामलों को वापस लेने की सिफारिश इसी प्रक्रिया का हिस्सा है। इससे पहले 29 सितंबर 2025 को भी 77 मामलों को वापस लेने की सिफारिश की गई थी। इन आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि सरकार केवल एक बार की कार्रवाई नहीं कर रही, बल्कि एक संस्थागत व्यवस्था विकसित करने का प्रयास कर रही है जिसके माध्यम से ऐसे मामलों की नियमित समीक्षा की जा सके। यह दृष्टिकोण प्रशासनिक संवेदनशीलता और लोकतांत्रिक परिपक्वता का परिचायक माना जा सकता है।इन मामलों की प्रकृति पर ध्यानदेना भी आवश्यक है।समिति द्वारा जिन मामलों को वापस लेने की सिफारिश की जाती है,वे मुख्य रूप से गणेशोत्सव, नवरात्रोत्सव, दहीहंडी, श्रमिक आंदोलनों, सामाजिक कार्यक्रमों तथा विभिन्न वैचारिक या जनहित आंदोलनों से जुड़े होते हैं। ऐसे आयोजनों में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी होती है और कभी-कभी प्रशासनिक प्रक्रियाओं या स्थानीय परिस्थितियों के कारण मामले दर्ज हो जाते हैं। साथियों,यदि इन मामलों में कोई गंभीर आपराधिक मंशा नहीं है और वे केवल सार्वजनिक गतिविधियों के दौरान उत्पन्न परिस्थितियों से

संबंधित हैं, तो उनकी पुनर्समीक्षा लोकतांत्रिक न्याय की भावना के अनुरूप मानी जा सकती है।हालांकि, इस पूरी प्रक्रिया की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें स्पष्ट सीमाएं और अपवाद निर्धारित किए गए हैं।महिलाओं के विरुद्ध अपराध, हत्या, गंभीर हिंसा, गंभीर मारपीट जैसे जघन्य अपराध तथा व्यक्तिगत या दीवानी विवादों से जुड़े मामलों को किसी प्रकार की राहत नहीं दी जाती। यह व्यवस्था यह सुनिश्चित करती है कि सामाजिक या राजनीतिक गतिविधियों की आड़ में गंभीर अपराधों को संरक्षण न मिले। इसी प्रकार जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों का अंतिम निपटारा न्यायालयों के निर्देशों के अनुसार किया जाता है। इससे यह संदेश जाता है कि कानून के शासन और लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व के सिद्धांतों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। साथियों, महाराष्ट्र सरकार द्वारा गठित मंत्रिमंडलीय उपसमिति इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखी जा सकती है। इस समिति का उद्देश्य उन मामलों की पहचान करना है जो मुख्यतः सामाजिक धार्मिक या राजनीतिक गतिविधियों के दौरान दर्ज हुए हैं और जिनमें गंभीर आपराधिक तत्व नहीं हैं। समिति के समक्ष आने वाले प्रत्येक आवेदन की गहन जांच की जाती है। इसके बाद जिन मामलों को वापस लेने योग्य माना जाता है, उन्हें पुलिस उपायुक्त की अध्यक्षता वाली क्षेत्रीय समितियों के पास भेजा जाता है, जहां आगे की प्रक्रिया पूरी की जाती है। यह व्यवस्था यह सुनिश्चित करने का प्रयास करती है कि केवल उचित मामलों को ही राहत मिले और न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता बनी रहे। साथियो, विश्व इतिहास इस बात का साक्षी है कि अधिकांश सामाजिक आंदोलनों,स्वतंत्रता संघर्षों और जनजागरण अभियानों के पीछे मानवीय भावनाओं की प्रबल भूमिका रही है।अन्याय के विरुद्ध क्रोध,समाज के प्रति मोह, परिवर्तन की इच्छा और नेतृत्व का आत्मविश्वास ही बड़े-बड़े आंदोलनों को जन्म देता है।यदि महात्मा गांधी को अंग्रेजी शासन की अन्यायपूर्ण नीतियों पर नैतिक आक्रोश न होता,यदि नेल्सन मंडेला कोरंगभेद के विरुद्ध संघर्ष की तीव्र भावना न होती,यदि मार्टिन लूथर किंग जूनियर को सामाजिक समानता के लिए गहरा समर्पण न होता, तो इतिहास की दिशा संभवतः अलग होती। इसका अर्थ यह है कि मानवीय भावनाओं को केवल विकार कहकर नकार देना उचित नहीं है; उन्हें सकारात्मक दिशा देना अधिक महत्वपूर्ण है। साथियों, वास्तव में समाज कल्याण और लोकहित के लिए कार्य करने वाले लोगों को केवल इसलिए अपराधी की तरह देखना उचित नहीं हो सकता क्योंकि किसी आंदोलन या आयोजन के दौरान उन पर मामला दर्ज हो गया था। यदि उनके कार्यों का उद्देश्य समाज की भलाई, सांस्कृतिक संरक्षण, धार्मिक आयोजन या जनहित रहा हो और उन्होंने कोई गंभीर अपराध न किया हो, तो उन्हें सुधार और पुनर्विचार का अवसर मिलना चाहिए। यह दृष्टिकोण दंडात्मक न्याय के स्थान पर सुधारात्मक न्याय की अवधारणा को मजबूत करता है।आज आवश्यकता इस बात की है कि समाज पंचविकारों को केवल नकारात्मक दृष्टि से देखने की बजाय उनके सकारात्मक रूपों को भी समझे। जब काम सेवा की आकांक्षा बनता है, क्रोध अन्याय के विरुद्ध संघर्ष बनता है, लोभ समाज के लिए संसाधन जुटाने की प्रेरणा बनता है, मोह संस्कृति और समाज के प्रति समर्पण बनता है तथा अहंकार आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता में परिवर्तित होता है, तब यही भाव मानवता के विकास के साधन बन जाते हैं। इसी प्रकार लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में भी केवल कानून का कठोर अनुपालन ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि परिस्थितियों, उद्देश्यों और सामाजिक हितों को ध्यान में रखते हुए न्यायपूर्ण निर्णय लेना भी आवश्यक है। साथियों, महाराष्ट्र सरकार की समिति द्वारा मामलों की समीक्षा और उपयुक्त मामलों को वापस लेने की सिफारिश इसी संतुलित दृष्टिकोण का उदाहरण है। यह पहल एक ओर कानून के शासन का सम्मान करती है, वहीं दूसरी ओर सामाजिक कार्यकर्ताओं, धार्मिक आयोजकों और जनहित में कार्य करने वाले नागरिकों को अनावश्यक कानूनी बोझ से राहत देने का प्रयास भी करती है। यदि यह प्रक्रिया पारदर्शिता, निष्पक्षता और उत्तरदायित्व के साथ आगे बढ़ती है, तो यह लोकतांत्रिक शासन, सामाजिक न्याय और जनसहभागिता के बीच संतुलन स्थापित करने का एक प्रभावी मॉडल बन सकती है। साथियों, भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक आंदोलनों की एक लंबी परंपरा रही है। विभिन्न समुदाय,संगठन और नागरिक समूह समय-समय पर अपनी मांगों,अधिकारों और सामाजिक उद्देश्यों के लिए आंदोलन करते रहे हैं। गणेशोत्सव नवरात्रोत्सव, दहीहंडी जैसे सांस्कृतिक आयोजनों से लेकर श्रमिक आंदोलनों,सामाजिक सुधार अभियानों और जनहित प्रदर्शनों तक,नागरिक सहभागिता लोकतंत्र की एक महत्वपूर्ण विशेषता है। किंतु अनेक बार इन गतिविधियों के दौरान परिस्थितियां ऐसी बन जाती हैं कि प्रतिभागियों के विरुद्ध आपराधिक मामले दर्ज हो जाते हैं। इनमें से कई मामले ऐसे होते हैं जिनमें हिंसा, गंभीर अपराध या व्यक्तिगत स्वार्थ का तत्व नहीं होता, बल्कि वे प्रशासनिक नियमों के उल्लंघन, प्रदर्शन या सामूहिक गतिविधियों के दौरान उत्पन्न परिस्थितियों से जुड़े होते हैं।यहीं से न्याय और प्रशासन के बीच संतुलन का प्रश्न उत्पन्न होता है। क्या प्रत्येक ऐसा मामला, जो किसी सामाजिक या धार्मिक गतिविधि के दौरान दर्ज हुआ हो, जीवनभर व्यक्ति के साथ जुड़ा रहना चाहिए? क्या ऐसे मामलों के कारण सामाजिक कार्यकर्ताओं, धार्मिक आयोजकों या जनहित के लिए कार्य करने वाले व्यक्तियों का भविष्य प्रभावित होना चाहिए? लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में इन प्रश्नों का उत्तर केवल कानूनी दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि सामाजिक और मानवीय दृष्टिकोण से भी खोजा जाना आवश्यक है। इसी सोच के आधार पर महाराष्ट्र सरकार ने विभिन्न धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक आंदोलनों के दौरान कार्यकर्ताओं पर दर्ज मामलों की समीक्षा और आवश्यक मामलों में उन्हें वापस लेने की प्रक्रिया सटीक रूप से प्रारंभ की है। साथियों, अंतरराष्ट्रीय स्तरपर भी कई लोकतांत्रिक देशों में ऐसी व्यवस्थाएं देखने को मिलती हैं जहां शांतिपूर्ण आंदोलनों से जुड़े मामलों की समीक्षा की जाती है। अनेक देशों में यह माना जाता है कि लोकतंत्र में नागरिकों को अपनी बात रखने, विरोध दर्ज कराने और सामाजिक परिवर्तन के लिए संगठित होने का अधिकार है। यदि इस प्रक्रिया में ऐसे मामले दर्ज हो जाते हैं जिनमें कोई गंभीर आपराधिक तत्व नहीं है, तो समय-समय पर उनकी समीक्षा लोकतांत्रिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक मानी जाती है। महाराष्ट्र की पहल को इसी व्यापक वैश्विक संदर्भ में देखा जा सकता है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करें इसका विशेषण करें तो हम पाएंगे के यह कहा जा सकता है कि मनुष्य के भीतर मौजूद काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार जैसी शक्तियां स्वयं में शत्रु नहीं हैं। उनका स्वरूप इस बात से निर्धारित होता है कि वे किस दिशा में प्रयुक्त हो रही हैं। जब ये भाव समाज, संस्कृति, राष्ट्र और मानवता की सेवा में समर्पित हो जाते हैं, तब वे विकार नहीं बल्कि परिवर्तन और निर्माण की ऊर्जा बन जाते हैं। उसी प्रकार लोकतांत्रिक समाज में कानून का उद्देश्य केवल दंड देना नहीं, बल्कि न्याय स्थापित करना भी है। महाराष्ट्र की वर्तमान पहल इस व्यापक सिद्धांत को व्यावहारिक रूप में प्रस्तुत करती है कि समाज कल्याण, जनभागीदारी और न्याय व्यवस्था के बीच संतुलन स्थापित कर ही एक संवेदनशील, समावेशी और विकसित लोकतंत्र का निर्माण किया जा सकता है।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र
9226229318

छात्र शक्ति और बिहार आंदोलन का संदेश

मनोज कुमार मिश्र

आजादी के आंदोलन के बाद बिहार के छात्र आंदोलन को देश के इतिहास में सबसे प्रभावशाली माना गया। इस आंदोलन ने देश की सबसे ताकतवर नेता मानी जाने वाली यानी तब की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को न केवल सत्ता से बेदखल किया बल्कि उनको अपनी खुद की सीट से पराजय का सामना करना पड़ा। यह अलग बाद है कि सत्ता पर काबिज नेताओं के आपसी कलह और स्वार्थ ने जनता पार्टी के प्रयोग को विफल कर दिया और इंदिरा गांधी सत्ता में वापस आ गई। उसके बाद असम विदेशी घुसपैठ विरोधी आंदोलन से लेकर 2011 के समाजसेवी अण्णा हजारे की अगुवाई में भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन समेत कई आंदोलनों की अगुवाई छात्र-युवाओं ने ही की। इन आंदोलनों की विफलता ने जन आंदोलनों के पक्षधर लोगों के विश्वास पर ही आघात कर दिया। इसका परिणाम हुआ कि अभी सोशल मीडिया के दम पर बनी कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन शुरू होने से पहले ही समाप्त होने लगा। जबकि नीट पेपर लीक और सीबीएसई की परीक्षा प्रणाली जैसे मुद्दे देश के हर कोने में रहने वाले लाखों छात्र-छात्राओं से सीधा जुड़ा है। खास बात यह है कि इसी उम्र के बच्चे, जिनके लिए जेन जेड (जनरेशन जेड) यानी 1997 से 2012 के बीच पैदा होने वाले छात्र-युवाओं ने पड़ोस के तीन देशों की सरकारें बदल दी। वैसे उन देशों में भी बदलाव बहुत सार्थक होता नहीं दिख रहा है। भारत जैसे विशाल देश में इस तरह के आंदोलन की कल्पना कठिन है लेकिन इतना तय है कि मजबूत विपक्ष की गैरहाजिरी में देश के छात्र-युवा को ही सार्थक विपक्ष की भूमिका निभानी होगी। अगर एक वाक्य में कहें तो यही 1974 के बिहार आंदोलन का संदेश है। इतना ही नहीं, इस आंदोलन के कई संदेश आज भी सामयिक हैं। यह आम धारणा है कि नवंबर 1973 में गुजरात के एक इंजीनियरिंग कालेज के छात्रावास की फीस बढ़ने के खिलाफ छात्रों का आंदोलन शुरू हुआ जो गुजरात की चिमन भाई पटेल सरकार के भ्रष्टाचार, कुशासन और मंहगाई के खिलाफ स्वतः स्फूर्त प्रदेश भर का आंदोलन बन गया। जिसे गुजरात नव निर्माण आंदोलन कहा गया। हालांकि बिहार आंदोलन का नेतृत्व करने वाले छात्र नेताओं के अगुवा रामबहादुर राय (वर्तमान में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के अध्यक्ष और पद्मभूषण से सम्मानित) बताते हैं कि कहने के लिए बिहार आंदोलन गुजरात से प्रेरणा लेकर शुरू हुआ लेकिन वास्तव में बिहार आंदोलन की तैयारी लंबे समय से चल रही थी। लोकनायक जयप्रकाश नारायण (जेपी) ने काफी समय बाद आंदोलन का नेतृत्व करना स्वीकारा, वास्तव में उसके काफी समय पहले से उनसे (रामबहादुर राय) और दूसरे छात्र नेता मिलकर आंदोलन की तैयारी की जानकारी देते रहे। राय साहब आंदोलन की 11 सदस्यों की संचालन समिति के सदस्य भी थे। गुजरात आंदोलन में भी सबसे बड़ी भूमिका राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसके छात्र संगठन-अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ही थी। बिहार आंदोलन की भूमिका बनाने में भी संघ के बड़े नेताओं के साथ-साथ तब संघ के पटना महानगर प्रचारक रहे केएन गोविंदाचार्य आदि का था। गोविंद जी बाद में परिषद और भाजपा में बड़े पदों पर रहे। उनकी और राय साहब की जोड़ी बिहार आंदोलन का नेतृत्व करने वालों में अगली पंक्ति में थी। उस आंदोलन में छात्र-युवाओं के समर्पण का गजब अनुभव हुआ। सभी को पता है कि जेपी ने बिहार आंदोलन की अगुवाई करना तभी स्वीकारा जब उन्हें विश्वास दिलाया गया कि आंदोलन पूरी तरह से अहिंसक होगा। इसका ऐसा असर हुआ कि जो छात्र पहले पुलिस को देखते ही हाथों में ईंट-पत्थर उठा लेते थे। वही छात्र पुलिस की लाठी-गोलियों के बीच नारे लगाते थे कि 'हमला चाहे जैसा भी हो हाथ हमारा नहीं उठेगा।

संवेदना और चरित्र निर्माण से ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण

लेखक - कांतिलाल मांडोत

मनुष्य को अन्य प्राणियों से श्रेष्ठ बनाने वाला गुण उसकी संवेदनशीलता है। संवेदना वह शक्ति है जो हमें दूसरों के सुख-दुःख को समझने और महसूस करने की प्रेरणा देती है। यदि किसी व्यक्ति के हृदय में संवेदना नहीं है तो उसका हृदय पत्थर के समान है। पत्थर से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह किसी के दुःख दर्द और कष्ट को समझेगा। किंतु यदि कोई मनुष्य होकर भी दूसरों की पीड़ा के प्रति उदासीन बना रहे तो वह मानवता के वास्तविक स्वरूप से बहुत दूर है। सच्चा मानव वही है जो दूसरों के कष्ट को समझे और अपनी सामर्थ्य के अनुसार उसे दूर करने का प्रयास करे। संवेदना का अर्थ केवल किसी के दुःख पर दुःख प्रकट करना नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है कि पीड़ित व्यक्ति की पीड़ा को स्वयं अनुभव करना और उसे दूर करने के लिए प्रयास करना। संसार में कोई भी व्यक्ति कष्ट नहीं चाहता। सभी सुख और शांति की कामना करते हैं। ऐसे में यदि कोई व्यक्ति साधन संपन्न होने के बावजूद किसी जरूरतमंद की सहायता नहीं करता तो यह उसकी संवेदनहीनता का परिचायक है। जब किसी क्षेत्र में प्राकृतिक आपदा आती है और हजारों लोग अपने घर परिवार तथा जीवन की आवश्यक वस्तुओं से वंचित हो जाते हैं तब प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य बनता है कि वह उनकी सहायता के लिए आगे आए। दान सेवा और सहयोग मानवता के सबसे बड़े धर्म हैं। संकट किसी पर भी कभी भी आ सकता है। यदि समाज के लोग मिलकर एक-दूसरे का सहयोग करें तो किसी भी संकट के प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है। मानव जीवन की सार्थकता केवल अपने लिए जीने में नहीं बल्कि दूसरों के लिए कुछ करने में है। सेवा और सहयोग ही मानवता का सच्चा संदेश है। जो व्यक्ति अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करता है और अपने आसपास के लोगों के प्रति सहानुभूति रखता है वही सच्चे अर्थों में राष्ट्रसेवक है। राष्ट्र का निर्माण केवल धन संपत्ति और आधुनिक साधनों से नहीं होता। किसी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके नागरिक होते हैं। यदि नागरिक कर्तव्यनिष्ठ ईमानदार और चरित्रवान हैं तो राष्ट्र स्वतः प्रगति के मार्ग पर अग्रसर होता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने आचरण को श्रेष्ठ बनाने का प्रयास करना चाहिए। चरित्र निर्माण की प्रक्रिया बचपन से ही प्रारंभ हो जाती है। बाल्यकाल में मनुष्य का मस्तिष्क अत्यंत ग्रहणशील होता है। इस अवस्था में जो संस्कार और विचार बालक के मन में पड़ते हैं वही आगे चलकर उसके व्यक्तित्व और आचरण का आधार बनते हैं। यदि बच्चों को बचपन से ही सत्य ईमानदारी अनुशासन और सेवा जैसे गुणों का अभ्यास कराया जाए तो वे बड़े होकर आदर्श नागरिक बनते हैं। इसके विपरीत यदि उनका वातावरण दूषित हो और उन्हें गलत संगति मिले तो उनके व्यक्तित्व पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए परिवार और समाज का दायित्व है कि बच्चों को पवित्र और सकारात्मक वातावरण प्रदान करें। आज समाज में अनेक प्रकार की बुराइयाँ तेजी से फैल रही हैं। धूम्रपान नशाखोरी झूठ चोरी और अनैतिक आचरण जैसी प्रवृत्तियाँ लोगों के जीवन को प्रभावित कर रही हैं। इन बुराइयों का प्रमुख कारण कुसंगति तथा अशोभनीय और नकारात्मक प्रभावों का बढ़ना है। विशेष रूप से बालक और बालिकाओं को सजग रहने की आवश्यकता है। छोटी-छोटी गलत आदतें धीरे-धीरे बड़े दोषों का रूप ले लेती हैं। झूठ बोलना गलती छिपाना बहाने बनाना या छोटी-मोटी चोरी करना ऐसे बीज हैं जो आगे चलकर व्यक्ति के चरित्र को कमजोर बना देते हैं। इसलिए आवश्यक है कि जीवन में छोटी से छोटी गलत बात को भी स्वीकार न किया जाए। भारतीय संस्कृति में नारी को सदैव सम्मान और आदर का स्थान प्राप्त रहा है। हमारे इतिहास और परंपराओं में नारी शक्ति की महिमा के अनेक उदाहरण मिलते हैं। नारी केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र के निर्माण की भी महत्वपूर्ण शक्ति है। इस गौरवशाली परंपरा को बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि बालिकाएँ बचपन से ही उच्च आदर्शों को अपनाएँ। उन्हें सत्यनिष्ठा सादगी शालीनता और नैतिक मूल्यों पर आधारित जीवन जीने का अभ्यास करना चाहिए। यदि वे अपने जीवन में श्रेष्ठ संस्कारों को स्थान देंगी तो समाज में नैतिकता और संस्कृति की सुगंध सदैव बनी रहेगी। अधिकांश बुराइयों की शुरुआत एक छोटे से विचार से होती है कि "इतना सा कर लेने में क्या हानि है।" यही सोच धीरे-धीरे व्यक्ति को गलत मार्ग पर ले जाती है। प्रारंभ में जो गलती बहुत छोटी लगती है वही समय के साथ एक बड़ी समस्या बन जाती है। इसलिए जीवन में यह संकल्प आवश्यक है कि कोई भी कार्य यदि गलत है तो उसे कभी नहीं करना चाहिए चाहे वह कितना ही छोटा क्यों न हो। छोटी बुराइयों को समय रहते रोक लेना ही सच्ची बुद्धिमानी है। व्यक्ति सुधार से समाज सुधार मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। उसका जीवन समाज से जुड़ा हुआ है। इसलिए उसके प्रत्येक कार्य का प्रभाव केवल उसी तक सीमित नहीं रहता बल्कि परिवार समाज और राष्ट्र तक पहुँचता है। जो लोग यह सोचते हैं कि उनके गलत कार्यों से केवल उन्हें ही नुकसान होगा वे भ्रम में हैं। पाप और बुराई कभी एकांगी नहीं होते। उनका प्रभाव अनेक स्तरों पर पड़ता है। एक व्यक्ति का गलत आचरण उसके परिवार की प्रतिष्ठा को प्रभावित कर सकता है। यही प्रभाव आगे चलकर समाज और राष्ट्र तक पहुँच सकता है। इसलिए समाज सुधार की शुरुआत व्यक्ति सुधार से ही होती है। जब व्यक्ति अपने विचारों और आचरण को शुद्ध बनाता है तब समाज में सकारात्मक परिवर्तन आने लगते हैं। व्यक्ति सुधार किसी दबाव या भय से नहीं बल्कि स्वेच्छा और भावना से होना चाहिए। हृदय से किया गया परिवर्तन ही स्थायी और कल्याणकारी सिद्ध होता है। मनुष्य के विचार भले ही दूसरों को दिखाई न दें किंतु उसका आचरण सबके सामने होता है। आचरण एक ऐसी मौन भाषा है जो बिना शब्दों के भी लोगों को प्रभावित करती है। व्यक्ति का व्यवहार उसके चरित्र का परिचय देता है और दूसरों के लिए प्रेरणा या चेतावनी का कारण बनता है। एक अच्छे व्यक्ति का आचरण समाज में सद्गुणों का प्रसार करता है जबकि बुरे आचरण का प्रभाव भी दूर तक फैलता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को यह समझना चाहिए कि उसका व्यवहार केवल उसका निजी विषय नहीं है बल्कि उसका प्रभाव समाज के अनेक लोगों पर पड़ता है। संवेदना मानवता की आत्मा है और चरित्र उसका आधार। जिस समाज में संवेदनशीलता सेवा सहयोग और नैतिकता का सम्मान होता है वह समाज सदैव प्रगति करता है।

चिन्ताजनक है महंगी होती दवाइयां, महंगा होता इलाज

लेखक - ललित गर्ग

भारत आज विकसित राष्ट्र बनने के स्वप्न के साथ आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण की परिकल्पना बार-बार दोहराई जा रही है। बड़े-बड़े बुनियादी ढांचे, डिजिटल क्रांति, अंतरिक्ष उपलब्धियां और आर्थिक विकास के दावों के बीच एक प्रश्न बार-बार सामने खड़ा हो जाता है-क्या ऐसा भारत वास्तव में विकसित कहलाएगा, जहां एक सामान्य नागरिक बीमारी के कारण कर्ज में डूबने को विवश हो जाए? जहां इलाज और दवाइयों की बढ़ती कीमतें जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय करने लगें? जहां स्वास्थ्य सेवा अधिकार नहीं, बल्कि आर्थिक सामर्थ्य का विषय बन जाए? ऐसे समय में जब महंगाई पहले ही आम आदमी की कमर तोड़ रही है, नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एन.पी.पी.ए.) द्वारा कुछ जीवनरक्षक दवाओं और टीकों की कीमतों में भारी वृद्धि की अनुमति देना गंभीर चिंता का विषय है। कैंसर की कुछ दवाओं, एंटी-टेटनस सीरम और बच्चों के आवश्यक टीकों की कीमतों में लगभग पचास प्रतिशत तक वृद्धि की स्वीकृति ने लाखों परिवारों के सामने नया संकट खड़ा कर दिया है। यह निर्णय केवल आर्थिक मुद्दा नहीं है, बल्कि सामाजिक न्याय, मानवीय संवेदना और जनकल्याणकारी शासन की अवधारणा से भी जुड़ा हुआ प्रश्न है।

भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति किसी से छिपी नहीं है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि देश में बड़ी संख्या में लोग आज भी अपने इलाज का खर्च अपनी जेब से वहन करते हैं। बीमारी केवल स्वास्थ्य संकट नहीं रह जाती, वह आर्थिक संकट में भी बदल जाती है। एक समय था जब कहा जाता था कि व्यक्ति अपनी बेटी की शादी के कारण कर्ज में डूबता है, लेकिन आज की स्थिति यह है कि किसी गंभीर बीमारी का इलाज पूरा परिवार आर्थिक रूप से बर्बाद कर सकता है। कैंसर, हृदय रोग, किडनी रोग या अन्य जटिल बीमारियों का उपचार लाखों रुपये की मांग करता है। ऐसे में यदि जीवनरक्षक दवाइयों की कीमतें भी लगातार बढ़ती रहें तो गरीब और निम्न मध्यम वर्ग के लिए स्वास्थ्य सेवा लगभग असंभव हो जाएगी। एन.पी.पी.ए. ने दवाओं की कीमत बढ़ाने के पीछे उत्पादन लागत में वृद्धि और बाजार में संभावित कमी का तर्क दिया है। उनका कहना है कि यदि दवा कंपनियां लागत भी नहीं निकाल पाएंगी तो वे उत्पादन बंद कर सकती हैं, जिससे मरीजों को आवश्यक दवाएं उपलब्ध नहीं होंगी। यह तर्क अपनी जगह सही हो सकता है। किसी भी उद्योग को जीवित रहने के लिए उचित लाभ आवश्यक है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या जीवनरक्षक दवाओं को सामान्य उपभोक्ता वस्तुओं की तरह देखा जा सकता है? क्या स्वास्थ्य क्षेत्र में लाभ कमाने की सीमा और सामाजिक जिम्मेदारी के बीच संतुलन स्थापित नहीं किया जाना चाहिए? स्वास्थ्य और शिक्षा किसी भी सभ्य समाज की दो मूलभूत आवश्यकताएं हैं। दुर्भाग्य से भारत में इन दोनों क्षेत्रों में व्यवसायीकरण का प्रभाव लगातार बढ़ता गया है। निजी अस्पतालों की बढ़ती फीस, महंगे परीक्षण, अनावश्यक जांचें, चिकित्सा उपकरणों का भारी खर्च और अब दवाइयों की बढ़ती कीमतें मिलकर आम नागरिक को असहाय बना रही हैं। चिकित्सा सेवा धीरे-धीरे सेवा के बजाय उद्योग में परिवर्तित होती दिखाई दे रही है। अस्पताल स्वास्थ्य केंद्र कम और कॉरपोरेट प्रतिष्ठान अधिक प्रतीत होने लगे हैं। रोगी अब मरीज नहीं, बल्कि ग्राहक की तरह देखा जाने लगा है। यह स्थिति केवल आर्थिक असमानता को ही नहीं बढ़ाती, बल्कि सामाजिक विभाजन को भी गहरा करती है। आज भी देश में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मुख्यतः उन्हीं लोगों को उपलब्ध हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति मजबूत है। गरीब व्यक्ति सरकारी अस्पतालों की लंबी कतारों, सीमित संसाधनों और अपर्याप्त सुविधाओं के भरोसे है। अमीर व्यक्ति अत्याधुनिक अस्पतालों और महंगे उपचारों का लाभ उठा सकता है। क्या यही सामाजिक न्याय है? क्या यही वह भारत है जिसकी कल्पना स्वतंत्रता सेनानियों ने की थी? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनेक जनहितकारी योजनाएं लागू हुई हैं। आयुष्मान भारत जैसी योजना ने लाखों लोगों को राहत भी प्रदान की है। जन औषधि केंद्रों की स्थापना ने सस्ती दवाइयों की उपलब्धता बढ़ाने का प्रयास किया है। लेकिन इसके बावजूद स्वास्थ्य क्षेत्र में व्याप्त व्यापक विसंगतियां अभी भी बनी हुई हैं। यदि दवाओं की कीमतें लगातार बढ़ती रहें और निजी स्वास्थ्य सेवाएं अनियंत्रित होती जाएं, तो इन योजनाओं का प्रभाव सीमित हो जाएगा। वास्तविक चुनौती यह है कि स्वास्थ्य को बाजार की शक्तियों के हवाले छोड़ने के बजाय उसे जनकल्याण के केंद्र में रखा जाए। सरकार का दायित्व केवल योजनाओं की घोषणा करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि प्रत्येक नागरिक को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों।

अगर घरेलू क्रिकेट नहीं, तो सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट भी नहीं

पीसीबी ने पेश किया नया फॉर्मूला

लाहौर। अगर पाकिस्तानी क्रिकेटर्स घरेलू टूर्नामेंट्स में हिस्सा नहीं लेते, तो उन्हें सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट नहीं दिया जाएगा। खुद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख मोहसिन नकवी ने यह चेतावनी दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पीसीबी ने सालाना पेमेंट के लिए एक नया और बड़े बदलाव वाला फॉर्मूला पेश किया है। 'टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट' की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2026 के लिए नए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट मॉडल में पारंपरिक ए, बी, सी, डी कैटेगरी की जगह पांच फॉर्मेट-आधारित ट्रैक लाए गए हैं। बोर्ड का दावा है कि क्रिकेट में यह अपनी तरह का पहली संरचना है। टॉप फॉर्मेट, जिसका नाम 'ट्रैक एबी' रखा गया है, उन खिलाड़ियों के लिए होगा जो टेस्ट और वनडे खेलते हैं। 'ट्रैक ए' खास तौर पर टेस्ट खेलने वाले क्रिकेटर्स के लिए होगा। इसी तरह, 'ट्रैक बीसी' व्हाइट-बॉल स्पेशलिस्ट (वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय) के लिए होगा, जबकि 'ट्रैक सी' टी20 अंतरराष्ट्रीय और फ्रेंचाइजी स्पेशलिस्ट के लिए होगा। हाई परफॉर्मेंस एकेडमी में ट्रेनिंग लेने वाले खिलाड़ियों को 'ट्रैक डी' कॉन्ट्रैक्ट मिलेगा।

हाल ही में पाकिस्तान का टेस्ट क्रिकेट में प्रदर्शन खराब रहा है, जिसके बाद पूर्व खिलाड़ियों ने पीसीबी को सुझाव दिया कि खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट, खासकर फर्स्ट-क्लास चार-दिवसीय मुकाबलों में खेलना अनिवार्य किया जाए, क्योंकि इससे उन्हें अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के लिए तैयार होने में मदद मिलेगी।

हमारे पास इस बार फीफा वर्ल्ड कप जीतने का सबसे अच्छा मौका: हैरी केन

आर्लिंगटन (एजेंसी)। इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन का मानना है कि फीफा वर्ल्ड कप 2026 में टीम के पास ट्रॉफी को अपने नाम करने का सुनहरा मौका होगा। बायर्न म्यूनिख के लिए 51 मुकाबलों में 61 गोल करने वाले शानदार सीजन के बाद स्ट्राइकर को भरोसा है कि वह अपने करियर की सबसे अच्छी फॉर्म को जारी रखने और इंग्लैंड को टूर्नामेंट में आगे तक ले जाने के लिए पहले से कहीं ज्यादा तैयार हैं। इंग्लैंड फीफा विश्व कप में अपने अभियान का आगाज क्रोएशिया के खिलाफ गुरुवार को करेगा। मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए 32 साल के खिलाड़ी ने कहा, 'मैं निजी तौर पर कहूंगा कि यह मानसिक और शारीरिक तौर पर मेरा अब तक का सबसे अच्छा सीजन है। मेरे लिए सीजन का अंत बहुत अच्छा रहा। शारीरिक तौर पर मैं खुद को बहुत अच्छी शेप में महसूस कर रहा हूं।' 'अपने करियर के लिए आपको बहुत सी चीजों की जरूरत होती है जो आपके हिसाब से हों और सही समय पर सही जगह पर हों और मुझे लगता है कि इस टूर्नामेंट के लिए ऐसा ही हुआ है। मेरे हिसाब से एक टीम के तौर पर हमारे पास फीफा वर्ल्ड कप जीतने का सबसे अच्छा मौका होगा। मुझे लगता है कि हर कोई अच्छी शुरुआत करने और यह साबित करने के लिए बेताब है कि हमारे पास इस टूर्नामेंट में आगे तक जाने की काबिलियत है।' हैरी केन इंग्लैंड के अब तक के सबसे सफल स्ट्राइकरों में से एक हैं।

निलाक्षिका-कौशानी की तूफानी पारी

● महिला टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रीलंका की 5 विकेट से जीत

उथेम्प्टन (एजेंसी)। श्रीलंका ने द रोज बाउल में खेले गए विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 के 7वें मैच में न्यूजीलैंड के विरुद्ध 5 विकेट से जीत दर्ज की। इसी के साथ 'ग्रुप-बी' में मौजूद श्रीलंका ने जीत का खाता खोल लिया है, जबकि न्यूजीलैंड को लगातार दूसरे मैच में हार का सामना करना पड़ा। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने निर्धारित ओवरों में 6 विकेट खोकर 150 रन बनाए। इस टीम को महज 4 रन पर इसाबेल गेज (4) के रूप में पहला झटका लगा गया था। यहां से कप्तान अमेलिया केर ने जॉर्जिया प्लिम्मर के साथ दूसरे विकेट के लिए 46 गेंदों में 49 रन जोड़कर पारी को संभाला। प्लिम्मर 22 गेंदों में 18 रन बनाकर आउट हुईं, जिसके बाद केर ने सोफी डिवाइन के साथ तीसरे विकेट के लिए 26 गेंदों में 43 रन जुटाए। केर ने 36 गेंदों में 45 रन बनाए। उनकी इस पारी में 5 चौके शामिल रहे।

इसके बाद सोफी डिवाइन ने मोर्चा संभाला। उन्होंने 30 गेंदों में 5 बाउंड्री के साथ 45 रन जुटाए, जबकि मैडी ग्रीन 18 रन बनाकर नाबाद रहीं। विपक्षी खेमे से काशवी दिलहारी ने 2 हासिल किए, जबकि मिताली अयोध्या, सुगंधिका कुमारी, चामरी अट्टापट्टू और निमाशा मीपेज को 1-1 विकेट हाथ लगा।

इसके जवाब में श्रीलंकाई टीम ने 19.4 ओवर में मुकाबला अपने नाम कर लिया। कप्तान चामरी अट्टापट्टू ने विश्मी गुणारत्ने (17) के साथ 5.5 ओवरों में 45 रन की साझेदारी की। अट्टापट्टू 19 गेंदों में 1 छक्के और 4 चौकों के साथ 27 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। आलम ये रहा कि 8.3 ओवरों में 55 के स्कोर तक श्रीलंका ने अपने 4 विकेट खो दिए थे। यहां से काशवी दिलहारी ने निलाक्षिका सिल्वा के साथ 39 गेंदों में 49 रन जुटाए।

काशवी टीम के खाते में 17 रन का योगदान देकर पवेलियन लौटीं,

जिसके बाद निलाक्षिका ने कौशानी नुथ्यंगना के साथ 28 गेंदों में 48 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को रोमांचक जीत दिलाई। न्यूजीलैंड की तरफ से नेंसी पटेल ने 23 रन देकर 2 विकेट निकाले, जबकि ब्री इलिंग को 1 विकेट हाथ लगा।

भारत का अफगानिस्तान के खिलाफ 403 रन विशाल स्कोर, कप्तान गिल ने 154, ईशान ने 125 रन बनाए ; खरोटे को 4 विकेट मिला

गिल वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाले पांचवें भारतीय कप्तान

लखनऊ (एजेंसी)। भारत ने दूसरे वनडे में अफगानिस्तान को 403 रन का टारगेट दिया था। बुधवार को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में भारत ने 49.5 ओवर में 402 पर ऑलआउट हो गई। टीम के लिए कप्तान शुभमन गिल ने 110 बॉल पर 154 और ईशान किशन ने 79 बॉल पर 125 रन बनाए। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 224 रन जोड़कर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।शुभमन गिल और ईशान किशन ने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में शानदार बल्लेबाजी की। गिल और ईशान ने तीसरे विकेट के लिए दमदार साझेदारी की और दोनों बल्लेबाजों ने इस मैच में शतक लगाए। गिल जहां संयमित होकर बल्लेबाजी करते दिखे तो ईशान ने वनडे में टी20 वाला रुख अपनाया। गिल इसके साथ ही वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाले पांचवें भारतीय कप्तान बन गए हैं।अफगानिस्तान ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। अफगानिस्तान ने यशस्वी जायसवाल को आउट कर भारत को शुरुआती झटका दिया। इसके बाद गिल तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे और उन्होंने रोहित के साथ साझेदारी निभाई। रोहित हालांकि, अर्धशतक लगाने से चूक गए और 48 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद चौथे नंबर पर ईशान किशन को उतारा गया। ईशान और गिल ने मिलकर अफगानिस्तान के गेंदबाजों को जमकर परेशान किया ।

एसएलसी ने कार्रवाई की: रिपोर्ट

● दांबुला में भारत-ए और श्रीलंका-ए के खिलाड़ियों के बीच धक्का-मुक्की

दांबुला। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने दांबुला में इंडिया 'ए' और श्रीलंका 'ए' के बीच ट्राई-सीरीज के तनावपूर्ण मैच में शामिल खिलाड़ियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। रिपोर्ट के मुताबिक, मैच रेफरी प्रदीप जयप्रकाश ने इस विवादित मुकाबले के बाद कार्रवाई की है। उल्लेखनीय है कि रंगिरी दांबुला इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए इस मैच में दोनों टीमों का स्कोर 265-265 से बराबर रहने के बाद खेल सुपर ओवर में पहुंचा, जहां श्रीलंका 'ए' ने जीत हासिल की, लेकिन मुकाबला खत्म होने के बाद भारत के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और श्रीलंका 'ए' के विशन हलमबेज के बीच तीखी बहस हुई और मामला धक्का-मुक्की तक पहुंच गया। 'क्रिकबज' के अनुसार, श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज और मैच रेफरी जयप्रकाश की तरफ से लगाए गए प्रतिबंधों में विशेन हलंबागे मुख्य रूप से शामिल हैं।

हालांकि, श्रीलंका 'ए' के विकेटकीपर निरोशन डिकवेला पर भी जुर्माना लगाया गया है, जो हलमबेज और सूर्यवंशी के बीच झगड़े को शांत करवाने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि, डिकवेला पर एक अलग नियम तोड़ने के लिए जुर्माना लगाया गया। विकेटकीपर की ओर से तोड़े गए नियम के बारे में साफतौर पर नहीं बताया गया है, लेकिन क्रिकबज के अनुसार, संभवतः यह जुर्माना बहुत ज्यादा अपील करने की वजह से हो सकता है। फिलहाल यह पुष्टि नहीं हुई है कि वैभव सूर्यवंशी पर कोई कार्रवाई हुई है या नहीं?इस मामले में कोई आधिकारिक सुनवाई नहीं हुई। श्रीलंका 'ए' के सूत्रों ने क्रिकबज को बताया कि उन्हें लगता है कि मैच रेफरी जयप्रकाश ने सिर्फ मैदान पर मौजूद अंपायर्स की रिपोर्ट के आधार पर ये जुर्माना लगाया है।

भारत, श्रीलंका और अफगानिस्तान के बीच जारी ट्राई-सीरीज में मेजबान टीम शीर्ष पर है, जिसने 3 में से 2 मैच जीते हैं। वहीं, भारतीय टीम 3 में से 1 मुकाबला जीतकर दूसरे स्थान पर है। अफगानिस्तान ने 2 में से 1 मैच जीता है। यह टीम तीसरे पायदान पर है।

व्यापार

इस साल अब तक सिर्फ 23 आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। साल 2025 की तेजी के बाद 2026 में भारत के बाजार में थोड़ी सुस्ती देखी गई है। मंगलवार को जारी इक्विरस कैपिटल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, बाजार में उतार-चढ़ाव और अनिश्चितता के बीच इस साल अब तक 23 कंपनियों के जरिए 27,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम जुटाई है। यह सुस्ती पिछले साल के मुकाबले काफी ज्यादा है। साल 2025 में 103 कंपनियों ने लॉन्च किए थे और कुल 1.76 लाख करोड़ रुपये जुटाए थे। अब बाजार में फिर से हलचल बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। वजह ये है कि दुनिया भर में चल रहे तनाव कम हुए हैं। इसी कड़ी में फिनटेक सॉल्यूशंस और इस महीने अपना लाने की तैयारी में हैं। इसके अलावा, वॉटरवेज लीजर टूरिज्म लिमिटेड के भी इसी महीने अपना पहला पब्लिक इश्यू लाने की उम्मीद है। तय शेड्यूल के मुताबिक, 19 जून को और 23 जून को खुलेगा। साथ ही, (नेशनल स्टॉक एक्सचेंज) भी इसी हफ्ते सेबी के पास अपने शुरुआती दस्तावेज जमा कर सकता है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि अगले महीने क्विक कॉमर्स कंपनी म्यूचुअल फंड भी अपना लॉन्च करने की योजना बना रहे हैं। जून के महीने में सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज और हेक्सागन न्यूट्रिशन पहले ही अपना ला चुके हैं। रिपोर्ट के अनुसार, मई 2026 तक मेनबोर्ड के 236 ड्राफ्ट पेपर कतार में थे। इनमें से 163 को सेबी की मंजूरी मिल चुकी है और 73 अभी मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं।

कॉर्पोरेट जॉब शायद ही 9 से 5 की होती है', 21 साल की नौकरी छोड़ करने लगे यह काम, अब पीट रहे लाखों

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान के उदयपुर में महेंद्र पंवार ने मिसाल कायम की है। अपनी जमी-जमाई कॉर्पोरेट नौकरी छोड़कर उन्होंने खेती को अपनी कमाई का जरिया बनाया है। वह 'मेवाड़ एक्जॉटिक फ्रूट फार्म' के संस्थापक हैं। 21 साल के शानदार कॉर्पोरेट करियर को अलविदा कहने के बाद उन्होंने खेती करने का फैसला किया। अपनी बंजर पुश्तैनी जमीन पर ड्रैगन फ्रूट की ऑर्गेनिक खेती शुरू कर वह आज लाखों की कमाई कर रहे हैं। आइए, यहां महेंद्र पंवार की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

महेंद्र पंवार के पिता भारतीय सेना में डॉक्टर थे। उनका शुरुआती जीवन पिता के साथ देश भर में घूमते बीता। उन्होंने मैनेजमेंट और होटल मैनेजमेंट की पढ़ाई की है। पढ़ाई पूरी करने के बाद महेंद्र ने सॉफ्टवेयर, एजुकेशन और हॉस्पिटैलिटी जैसे सेक्टरों में लगभग 21 साल तक नौकरी की।

कॉर्पोरेट नौकरियां शायद ही कभी 9 से 5 की होती हैं। वे अक्सर चौबीसों घंटे आपके समय की डिमांड करती हैं। मेरे पास अपने परिवार के लिए बहुत कम समय था।

लेकिन, भागदौड़ भरी जिंदगी और कॉर्पोरेट वर्कलोड के कारण वह अपने परिवार को समय नहीं दे पा रहे थे। एक बेहतर 'वर्क-लाइफ बैलेंस' और खुद का कुछ बड़ा शुरू करने की चाहत में उन्होंने साल 2016 में कॉर्पोरेट जगत छोड़ दिया। इसके बाद अपनी पुश्तैनी जमीन की ओर रुख किया। स्टार्टअपपीडिया के साथ बातचीत में महेंद्र ने कहा था, 'कॉर्पोरेट नौकरियां शायद ही कभी 9 से 5 की होती हैं। वे अक्सर चौबीसों घंटे आपके समय की डिमांड करती हैं। मेरे पास अपने परिवार के लिए बहुत कम समय था। इतने सालों तक दूसरों के लिए काम करने के बाद मुझे लगा कि अब अपना खुद का कुछ बनाने का समय आ गया है।'

विदेश में सीखे खेती के गुर

महेंद्र के पास खेती का कोई पुराना अनुभव नहीं था। उन्होंने इंटरनेट पर रिसर्च करने के साथ सीधे उन देशों का रुख किया जहां पहले से एक्जॉटिक फलों की मजबूती खेती होती थी। साल 2016 में उन्होंने वियतनाम जाकर वहां के खेतों में मजदूरों के साथ खुद काम किया। इसके पीछे मंशा यह थी कि खेती की बारीकियों और सालभर उत्पादन लेने की तकनीकों को व्यावहारिक रूप से सीखा जा सके। इसके बाद उन्होंने फिलीपींस का दौरा कर ड्रैगन फ्रूट के वैल्यू-एडेड प्रोडक्ट्स बनाने की समझ विकसित की और भारत लौट आए। उदयपुर के पास उनकी 1.5 एकड़ पुश्तैनी जमीन का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा पथरीला और असमतल था। इसे खेती योग्य बनाने में ही उन्हें काफी मशक्कत करनी पड़ी। देसी जुगाड़ से की लागत में कटौती ड्रैगन फ्रूट एक कैक्टस प्रजाति का पौधा है।

800 सस्ता हुआ सोना, चांदी भी 1,300 लुढ़की

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने और चांदी की कीमत में शुरुआती कारोबार में आज गिरावट आई है। एमसीएक्स पर सोने की कीमत में करीब 800 रुपये की गिरावट आई है जबकि चांदी की कीमत 1,328 रुपये फिसली है। पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीद में कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आई है। इससे महंगाई कम होने की उम्मीद है। इसका असर सोने और चांदी की कीमत पर दिख रहा है। सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में गिरावट आई है जबकि चांदी फ्लैट ट्रेड कर कर रही है। एमसीएक्स पर 5 अगस्त की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 1,53,091 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। आज यह 1,52,800 रुपये पर खुला और शुरुआती कारोबार में 1,52,301 रुपये तक लुढ़का। 10.45 बजे यह 541 रुपये की गिरावट के साथ 1,52,550 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। चांदी भी शुरुआती कारोबार में 1,328 रुपये तक गिरकर 2,48,777 रुपये तक फिसली। अभी यह 202 रुपये नीचे 2,49,903 रुपये पर ट्रेड कर रही है। सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में गिरावट आई है। गुड रिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट वाला सोना 270 रुपये की गिरावट के साथ 1,51,100 रुपये पर ट्रेड कर रहा है।

तीन घटनाएं, रणनीति एक, ईरान-ओमान होर्मुज डील पर चुप है अमेरिका

नई दिल्ली, एजेंसी। होर्मुज स्ट्रेट दोबारा खुलने जा रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच ऐतिहासिक समझौते ने इसके लिए रास्ता साफ कर दिया है। हालांकि, जानकार इसके पीछे अमेरिका की एक गहरी रणनीति को देख रहे हैं। उद्यमी और आर्थिक मामलों के जानकार विजय पृथ्वी ढिल्लों का कहना है कि यह डील अमेरिका की सोची-समझी स्ट्रेटेजी का हिस्सा है। उन्होंने इसे तीन घटनाओं से जोड़कर बताया है। साथ ही दावा किया है कि ईरान-ओमान होर्मुज डील पर अमेरिका का चुप रहना भी इसी का हिस्सा है।

उद्यमी विजय पृथ्वी ढिल्लों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट किया है। उन्होंने सवाल उठाया कि ईरान-ओमान होर्मुज डील पर अमेरिका चुप क्यों है फिर वह इसके जवाब में कहते हैं कि अमेरिका इसलिए ऐसा कर रहा है क्योंकि चुप्पी का मतलब मंजूरी है। वह तीन घटनाओं का जिक्र करते हैं। कहते हैं कि ये घटनाएं अलग-अलग जरूर हैं। लेकिन, इनके पीछे स्ट्रेटेजी एक है। ढिल्लों लिखते हैं, 'तीन घटनाएं। एक रणनीति।' इसमें

ढिल्लों सबसे पहले वेनेजुएला का जिक्र करते हैं। इस देश में तेल का दुनिया का सबसे बड़ा रिजर्व है। अमेरिका यहां घुसकर अपना कब्जा कायम करता है। उन्होंने कहा, 'वेनेजुएला-अमेरिका चुपचाप आगे बढ़ता है। दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार। भारी कच्चा तेल जिससे 60 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा कीमत पर मुनाफा होता है।' इसके बाद ढिल्लो ग्रीनलैंड की बात करते हैं जो अमेरिका को आर्कटिक के तेल तक पहुंच देता है। यहां पहुंचकर अमेरिका ने सप्लाई का एक और जरिया सुरक्षित किया है। फिर आर्थिक मामलों के जानकार होर्मुज स्ट्रेट का जिक्र करते हैं। इस संकरे पानी के रास्ते से दुनिया के रोजाना तेल का 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है। ईरान-ओमान इस पर 'नेविगेशन फीस' (आवाजाही का शुल्क) ले रहे हैं। लेकिन, अमेरिका कुछ नहीं कहता। उन्होंने लिखा, 'होर्मुज- दुनिया के रोजाना तेल का 20 प्रतिशत हिस्सा; ईरान-ओमान इस पर 'नेविगेशन फीस' ले रहे हैं। वॉशिंगटन कुछ नहीं कहता।' ढिल्लों इसके बाद अमेरिका के चुप रहने की वजह गिनाते हैं। उनके मुताबिक, इसका कारण है - अमेरिकी शेल तेल। वेनेजुएला का भारी कच्चा तेल। दोनों को मुनाफे के लिए 65-70 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा कीमत चाहिए। उद्यमी ने दावा किया कि इसलिए अमेरिका एक ऐसा सिस्टम बनाता है जो कीमत को ठीक उसी स्तर पर बनाए रखे।

अडानी ग्रुप में बड़ा बदलाव! एआई करेगा हजारों काम

नईदिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप में इस बदलाव की कमान परिवार और कंपनी के टॉप अधिकारियों ने संभाली है। गौतम अडानी (चेयरमैन) कुछ भूमिकाओं को आउटसोर्सिंग को सौंपने के काम की देखरेख कर रहे हैं। वहीं, करण अडानी (मैनेजिंग डायरेक्टर, अडानी पोर्ट्स) कंपनी में युवाओं को शावमिल करने और विविधता बढ़ाने के अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। जुगेशिंदर सिंह को एआई और इंसानों के मिलकर काम करने वाले मॉडल को लागू करने की जिम्मेदारी दी गई है। हाल ही में उन्हें जैसे विभागों का अतिरिक्त प्रभार भी मिला है।

कोबोटिक मॉडलत्न कंपनी एक ऐसा सिस्टम बना रही है, जहां एआईऔर इंसान मिलकर काम करेंगे। डाटा एंट्री, बिल बनाना और सैलरी कैलकुलेशन जैसे तय नियमों वाले काम अब एआई बॉट्स करेंगे। वहीं, सेल्स, बिजनेस स्ट्रेटेजी और क्लाइंट मैनेजमेंट जैसे कामों में मुख्य भूमिका इंसानों की ही रहेगी, लेकिन उन्हें असिस्ट करने के लिए,एआई मौजूद होगा। इसके अलावा परफॉर्मेंस रिव्यू करने के लिए कंपनी अब मैनेजरों के फीडबैक के बजाय,द्ध और स्कोर-बेस्ड (अंकों पर आधारित) सिस्टम से कर्मचारियों के काम का मूल्यांकन करने की योजना बना रही है।

युवाओं और महिलाओं को प्राथमिकता

अडानी ग्रुप अपनी टीम की औसत उम्र को कम करना चाहता है और महिलाओं की संख्या बढ़ाना चाहता है।

साल 2025-26 के अंत तक ग्रुप में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 5 प्रतिशत थी। इसे सुधारने के लिए उदाहरण के तौर पर अडानी पावर ने महिला ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनीज की भर्ती बढ़ाई है, जिससे वहां महिलाओं का अनुपात बढ़ा है। फैसले तेजी से लिए जा सकें, इसके लिए कंपनी अपने मैनेजमेंट के लेवल को घटाकर केवल 3 लेयर्स स्ट्रक्चर में समेट रही है। इसके अलावा, लॉजिस्टिक्स और मैन्युफैक्चरिंग जैसे इन-हाउस कामों को बाहरी वेंडर्स को आउटसोर्स किया जा रहा है। इसके तहत कई ऑन-साइट कर्मचारियों को वेंडर्स के पेरोल पर शिफ्ट किया गया है। उदाहरण के लिए अडानी ग्रीन एनर्जी के आंतरिक कर्मचारियों की संख्या में बड़ी कमी आई है,क्योंकि काम वेंडर्स को दे दिया गया है।

बदलाव के बीच चुनौतियां और कर्मचारियों की चिंताएंइतने बड़े और तेजी से हो रहे बदलावों के कारण कर्मचारियों के बीच थोड़ी घबराहट और असंतोष भी देखा जा रहा है। इस साल अप्रैल में पुरानी व्यवस्था के तहत हुए अप्रेजल से कई कर्मचारी नाखुश दिखे, क्योंकि नया,द्ध सिस्टम अभी पूरी तरह लागू नहीं हुआ है। गुजरात के हजीरा पोर्ट पर कुछ क्रेन ऑपरेटरों ने तब हड़ताल कर दी, जब उन्हें वेंडर के पेरोल पर शिफ्ट किया गया, क्योंकि वे कंपनी के कर्मचारियों को मिलने वाले विशेष बोनस से वंचित रह गए थे। कंपनी के अधिकारियों का मानना है कि किसी भी नई शुरुआत में शुरुआती दिक्कतें आती हैं। इसे दूर करने के लिए खुद गौतम अडानी और सीनियर लीडरशिप सीधे ग्राउंड लेवल पर जाकर कर्मचारियों से बात कर रहे हैं, ताकि उनका भरोसा बना रहे। अडानी ग्रुप का यह प्रयोग भारत के कॉर्पोरेट जगत के लिए एक नया उदाहरण पेश कर सकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593 RNI No.: DELHIN/2008/23928
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)